फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 352 प्रभात जयपुर, सोमवार 24 जुलाई, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

A Pilgrimage of Discovery

Gradients, foliage, slush, mines, something only an actual site visit can reveal. Even a satellite image can-not bring out what 1/2 Punjab was confronted with.

International Chess Day

Riding In The Rain | These wet season routes take on Himalayan mountain passes

चीन के आखिरी सम्राट आइसिन जिओरो पूयी की प्लैटिनम की घड़ी 62 लाख डॉलर में बिकी है। फिलिप्स ऑक्शन हाउस (एशिया) के थॉमस पेरात्ज़ी ने कहा कि, यह रकम पूर्व अनुमान (30 लाख डॉलर) से कहीं ज्यादा है, किसी सम्राट की घड़ी इससे पहले इतनी महंगी नहीं बिकी। सम्राट पूयी की कहानी पर 1987 में ऑस्कर विजेता फिल्म ''लास्ट एम्परर'' बनी थी। उन्होंने चिंग साम्राज्य के दौरान 1908 से 1912 के बीच चीन पर शासन किया था। पूयी ने सोवियत जेल से विदा होते समय अपने रुसी इन्टरप्रैटर (दुभाषिया) जॉर्जी परमायकोव को यह घड़ी तोहफे में दी थी। परमायकोव की मौत के बाद उसके परिजनों ने घड़ी एक अज्ञात खरीददार को बेच दी। एतिहासिक महत्व के अलावा भी इस घड़ी का काफी महत्व है, क्योंकि यह बेहद दुर्लभ है। कीमती घड़ियां बनाने वाली स्विस कम्पनी पातेक फिलीप ने इस तरह की मात्र 8 घड़ियां ही बनाई थीं। नीलामी से पहले ऑक्शन हाउस ने घड़ी का इतिहास व प्रामाणिकता सिद्ध करने के लिए तीन साल तक रिसर्च की। रिसर्च करने वाले विभिन्न विशेषज्ञों में शिकागो के फ्री लांस पत्रकार रसल वर्किंग भी शामिल थे। उन्होंने 2001 में परमायकोव का इंटरव्यू लिया था और उनके पास इस घड़ी को देखा भी था। पूयी 1908 में चीन के सम्राट बने थे, तब वे मात्र 2 साल के थे। चीन की क्रांति के बाद उन्हें 1912 में सिंहासन त्यागना पड़ा। उन्होंने अपना नाम बदलकर हैरी कर लिया, पर बीजिंग महल में ही रहते रहे। सन् 1934 से 45 तक, उन्होंने उत्तर पूर्वी चीन के जापान नियंत्रित क्षेत्र, मंचुकुओ की कठपुतली बनकर राज किया। पूयी के भतीजे आसिन जिओरो यूआन ने अपनी स्मृतियों में लिखा है कि, पूयी रोज यह घड़ी पहनते थे। दूसरे विश्व युद्ध के अंत में जब जापान ने मित्र राष्ट्रों के समक्ष आत्म समर्पण किया, तब सोवियत सेना ने पूयी को गिरफ्तार कर बंदी शिविर में रखा, पूयी अपने साथ निजी सामान के अलावा घड़ी भी ले गए, वहीं पर परमायकोव से उनकी दोस्ती हुई। बंदी शिविर से विदा होते समय उन्होंने परमायकोव घड़ी तोहफे में दे दी। घड़ी अभी भी काफी हद तक ठीक है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले सैनिक का कोर्ट मार्शल हुआ, 10 साल जेल

यह सैनिक कोविड लॉकडाउन के दौरान देश की उत्तरी सीमाओं की जासूसी सूचनायें दिल्ली में पाकिस्तानी दूतावास के एक कमर्चारी को देते हुये दस्तावेजों के साथ पकड़ा गया था

- **दिल्ली में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के उच्चायोग में कार्यरत पाकिस्तानी नागरिक आबिद हुसैन उर्फ नाइक आबिद के संपर्क में था।**
- **सैनिक की ओर से दुश्मन की जासूसी एजेंसी को मुहैया कराए गए दस्तावेजों की एक लिस्ट भी सामने आई है। इसमें भारतीय सेना के उस फॉर्मेशन की गार्ड ड्यूटी की सूची के साथ ही उसकी अपनी फॉर्मेशन की तमाम गतिविधियां भी शामिल थीं, जहां वह सैनिक तैनात था।**

नई दिल्ली, 23 जुलाई। पाकिस्तान को गुप्त सूचनायें देने के मामले में सेना कोर्ट मार्शल ने दोषी सैनिक को 10 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई है। यह जवान उत्तरी सीमाओं पर सैन्य गतिविधियों के बारे में नई दिल्ली में पाकिस्तान दूतावास के कर्मचारी को सूचनाएं देते हुए पकड़ा गया था। इसे देखते हुए ही इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि, महिला अधिकारी की अध्यक्षता में कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया पूरी हुई। दोषी सैनिक को 10 साल और 10 महीने की जेल की सजा सुनाई गई, जो पाकिस्तानी जासूस को गुप्त सूचना भेजते हुए पकड़ा गया था।

सैनिक दिल्ली में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के उच्चायोग में कार्यरत पाकिस्तानी नागरिक आबिद हुसैन उर्फ नाइक आबिद के संपर्क में था। सैनिक की ओर से दुश्मन की जासूसी एजेंसी को मुहैया कराए गए दस्तावेजों की भी लिस्ट सामने आई है। इसमें उस फॉर्मेशन की गार्ड ड्यूटी सूची के साथ ही उसकी अपनी फॉर्मेशन की गतिविधियां भी शामिल थीं, जहां वह तैनात था। जवान न करोना लॉकडाउन के दौरान वाहनों की आवाजाही की लिस्ट के साथ-साथ फॉर्मेशन के वाहनों से जुड़ी जानकारियां देने का कोशिश की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोषी सैनिक को केवल छोटी-मोटी जानकारियां ही उपलब्ध हो पाती थीं। कोर्ट मार्शल के दौरान कहा गया कि, सेना ऐसी हरकतों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करती। इस तरह के मामले में दोषियों को उचित सजा दी गई है। बता दें कि, सैनिक को कोर्ट मार्शल की ओर से दी गई सजा सीनियर अधिकारियों द्वारा पुष्टि के अधीन होगी।

वहीं दूसरी ओर, दिल्ली हाई कोर्ट ने सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के मानहानि मामले में उन्हें 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि, एक न्यूज पोर्टल में प्रकाशित खबर के कारण सेना के अधिकारी की सार्वजनिक तौर पर मानहानि हुई है, समाचार माध्यमों द्वारा इस तरह की गलती बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

दिल्ली हाई कोर्ट ने रक्षा खरीद में भ्रष्टाचार में शामिल होने संबंधी खुलासे के कारण भारतीय सेना के अधिकारी की जो बदनामी हुई, उसे लेकर उन्हें 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का फैसला किया है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने मेजर जनरल एम एस अहलूवालिया द्वारा दायर मुकदमे का फैसला करते हुए शुक्रवार को निर्देश दिया। इसमें कहा गया कि इस राशि का भुगतान समाचार पोर्टल तहलका डॉट कॉम, इसकी मालिक कंपनी मेसर्स बफेलो कम्युनिकेशंस, इसके मालिक तरुण तेजपाल और दो पत्रकारों-अनिरुद्ध बहल व मैथ्यू सैमुअल की ओर से किया जाएगा। अदालत ने कहा कि, किसी ईमानदार सैन्य अधिकारी की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचाने का इससे बड़ा मामला नहीं हो सकता। प्रकाशन के 23 वर्षों के बाद माफी मांगना न सिर्फ अपर्याप्त बल्कि बेतुका भी है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

मिजोरम में आदिवासी मैतेई समुदाय में खौफ का माहौल

मणिपुर की घटना से मिजोरम में मैतेई समुदाय के खिलाफ फैले आक्रोश और धमकियों के कारण इन लोगों में भारी दहशत पैदा हो गई है लोग राज्य से पलायन करने के लिए मजबूर हो गये हैं

- **मिजोरम में कुछ युवा संगठनों द्वारा मैतई समुदाय के लोगों को धमकी दी गई है कि, वे जितना जल्दी हो सके, राज्य छोड़ दें।**
- **कई मैतेई लोग राज्य छोड़ कर चले गए हैं, कुछ लोग हवाई अड्डों और अन्य सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लिए हुये हैं। इस विकट स्थिति के बीच मणिपुर सरकार ने कहा है कि, अगर जरूरत पड़ी तो चार्टर प्लेन से मैतेई समुदाय के लोगों को सुरक्षित मणिपुर वापस लाया जाएगा।**

आइजोल, 23 जुलाई। मणिपुर में दो कुकी-ज़ोमी महिलाओं को निर्वस्त्र करने और उनके साथ यौन उत्पीड़न करने के वीडियो के बाद पैदा हुए आक्रोश ने मिजोरम में रहने वाले मैतई समुदाय में दहशत पैदा कर दी है। मिजोरम में कुछ युवाओं द्वारा मैतई समुदाय के लोगों को धमकी दी गई है कि, वे जितना जल्दी हो सकें, राज्य छोड़ दें। हालात ये हैं कि मैतई के लोगों ने राज्य से पलायन करना भी शुरू कर दिया है। शनिवार को कई लोग राज्य छोड़ कर चले गए। कुछ हवाई अड्डों और सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लिए हैं। इस विकट स्थिति के बीच मणिपुर सरकार ने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो चार्टर उड़ान से उन्हें सुरक्षित लाया जाएगा।

दरअसल, मिजोरम के मिजो लोगों का मणिपुर के कुकी-ज़ोमिस के साथ एक गहरा जातीय बंधन है और पड़ोसी राज्य में इन समुदायों के विकास पर भी करीब से नजर रखते हैं। बीते 3 मई को हिंसा शुरू होने के बाद से मणिपुर के 12,584 कुकी-ज़ोमी लोगों ने मिजोरम में शरण मांगी है। मिजोरम में पीस एकॉर्ड एम.एन.एफ. रिटर्नीज़ एसोसिएशन (पी.ए.एम. आर.ए.) मिज़ो नेशनल फ्रंट मिलिटेंट्स का एक इकाई संगठन है। यह संगठन कुकी और जोमी समुदाय की महिलाओं के साथ हुई अमानवीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई ठप्प होने से 8 मरीजों की मौत

नेल्लोर, 23 जुलाई। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर शहर के एक सरकारी अस्पताल में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। खबर है कि ऑक्सीजन की कमी के कारण आठ मरीजों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मृतक के परिजनों ने ऑक्सीजन की कमी के लिए अस्पताल अधिकारियों को जिम्मेदार

- **आंध्र प्रदेश के नेल्लोर शहर के एक सरकारी अस्पताल में यह घटना हुई। अस्पताल प्रबंधन ऑक्सीजन सप्लाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कमी से इन्कार कर रहा है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में एक साथ हुई मौतें साफ लापरवाही की ओर इशारा कर रही हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा को लग सकता है झटका, जातिगत जनगणना का जाल क्यों बिछा रहा विपक्ष?

- **विपक्ष का मानना है कि, अगर जातिगत जनगणना हुई तो भाजपा का हिंदू वोट बैंक बिखर जाएगा, इसलिए बैंगलुरु में हुई बैठक में विपक्ष ने एक बार फिर जातिगत जनगणना की मांग दोहराई गई थी।**
- **देखा जाये तो जातिगत जनगणना की मांग कोई नई नहीं है, लेकिन विपक्ष इसे 2024 के लिए एक हथियार के रूप में देख रहा है।**
- **वहीं भाजपा को इस बात का डर है कि, जातिगत जनगणना के बाद कहीं अगड़ी जातियों का वोटबैंक उसके हाथ से फिसल ना जाए। भाजपा का एक बड़ा हिंदू वोटबैंक है जिसमें सवर्ण वर्ग शामिल है। वहीं पिछड़ी जातियों का वोट बंटा हुआ है।**

नई दिल्ली, 23 जुलाई। बैंगलुरु में दो दिनों की बैठक के बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बार फिर विपक्ष ने जातिगत जनगणना की मांग दोहराई थी। वैसे तो जातिगत जनगणना की मांग कोई नई नहीं है लेकिन विपक्ष इसे 2024 के लिए एक हथियार के रूप में देख रहा है। वहीं भाजपा को इस बात का डर है कि कहीं अगड़ी जातियों का वोटबैंक उसके हाथ से फिसल ना जाए। भाजपा का एक बड़ा हिंदू वोटबैंक है जिसमें सवर्ण वर्ग शामिल है। वहीं पिछड़ी जातियों का वोट बंटा हुआ है।

2010-11 की जनगणना में जातिगत जनगणना करवाई गई थी लेकिन आंकड़े आज तक नहीं जारी किए गए। कर्नाटक में भी साल 2015 में जातिगत जनगणना करवाई गई पर आंकड़े नहीं जारी किए गए। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने जातिगत सर्वे कराना शुरू किया था लेकिन अब यह मामला अदालत में है। खास बात यहा है कि जब नीतीश ने यह फैसला किया तब भाजपा उसकी सहयोगी थी। हालांकि अब भाजपा से अलग होकर नीतीश ने आर.जे.डी. के साथ सरकार बना ली है।

जातिगत जनगणना से एक समस्या भी सामने आ सकता है। दरअसल अगर इस तरह जनगणना होती है तो आरक्षण का संकट गहरा जाएगा। इन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण की मांग की जाएगी। देश में आरक्षण के लिए लंबे समय से आंदोलन होते रहे हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आरक्षण को लेकर कई आंदोलन खड़े हो जाएं। वहीं जानकारों का कहना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्विटर का ''लोगो'' बदलेगा

वॉशिंगटन, 23 जुलाई (वार्ता/स्पूतनिक)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्विटर' का लोगो 'चीड़िया' बहुत जल्द 'उड़' जायेगी और नये लोगो में 'एक्स' शामिल हो सकता है।

ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने रविवार को ट्वीट करके कहा कि, इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ट्विटर) का ''लोगो'' बदल जायेगा। मस्क ने कहा,जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और धीरे-धीरे सभी पक्षियों को अलविदा कह देंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'सभी पक्षियों' को अलविदा कहते हुए अपना लोगो बदल देगा।

उन्होंने ट्वीट किया,अगर आज रात एक अच्छा 'एक्स' लोगो पोस्ट किया जाता है, तो हम कल इसे दुनिया भर में लाइव कर देंगे।

वे ट्विटर को खरीदने के बाद एक के बाद एक नए बदलाव कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा ट्विटर पर डायरेक्ट मैसेज (डी.एम.) करने के लिए भी पैसे देने होंगे। अरबपति उद्यमी ने बाद में लिखा कि वह चाहते हैं कि नया लोगो हम सभी की उन खामियों को मूर्त रूप दे जो हमें अद्वितीय बनाती हैं।

उन्होंने अक्टूबर 2022 के अंत में, ट्विटर के 44 अरब डॉलर के अधिग्रहण को अंतिम रूप दिया। यह वर्ष 2006 में स्थापित एक अमेरिकी कंपनी थी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने रविवार को ट्वीट करके कहा कि, इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ट्विटर) का ''लोगो'' बदल जायेगा। ट्विटर के ''लोगो'' में चिड़िया को हटाकर इसके स्थान पर ''एक्स'' शामिल कर लिया जायेगा।**

अजीत डोभाल चीन और रूस को पढायेंगे शांति का पाठ, जोहानिसबर्ग में उच्चस्तरीय बैठक में शामिल होंगे

इस बैठक का एजेंडा यूक्रेन युद्ध, इंडो-पैसिफिक, धार्मिक कट्टरपंथ और आतंकवाद जैसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करना है

- **डोभाल चीन के वरिष्ठ राजनयिक यांग जिएची और रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पेत्रुशेव सहित अन्य लोगों से मुलाकात करेंगे**
- **एन.एस.ए. स्तर की इस बैठक में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तहनून बिन जायद अल नाहयान और सऊदी अरब के एन.एस.ए. मुसाद बिन मोहम्मद अल ऐबान जैसे विशेष आमंत्रित सदस्य भी भाग लेंगे।**

नई दिल्ली, 23 जुलाई। नैशनल सिक्यूरिटी एडवाइजर (एन.एस.ए.) अजीत डोभाल सोमवार को जोहान्सबर्ग (साउथ अफ्रीका) में होने वाले ब्रिक्स देशों के एन.एस.ए. मीटिंग के मौके पर वरिष्ठ चीनी राजनयिक यांग जिएची और रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पेत्रुशेव सहित अन्य लोगों से मुलाकात करेंगे। 22 से 24 अगस्त के बीच ब्रिक्स देशों के होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले एन.एस.ए. स्तर की ये बैठक काफी अहम है क्योंकि इसका एजेंडा यूक्रेन युद्ध, इंडो-पैसिफिक, धार्मिक कट्टरपंथ और आतंकवाद जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करना है।

एन.एस.ए. स्तर की इस बैठक में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तहनून बिन जायद अल नाहयान और सऊदी अरब के एन.एस.ए. मुसाद बिन मोहम्मद अल ऐबान जैसे विशेष आमंत्रित सदस्य भी भाग लेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, एन.एस.ए. डोभाल ब्रिक्स रूब्रिक के तहत अपने समकक्षों से मिलेंगे, लेकिन द्विपक्षीय रूप से उनके और यांग जिएची के बीच भी बातचीत होगी। यांग जिएची चीन में विदेश मामलों का आयोग के पूर्व निदेशक हैं। दोनों नेताओं की यह मुलाकात मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों की आक्रामकता के मद्देनजर अहम मानी जा रही है।

बता दें कि अभी भी पूर्वी लद्दाख में स्थिति अनिश्चितताओं से भरी है। हालांकि, वहां हालात अभी नियंत्रण में है और भारत और चीन सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से लगातार एक-दूसरे के संपर्क में हैं। दूसरी तरफ, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) अभी भी पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) से पीछे नहीं हटी है, हालांकि गलवान, गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स और पैंगोंग त्सो झील क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हो गई है।

इधर, पी.एल.ए. ने दौलत बेग ओल्डी सेक्टर के इलाकों में तैनाती बढ़ा दी है और अभी भी भारतीय सेना को देपसांग बुलगे क्षेत्र के साथ-साथ डेमचोक में चार्डिंग निंगलुंग नाला (सी.एन.एन.) जंक्शन पर वैध रूप से गश्त करने की अनुमति नहीं दे रही है।

उम्मीद है कि एन.एस.ए. डोभाल चीनी राजनयिक के समक्ष एल.ए.सी. के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्र में तनाव कम करने का मुद्दा उठा सकते हैं। हालांकि, द्विपक्षीय बातचीत से बहुत कम नतीजे निकलने की उम्मीद है क्योंकि पी.एल.ए. को अभी भी उन छह संयुक्त सशस्त्र ब्रिगेड वापस भेजने हैं जिनकी तैनाती 2022 में नैशनल पार्टी कांग्रेस के दौरान की गई थी। इन छह ब्रिगेडों को अति-संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर और अरुणाचल प्रदेश सेक्टर, विशेषकर तवांग में तैनात किया गया है। पूर्वी क्षेत्र में पी.एल.ए. के नए खतरे के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आंध्र प्रदेश में भगवान श्रीराम की 108 फीट ऊँची प्रतिमा

नई दिल्ली, 23 जुलाई (वार्ता)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्रप्रदेश के कुरनूल में भगवान राम की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शिलान्यास किया।

- **गृह मंत्री अमित शाह ने कुरनूल में 500 करोड़ की लागत से तैयार हो जा रही भगवान श्रीराम की 108 फीट ऊंची प्रतिमा का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शिलान्यास किया।**

इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि, आज कुरनूल के मंत्रालयम गांव में 500 करोड़ रुपये से अधिक लागत की राम की भव्य पंचलोहा प्रतिमा का शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा , मंत्रालयम में स्थापित यह 108 फीट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

नई पीढ़ी को अपने फ़ैसले करने की आज़ादी दीजिए

कहा जाता है कि हमारी दुनिया में एक ही चीज़ स्थायी है, और वह है परिवर्तन! दुनिया में सब कुछ बदलता रहता है और हम भी उस बदलाव को देर-सबेर स्वीकार कर ही लेते हैं। यह मनुष्य का स्वभाव है कि शुरू-शुरू में वह हर बदलाव के प्रति नकार का भाव रखता है परंतु कालांतर में उसी बदलाव को स्वीकार कर उसके बाद आए बदलावों के विरोध में व्यस्त हो जाता है। यह सब देखना बहुत रोचक हो सकता है। आप खान-पान, वेश भूषा, रीति-रिवाज़, कला-संस्कृति सब में इन बदलावों को देख सकते हैं। बहुत पीछे न भी जाएं तो यह याद करें कि पिछली शताब्दी के प्रारम्भिक वर्षों में किस तरह का वेश विन्यास होता था और आज उसका रंग रूप कितना बदल गया है! ऐसा ही बदलाव आप भाषा के मामले में भी देख सकते हैं। अगर बदलाव न हुआ होता तो संस्कृत (और उससे भी पहले वैदिक) से लगाकर आज की भाषा तक की यात्रा न हुई होती। इस तरह के बदलाव दुनिया भर की भाषाओं में देखे जा सकते हैं। ऐसे ही बहुत सारे बदलाव हमारी सामाजिक व्यवस्था में भी हुए हैं। बहुत सारी चीज़ों के ऊपरी नाम तो जस के तस रह गए हैं लेकिन उनका भीतरी स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। उदाहरण के रूप में परिवार को ही लीजिए। भारतीय समाज में परिवार व्यवस्था का बहुत महत्व है। लेकिन आज हम जिस तरह के परिवार देखते हैं क्या वे परिवार ठीक वैसे हैं जैसे आज से सौ-पचास बरस पहले थे? संयुक्त परिवार का केवल नाम भर रह गया है। और परिवार के भीतर भी पारस्परिक संबंधों का स्वरूप बहुत बदल चुका है। पिछले समय में परिवार के मुखिया का जो रौब-दाब और रुतबा हुआ करता था वह अब केवल क़िस्सों में बचा रह गया है। यह बात स्त्री और पुरुष दोनों के बारे में कही जा सकती है। बीते ज़माने की सास अब कहां देखने को मिलेगी? आज परिवार के भीतर भी रिश्ते अधिक प्रजातांत्रिक और समता मूलक हो गए हैं। कल जिन बाप-बेटों में कोई संवाद नहीं होता था आज उनमें खुलकर बात होने लगी है। अंठाज़ों के ज़माने के जेलर नुमा बाप अब अपवाद होकर रह गए हैं।

परिवार के स्वरूप में आए बदलाव के मूल में रोज़गार की स्थितियों की भी बहुत बड़ी भूमिका है। पहले जहां आम तौर पर वंशानुगत रूप से चले आ रहे व्यवसाय में ही सारी संभावनाएं सिमटी हुई थीं, आज शिक्षा के प्रसार से यह बहुत आम हो गया है कि नई पीढ़ी अपने पैतृक काम को छोड़ अपने लिए नए क्षितिज तलाश करे। लोग गांवों से निकल कर शहरों और देश से निकल कर विदेश जाने लगे हैं। विदेश की बात पर यह भी याद आए बग़ैर नहीं रहता है कि एक समय वह था जब विदेश जाना बुरा माना जाता था और विदेश जाने का अपराध करने वाले को प्रायश्चित करना होता था, उसके बाद वह समय आया जब विदेश जाना गर्व और उपलब्धि माना जाने लगा, और अब वह समय आ गया है जब विदेश जाना बहुत आम हो चुका है। इस शिक्षा, रोज़गार और विदेश गमन का असर हमारी सामाजिक व्यवस्था पर भी पड़ा है। एक ज़माना था जब बाल विवाह बहुत आम हुआ करता था। अब विवाह की आयु बहुत आगे जा चुकी है। नई पीढ़ी अपने कैरियर को लेकर इतनी चिंतित है कि वह विवाह को स्थगित करती रहती है और तीस की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते विवाह करना कोई अपवाद नहीं रह गया है। न केवल इतना बहुत सारे युवा विवाह संस्था को ही अप्रासंगिक मानने लगे हैं और उनके इस सोच को भी समाज नेआंशिक रूप से स्वीकार किया है। प्रेम विवाह और अंतरजातीय विवाह तो इतने आम हो ही गए हैं कि अत्यंत परंपरा प्रिय परिवारों में भी इन्हें स्वीकार कर लिया जाने लगा है, अब तो लिव इन रिलेशनशिप और सेम सेक्स मैरिज भी अपवाद और अजूबे नहीं रह गए हैं।

आज जीवन बहुत बदल गया है। बाल विवाह बीते ज़माने की बात हो चुके हैं। बच्चे बड़ी उम्र में, जब वे खासे परिपक्व हो जाते हैं, विवाह करने लगे हैं। वे देश-विदेश में ऐसे संस्थानों में काम करते हैं जहां युवक-युवतियों को बहुत सारा समय एक साथ बिताना होता है। और भी अनेक कारणों से इनके बीच मेल मिलाप के, एक-दूसरे को जानने-समझने के, और पसंद-नापसंद करने के अवसर बहुत बढ़ चुके हैं।

लेकिन जहां यह सब हो रहा है, अर्थात बदलाव को सहज भाव से, भले ही थोड़े संकोच के साथ स्वीकार किया जाने लगा है, ऐसे लोग भी कम नहीं हैं जो इन बदलावों को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। ऐसे अनेक मां-बाप भी हमें अपने आस-पास मिल जाएंगे जिन्हें इस बात से तो कोई एतराज़ नहीं है कि उनके बच्चे खूब पढ़े-लिखें, इस बात से भी एतराज़ नहीं है कि उनके बच्चे अपने व्यवसाय या कैरियर में सुस्थापित होने के बाद, अर्थात तीस की उम्र के आस-पास पहुंच कर विवाह करें। इन सब बदलावों को स्वीकार कर लेने वाले मां-बाप भी यह चाहते हैं अपने बच्चों के विवाह के बारे में सारे फैसले वे ही करें, उनके बच्चे नहीं। अगर बच्चे कोई फैसला करना चाहते हैं तो वे बुरी तरह से आहत या कुपित हो जाते हैं। विवाह के मामले में उनके तीस बरस की आसपास के उम्र के बच्चे भी उन्हें नादान ही दिखाई देते हैं। वे इस बात पर भरोसा करने को तैयार नहीं होते हैं कि खूब शिक्षित और अपने कैरियर में कामयाब बच्चे अपने विवाह के बारे में भी सही फैसला कर सकते हैं। इस मामले में वे चाहते हैं कि उनके बच्चे उनके सामने दुधमुंहे बन जाएं और वे बीते समय की मानिंद थाली में बिठाकर गुड्डे-गुड्डियों की तरह उनका विवाह कर दें। ऐसे में बच्चों के सामने दो ही विकल्प रह जाते हैं। या तो वे अपना मन मारकर मां-बाप की आज्ञा को शिरोधार्य कर अपने चयन को कूड़े के ढेर पर फेंक दें, और या फिर मां-बाप की आज्ञा का उल्लंघन कर और क्या इसी दिन के लिए हमने तुम्हें पाल पोस कर बड़ा किया था की व्यथा को अनसुना कर अपनी मनमानी कर लें। दोनों ही स्थितियां सुखद नहीं हैं!

इस तरह के मां-बाप अपने बच्चों के लिए और भी कई तरह की मुसीबतें खड़ी कर देते हैं। मसलन उनके लिए जाति उप जाति का सवाल बहुत महत्वपूर्ण होता है। चारों तरफ की दुनिया चाहे कितनी भी बदल चुकी हो, वे चाहते हैं कि उनके बच्चे शादी के मामले में खानदानी चलन और सोच की लक्ष्मण रेखा न लांघें। इससे भी आगे, यह देखकर आश्चर्य होता है और क्षोभ भी कि बहुत सारे मां-बाप अब भी यही चाहते हैं कि भले ही उनके बच्चे कहीं भी, किसी भी अन्य प्रदेश में, बल्कि विदेश में भी नौकरी करें, शादी तो वे अपने गांव-कस्बे-शहर के परिवार में ही करें। वे इस बात के लिए कभी तैयार नहीं होते हैं कि उनके बेटे बेटी किसी अन्य कस्बे-शहर से अपना जीवन साथी चुनें। यह परंपरा-प्रेम न होकर कूप मण्डूकता है।

आज जीवन बहुत बदल गया है। बाल विवाह बीते ज़माने की बात हो चुके हैं। बच्चे बड़ी उम्र में, जब वे खासे परिपक्व हो जाते हैं, विवाह करने लगे हैं। वे देश-विदेश में ऐसे संस्थानों में काम करते हैं जहां युवक-युवतियों को बहुत सारा समय एक साथ बिताना होता है। और भी अनेक कारणों से इनके बीच मेल मिलाप के, एक-दूसरे को जानने-समझने के, और पसंद-नापसंद करने के अवसर बहुत बढ़ चुके हैं। आज के युवा बीते कल की तुलना में बहुत ज़्यादा समझदार, व्यावहारिक और निर्णय सक्षम हैं। ऐसे में उनके निर्णयों को सिरे से खारिज़ करना किसी भी तरह से तर्क संगत और व्यावहारिक नहीं कहा जा सकता। बहुत सारी रूढ़ियां अब शिथिल और अप्रासंगिक होती जा रही हैं। जाति,धर्म, भाषा, खान-पान, रंग, प्रदेश, देश-विदेश आदि के बारे में सोच बहुत बदल चुका है। सबसे बड़ी बात यह कि परिपक्व आयु में पहुंचे युवा जब कोई निर्णय करते हैं तो वे अपना सारा भला-बुरा सोच कर ऐसा निर्णय करते हैं। उनके निर्णय को अस्वीकार कर उन पर अपनी परंपराओं का बोझा डालना किसी भी तरह से तर्कसंगत और मानवीय नहीं कहा जा सकता। हमें जो जीवन मिला था, उसे हमने अपने समय और परिस्थितियों के अनुसार जी लिया। अब समय बदल चुका है तो हमें आज की पीढ़ी पर उन रूढ़ियों को नहीं लादना चाहिए। इन सारी बातों को इस तरह भी देखा जाना चाहिए कि पिछली पीढ़ी अपने जीवन का बहुलांश जी चुकी है, जबकि आज की पीढ़ी को उसके जीवन का बहुलांश अभी जीना है। इसी के साथ यह बात भी कि जो मां-बाप अपने बच्चों के फैसलों को यह कहते हुए वीटो करते हैं कि यदि ऐसा हुआ तो वे (बच्चे) आगे चलकर पछताएंगे, क्या वे दावे के साथ कह सकते हैं कि यदि उनका किया फैसला मान लिया गया तो उसके ग़लत होने की कोई संभावना है ही नहीं! इस बात को समझा जाना चाहिए कि आज की पीढ़ी बहुत सोच-समझकर अपने फैसले करती है, और फिर भी अगर वह फैसला भविष्य में ग़लत साबित होता है, तो वही उस ग़लती के दुष्परिणाम भी भुगतेगी। मेरा मानना है कि उम्र के एक मुकाम पर आकर हमें अपने बाद वाली पीढ़ी को अपने जीवन से जुड़े फैसले ख़ुद करने की आज़ादी दे देनी चाहिए।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

टमाटर से सबक ले "मार्केट इंटरवेंशन" को तैयार रहना जरुरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लगभग हर साल अन्नदाता को रुलाने वाले टमाटर ने इस बार आम नागरिकों खासकर गृहणियों को बुरी तरह से झकझोर के रख दिया है। अब तक अनुभव यही रहा है कि प्याज आम उपभोक्ताओं को रुलाता रहा है तो सरकार बनने-बनाने में भी प्याज की अहम् भूमिका रही है। संभवत: यह पहला मौका होगा जब टमाटर ने भाव दिखाये हैं और यहां तक कि देश के अधिकांश हिस्सों में टमाटर के भाव डेढ़ सौ से दो सौ रु. तक को छूने व कई स्थानों पर तो इससे अधिक आसमान छूने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हालात यहां तक देखने को मिले हैं कि मण्डियों से टमाटर की चोरियों के समाचार मिले तो टमाटर की सुरक्षा के लिए बॉक्सर्स की सेवाएं भी लेने के समाचार मीडिया की सुर्खियां बने हैं। हांलाकि अब टमाटर के भावों में उतार का दौर शुरु हो गया है तो केन्द्र सरकार भी एनसीसीएफ और नेफैड के माध्यम से आगे आई है। हांलाकि संभवत: अदरक के भाव भी चार सौ के आसपास जाने का यह पहला रेकार्ड होगा पर टमाटर ने सीधे-सीधे आम आदमी को प्रभावित किया है। पिछले दिनों ब्रिटेन में एकाएक भाव बढने वाली वस्तुओं को कुछ समय तक नहीं खरीदने की सलाह सरकार द्वारा जारी की गई पर मजे की बात यह है कि हमारे देश में हालिया एक सर्वे के अनुसार टमाटर द्वारा लाल-नीली आंखें दिखाने के बावजूद केवल 15 प्रतिशत लोगों ने टमाटर को कुछ समय के लिए रसोई से बाहर रखने यानी की नहीं खरीदने का निर्णय किया, वहीं 82 फीसदी लोगों ने भले ही महंगा रहा हो पर टमाटर की खरीद से परहेज नहीं किया।

दरअसल अब तक का अनुभव यह रहा है कि सीजन में एक समय ऐसा आता है जब टमाटर के मण्डियों में भाव लागत तो छोड़ो मण्डी में लाने ले जाने की लागत भी पड़ता नहीं खाती और हाईवे के किनारों पर टमाटर के ढ़ेर के ढेर बिखरे हुए देखे जाते रहे हैं। हांलाकि करीब करीब इस समय टमाटर के भाव बढ़ते हैं पर इतने अधिक भावों में तेजी पहले लगभग नहीं ही देखी गई है। वैसे तो टमाटर की खेती समूचे देश में होती है पर आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू, उड़ीस गुजरात, पश्चिमी बंगाल आदि प्रमुख टमाटर उत्पादक प्रदेश हैं। दुनिया में टमाटर के उत्पादन में चीन शीर्ष पर है और एक मोटे अनुमान के अनुसार चीन में टमाटर का 5 करोड़ 64 लाख टन से अधिक सालाना उत्पादन होता है। चीन के बाद भारत टमाटर का सबसे अधिक यानी की दूसरे नंबर का प्रमुख उत्पादक प्रदेश है। मोटे अनुमान के अनुसार देश में करीब 4 लाख टन टमाटर का सालाना उत्पादन होता है। यदि कुछ दिनों को छोड़ दिया जाए तो टमाटर के भावों को लेकर इतनी मारामारी नहीं रहती है। पर इस साल तो टमाटर ने सारे रेकार्ड तोड़ दिए हैं।

टमाटर दक्षिण अमेरिका के एण्डीज और मैक्सिको से स्पेनिस कॉलोनीज होते हुए दुनिया के देशों में पहुंचा है। बदलते समय में कम से कम हमारे देश में छाछ, केरी, अमचूर, काचरी आदि परंपरागत खटाई की जगह सभी सब्जियों में टमाटर ने बना ली है। टमाटर के बिना सब्जी के स्वाद की कल्पना लगभग नहीं के बराबर रह गई है तो दूसरी और टमाटर केचअप, प्यूरी और शॉश का अपना बड़ा बाजार विकसित हो चुका हैं। दरअसल औषधीय गुण के कारण भी टमाटर की मांग बढ़ी हैं। टमाटर में विटामिन सी, बी, के के साथ ही कोलिन आदि प्रचुर मात्रा में हैं। इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से भी टमाटर की अपनी अहमियत है। प्याज-टमाटर ऐसे हैं जो आलू आदि दूसरी सब्जियों के साथ तो काम आते ही हैं केवल और केवल टमाटर और प्याज ही ऐसे हैं जो गरीब से गरीब की थाली में लगावन का काम करता है तो अमीर से अमीर की रसोई भी इनके बिना अधूरी है। ऐसे में टमाटर के भाव आसमान छूने से सीधे सीधे आमआदमी का प्रभावित होना स्वाभाविक है।

अब सवाल दो टके का यह हो जाता है कि ऐसी सरकारों की क्या बाध्यताएं होती हैं कि एकाएक भाव बढ़ने पर आम नागरिकों को भगवान के भरोसे छोड़कर किनारे हो जाती है। हांलाकि लाख उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हो पर अभी भी देश में फसलोत्तर आधारभूत संरचनाओं की कमी बरकरार है। यही कारण है कि किसानों को मजबूरन अपने उत्पाद को सड़क के हवाले करना पड़ता है। हर हालात में फायदा होता है तो केवल और केवल बिचौलियों को होता है। पहले कृतिम अभाव पैदा किया जाता है और फिर कोल्ड स्टोरेज से थोड़ी मात्रा में बाजार में लाया जाता है ताकि ज्यों-ज्यों भाव बढ़ते जाएं त्यों-त्यों इनका मुनाफा बढ़ता जाएं और आमआदमी पिसता चला जाए। आखिर ऐसा क्यों होता है? यह इसलिए भी जरुरी हो जाता है कि सरकार की बाजार पर निगरानी रखने वाली टीम आखिर क्या करती रहती है। सरकार के पास बुवाई से लेकर उत्पादन तक के आंकड़े रहते ही हैं, इसके साथ ही कोल्ड स्टोरेज में जमा की भी जानकारी रहती है। फिर ऐसे कौन से कारण होते हैं कि एक समय खुदरा में दस से बीस रुपए किलो बिकने वाला टमाटर दो सौ के आंकड़े को छू जाता है। यह टमाटर ही नहीं आलू, प्याज, लहसुन आदि सभी पर लागू होता है। अब तो सरकार द्वारा बागवानी फसलों के लिए रेल भी चला दी है। इससे बागवानी फसलों को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाना आसान हुआ है। पर अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना है। कोल्ड स्टोरेज की चैन बनानी होगी तो वातानुकूलित कंटेनरों की व्यवस्था भी सरकार को करनी होगी।

टमाटर के भावों में तेजी के साथ ही एक बात साफ हो गई है कि सरकार का कहीं ना कहीं बाजार निगरानी तंत्र कमजोर है। पूरे देश में टमाटर के भावों को लेकर हाहाकार मचा तब जाकर नेफैड और एनसीसीएफ की नींद खुली, नही तो बाजार आंकलन के अनुसार पहले ही इन्हें सतर्क हो जाना चाहिए था। बाजार हस्तक्षेप पहली आवश्यकता है। उत्पादक किसान और उपभोक्ता आमआदमी दोनों के ही हितों की रक्षा करना जरुरी हो जाता है। दूसरे ऐसी परिस्थितियों में सरकार की प्रजेंस मात्र से ही हालात में सुधार होने लगते हैं। साफ है सरकार के 80 रु. किलो टमाटर उपलब्ध कराने के दूसरे दिन से ही कौन सा कमाल हो गया कि टमाटर के मण्डियों में भाव नीचे आ गए। इसलिए समय रहते बाजार हस्तक्षेप जरुरी हो जाता है। अन्यथा कालाबाजारी और जमाखोरी को बढ़ावा मिलता है और उत्पादक और उपभोक्ता दोनों ही पिसते हैं। सरकार की बदनामी का कारण बनता है वह अलग। इसलिए एक प्रोएक्टिव टीम होनी चाहिए जो बाजार के हालातों पर नजर रखे और अप्रत्याशित होने से पहले ही बाजार के हालातों को नियंत्रण में ले सके ताकि आमनागरिक जमाखोरों के चंगुल में ना आ सके। दरअसल मार्केट इंटरवेंशन के लिए सरकार समय पर सक्रिय हो जाए तो मुनाफाखोरों और जमाखोरों को आसानी से सबक सिखाया जा सकता है वहीं आम नागरिकों को भी समय पर राहत मिल सकती है। इसके लिए मार्केट इंटरवेंशन की सख्त नीति के साथ ही बाजार की मांग के अनुसार समय पर फैसले लेने होंगे ताकि बाजार पर मुनाफाखोरों और जमाखोरों का नियंत्रण नहीं हो सके।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

जालौर के महिला थाना के सामने जर्जर पोल से हादसे की आशंका

प्राचीन पोल (दरवाजा) गत दिनों आये बिपरजॉय तूफान से क्षतिग्रस्त हो गई थी

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के भीतर सांडबाव के निकट महिला पुलिस थाना के सामने स्थित प्राचीन पोल (दरवाजा) गत दिनों आये बिपरजॉय तूफान से क्षतिग्रस्त हो गई थी। पोल की मरम्मत करवाने को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के करीब एक माह बीत जाने के बाद भी पोल की हालात जस की तस बनी हुई है। जबकि 26 से 29 जुलाई तक इसी पोल में मोर्हरम पर्व को लेकर ताजिया रखे जायेंगे। जहां काफी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी। लेकिन प्रशासन की उदासीनता के चलते जर्जर पोल की मरम्मत नहीं करवाने से यह पोल हादसे को न्यौता दे रही है।

जालोर में गत दिनों आये बिपरजॉय तूफान के चलते शहर के भीतर सांडबाव के निकट स्थित प्राचीन पोल बारिश से क्षतिग्रस्त हो गई थी। पोल के सबसे आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर गया। वही पोल के पास की दीवार भी टूट गई है। इस पोल के अंदर से गुजरने पर महिला पुलिस थाना, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शहरी सहित अन्य स्कूल आई होने के साथ गैबनशाह गाजी दरगाह जाने का रास्ता होने से काफी लोगों का इस पोल के नीचे से प्रतिदिन गुजरना होता है। पोल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने पर 21 जून को मुख्यमंत्री के बिजरजॉय तूफान का जायजा लेने जालोर आगमन पर मुस्लिम समाज द्वारा ज्ञापन देकर क्षतिग्रस्त पोल की मरम्मत करवाने की मांग की गई थी। जिस समय मुख्यमंत्री ने भी पोल को जल्द ही मरम्मत करने के आदेश जिला कलैक्टर को दिये थे। लेकिन एक माह होने के बाद भी जिला कलैक्टर की उदासीनता के चलते शहर की प्राचीन पोल की मरम्मत तक नहीं गई है। जिससे आगामी दिनो में मोहर्रम पर लोगों की इस पोल में काफी भीड़ उमड़ेगी तथा क्षतिग्रस्त पोल से हादसा होने का अंदेशा बना हुआ है। इस पोल के नीचे से महिला पुलिस थाना के पुलिस कर्मी भी बड़ी मुश्किल से निकलते हैं। वहीं स्कूल के बच्चों को भी इस पोल से गुजरने में खतरा उठाना पड़ रहा है। वहीं स्कूल प्रशासन ने मुख्य रोड़ पर आपातकालीन रास्ता खोला है, जो मुख्य रोड से खुलने से वाहनो से बच्चो के दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं दरगाह में जाने वाले जायरिनों को भी इस पोल के नीचे से गुजरने में अपनी जान जोखिम में डालनी पड रही है। यदि समय रहते प्रशासन ने जल्द ही पोल की मरम्मत नहीं करवाई तो इस पोल से कोई बड़ा हादसा हो सकता है। जिला प्रशासन की उदासीनता के चलते शहर की भीतर स्थित प्राचीन पोल का पुनर्निर्माण या मरम्मत नहीं करने से लोगो में रोष देखा जा रहा हैं।

- **26 से 29 जुलाई तक इसी पोल में मोर्हरम पर्व को लेकर ताजिया रखे जायेंगे**

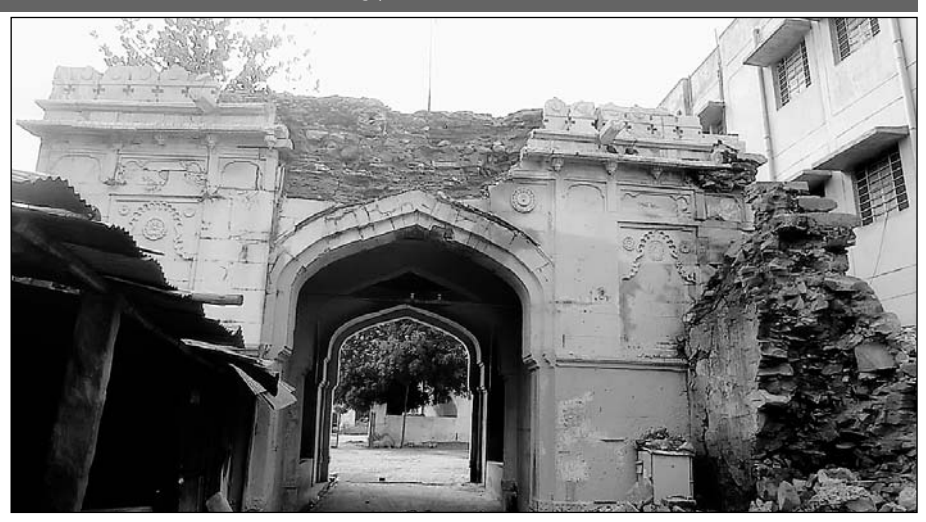

महिला पुलिस थाना के सामने स्थित क्षतिग्रस्त प्राचीन पोल (दरवाजा) हादसे को न्यौता दे रही हैं।

राजगढ़ धाम पर हजारों श्रद्धालु उमड़े

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के सुप्रसिद्ध सर्वधर्म धार्मिक स्थल श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर अधिक मास के चलते रविवार को श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ का आलम यह था कि श्रद्धालुओं की संख्या बीस हजार के आंकडे को भी पार कर गई।

धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि धाम पर श्रद्धालुओं का आगमन शनिवार दोपहर से ही प्रारम्भ हो गया था। रविवार को चम्पालाल महाराज के सानिध्य में धाम पर लगभग तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं को स्वंच्छिक नशा मुक्ति का संकल्प दिलवाया। पुरूषो के साथ महिलाओं ने भी बढचढ कर नशा नहीं करने की प्रतिज्ञा कर नशे की वस्तुओं को महाराज के श्री चरणों में छोड़ा। प्रवक्ता सेन ने बताया कि धाम पर आए हुए श्रद्धालुओं के लिए श्री मसाणिया भैरवधाम राजगढ चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से शनिवार सांयकाल को सभी श्रद्धालुओं के लिये नि:शुल्क भोजन व पूरी रात नि:शुल्क चाय की व्यवस्था की गई। नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देने के लिए राजगढ़ धाम पर पिछले कई दशकों से नशामुक्ति महाअभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत श्रद्धालुओं को नशा मुक्त करने हेतु प्रेरित किया जाता है व उनसे संकल्प दिलाया जाता है। नशामुक्ति महाअभियान राजगढ़ भैरव धाम की पहचान बन चुका है।

रविवार को धाम पर डॉ एम जी अग्रवाल, डॉ चरण सिंह, डॉ. बालमुकुन्द जेथवाल, डॉ. रश्मि सिन्हा आदि ने धाम पर पहुँच कर बाबा भैरव माँ कालिका के दर्शन कर सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की परिक्रमा करी व चम्पालाल महाराज से आशीर्वाद लिया। साथ ही मंदिर कमेठी की और से सभी चिकित्सकों का स्वागत सत्कार किया गया। धाम पर हजारों की भीड़ के चलते श्रद्धालुओं को अपनी बारी के लिये घण्टो तक इन्तजार करना पड़ा जिसके बाद सभी ने बाबा भैरव, माँ कालिका के दर्शन करते हुए सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ कर परिक्रमा कर चमत्कारी चिमटी प्राप्त करने के पश्चात मुख्य स्थान चक्की वाले बाबा के मंदिर पर राजा रानी कल्पवृक्ष के भी परिक्रमा की।

श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर अधिक मास के चलते रविवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 24 जुलाई, 2023

प्रथम सावन मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2080, हस्त नक्षत्र रात्रि 10:12 तक, शिव योग दिन 2:51 तक, तैतिल करण दिन 1:43 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से दिन 1:43 तक है। रवियोग रात्रि 10:12 तक है। आज बुध मघा सिंह में रात्रि 4:32 पर प्रवेश करेगा। आज सावन वन सोमवार व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:31 तक, शुभ 9:12 से 10:52 तक, चर 2:14 से 3:54 तक, लाभ-अमृत 3:54 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:51, सूर्यास्त 7:16

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण और आवश्यक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

अग्रवाल समाज ने मांगी राजनीतिक भागीदारी

अग्र महाकुंभ में जुटे हजारों समाज बंधु

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं ऑल अग्रवाल समाज सेवा समिति के बैनर तले रविवार को विद्याधर नगर में आयोजित महाकुंभ में बड़ी संख्या में समाज के लोग जुटे।

जयपुर, (का.प्र.)। भविष्य की राजनीतिक और सामाजिक दिशा तय करने के लिए विद्याधर नगर स्टेडियम में रविवार को अग्रवाल समाज ने राजनीतिक दलों के सामने अपनी मांगें रखी हैं। अग्रवाल समाज की मांग है कि अगले चुनावों में समाज के प्रतिनिधि को हर राजनीतिक दल से 20-20 टिकट दी जाएं। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं ऑल अग्रवाल समाज सेवा समिति के बैनर तले हो रहे इस महाकुंभ में बड़ी संख्या में लोग जुटे।

महाकुंभ में पहुंचे तकनीकी शिक्षा मंत्री सुभाष गर्ग ने कहा कि मैं विश्वास दिलाता हूं कि प्रदेश में अग्रसेन कल्याण बोर्ड का भी गठन होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री से बातचीत करूंगा। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने कहा कि 10 करोड़ का अग्रवाल समाज व्यापारी के रूप में देश का खजाना भरता है। भारी-भरकम जीएसटी इकट्ठा कर दिया गया, लेकिन जीएसटी भरने वालों पर भी ईडी की कार्रवाई कर रही है। ये कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। छोटे व्यापारियों की दुकान में यदि कोई घटना हो जाए, आग लग जाए तो उसे मुआवजा मिलना चाहिए। अभी तो ये शुरुआत है, जयपुर के बाद आगरा, लखनऊ, हरियाणा, भोपाल में भी अग्रवाल महाकुंभ होगा।

गर्ग ने कहा कि हमने 2018 में व्यापारी कल्याण आयोग बनाने की मांग की, लेकिन यूपी, हरियाणा और राजस्थान सरकार ने व्यापारी कल्याण बोर्ड बना दिया। हमें बोर्ड नहीं, आयोग चाहिए। विधायक कालीचरण सर्राफ ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद सबसे पहला काम यदि कोई होगा तो व्यापारी कल्याण आयोग के गठन का होगा।

सर्राफ ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनाने के आंदोलन की शुरुआत भी एक अग्रवाल अशोक सिंघल ने की थी। हमारे समाज के लोग राजनीति में कदम रखते हैं तो सबसे पहले हमारे घरवाले ही टांग खींचते हैं। राजनीति में यदि आप लोग रुचि नहीं लेंगे तो हमारे समाज की जैसी उपेक्षा हो रही है, वैसी होती रहेगी। हमारे बच्चों को आईएएस-आईपीएस बनाइए, तभी हमारे समाज की पकड़ मजबूत होगी। सर्राफ ने कहा कि सारे राजनीतिक दल वोटों के भिखारी हैं, जब उन्हें लगेगा कि अग्रवाल समाज में एकता आ गई है तो जितनी सीट आप चाहते हो, उतनी सीट मिलेगी। भाजपा-कांग्रेस ने अग्रवाल समाज को कई टिकट दिए, लेकिन कुछ ही जीते। लोगों को अपने समाज के प्रत्याशियों को जिताने के लिए भी मेहनत करनी होगी।

राजस्थान अग्रवाल महासभा की महिला अध्यक्ष शशि गुप्ता ने कहा कि अग्रवाल समाज देश की सेवा करने के लिए हमेशा आगे रहता है। जब भी देश को जरूरत होती है, तो समाज के भामाशाह आगे आते हैं, ऐसे में हम राजनीतिक भागीदारी में भी अपना हिस्सा क्यों नहीं मांग सकते। महाकुंभ में पूर्व सांसद संतोष बागड़ोदिया, विधायक सुरेश मोदी, प्रदेश कांग्रेस सचिव अजय अग्रवाल, पूर्व पार्षद कमलेश गोयल सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

लूट का हिसाब तो देना ही पड़ेगा : डॉ किरोड़ी

जयपुर। राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने बयान जारी करते हुए कहा कि राजेंद्र गुढ़ा ने बलात्कार के मामलों में राजस्थान के नंबर-1 होने का सच क्या बोला, मुखिया जी ने उन्हें बर्खास्त ही कर दिया। अब गुढ़ा कह रहे हैं कि जब ईडी ने छापा मारा था तो मुख्यमंत्री ने उन्हें धर्मेंद्र राठौड़ के यहां से लाल डायरी लाने के लिए कहा था, जिसे वे लेकर भी आए।

स्वयं को गांधीवादी कहने वाले मुख्यमंत्री को इस लाल डायरी की इतनी चिंता क्यों है? इसमें सरकार की काली कमाई के कौनसे कारनामे दर्ज हैं? कहीं प्रदेश के बेरोज़गार युवाओं की मेहनत पर डाका डालने वालों की लूट का चिट्ठा तो नहीं? प्रदेश की जनता को इस लूट का हिसाब तो देना ही पड़ेगा।

पन्या सैपट जमवारामगढ़ से लड़ेंगे विधानसभा सभा चुनाव

जयपुर। राज्य के आगामी विधानसभा सभा चुनाव में इस बार जमवारामगढ़ से पन्या सैपट ने चुनाव लड़ने की घोषणा की। उन्होंने जमवारामगढ़ बांध को पुन: जलयुक्त करने के इरादे से वहां की प्रमुख बाण गंगा नदी के दोनों ओर सघन वृक्षारोपण कर बांध में पानी की आवक में आ रही रुकावटों को दूर कर जयपुर के प्रमुख पर्यटक स्थल में शामिल करना प्राथमिकता है। जमवारामगढ़ में पांच औद्योगिक क्षेत्र विकसित करना। प्रत्येक घर से एक व्यक्ति को रोजगार उपलब्ध करना भी उनकी चुनावी घोषणा का प्रमुख हिस्सा होगा। पत्रकार वार्ता में कहा कि विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत में लघु उद्योगों की स्थापना करना जिससे युवा शक्ति को रोजगार के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़े।

आखिर क्या है लाल डायरी का बड़ा खुलासा?

गुढ़ा का दावा, ''मैं लाल डायरी नहीं लाता, तो मुख्यमंत्री जेल में होते''

- 'धर्मेंद्र राठौड़ के रेड पड़ी थी, तब मुख्यमंत्री के कहने पर सीआरपीएफ के जवानों- ईडी के बीच से 9वीं मंजिल पर जाकर डायरी लाया था'
- इधर रंधावा बोले, ''खुलासा पहले क्यों नहीं किया, जो मन में रखता है, तो सेहत खराब हो जाती है''

जयपुर, (का.प्र.)। मंत्री पद से बर्खास्त होने के बाद राजेंद्र सिंह गुढ़ा के तेवर लगातार तल्ख होते जा रहे हैं और अब उन्होंने एक लाल डायरी का जिक्र छेड़ दिया है जिसको लेकर वह उत्साह में तो नहीं बोल रहे हैं लेकिन यह जरूर कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री के कहने पर मैं सीआरपीएफ के जवानों और ईडी के बीच में से 9वीं मंजिल से वह डायरी लेकर आया था। आखिरकार उस डायरी में क्या था इस राज को लेकर अभी तक गुढ़ा गोलमोल जवाब दे रहे हैं।

मंत्री पद से बर्खास्त किए जाने के बाद राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने रविवार को झुंझुनूं के उदयपुरवाटी इलाके में आयोजित एक समारोह में कहा कि वह सच बोलना नहीं छोड़ सकते, इसके लिए उन्हें कितनी भी बड़ी कुर्बानी देनी पड़े। गुढ़ा ने कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा कहते हैं कि मैं राजेंद्र राठौड़ से मिला हुआ हूं। अरे हम मिले तो तकलीफ है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे मिले तो कोई दिक्कत नहीं है।

इसी दौरान लाल डायरी का जिक्र करते हुए राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मुझे बुलाकर कहा कि यह लाल डायरी भी लानी जरूरी है और धर्मेंद्र राठौड़ के घर जब रेड हो रही थी तो मैं डेढ़ सौ सीआरपीएफ के जवान और उनके बीच से नवमी मंजिल पर जाकर के लाल डायरी लेकर आया। अगर मैं लाल डायरी नहीं लाता, तो मुख्यमंत्री आज जेल में होते। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि मैं जब लाल डायरी लेकर आया तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह कहा कि बहुत बड़ा काम किया है, वह वाकई तारीफ के काबिल है और तुम्हें तो हॉलीवुड में होना चाहिए। इधर राजेंद्र गुढ़ा की ओर से बड़ा खुलासा किए जाने की बात को लेकर राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि बड़ा खुलासा करने का सवाल है तो वह खुलासा आज तक क्यों नहीं किया? खुलासा कर देना चाहिए, मन में नहीं रखना चाहिए। जो मन में बात रखता है वह सेहत के लिए भी खराब होती है। कांग्रेस पार्टी बीजेपी जैसी नहीं है कि किसी को बोलने ही नहीं दे। कांग्रेस में रहकर पार्टी प्लेटफार्म पर राजेंद्रजी को भी चाहिए था कि सीएम के साथ बात करते। उन्हें पहले सीएम से बात कहनी चाहिए थी। सीएम नहीं सुनते तो मुझसे कहते। मुझसे आकर बात करते। अगर मैं बात नहीं करता तो फिर वह असेंबली में बोलते, वॉर रूम के बाहर खड़े होकर बोलना चाहिए था।

रंधावा ने कहा कि मणिपुर जैसी शर्मनाक घटना पर उनका रुख पार्टी के स्टैंड के खिलाफ था। ऐसे गंभीर मुद्दे पर अगर मंत्री उठ कर यह कहे कि मणिपुर की जगह सरकार गिरेबां में झांके तो उस पर एक्शन लेना ही था। मणिपुर की घटना पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी के स्टैंड के खिलाफ बात की। दूसरी-तीसरी पार्टी से जो आए हैं वे ही यह बात कह सकते हैं। कांग्रेसी ऐसी बात नहीं करता जो देश के हित में ना हो। जिस घटना से पूरा देश शर्मसार हो रहा हो उस बात पर कोई मंत्री उसे डायवर्ट करने का प्रयास करे तो सहन नहीं किया जा सकता।

बसपा से कांग्रेस में आए बाकी विधायकों के गुढ़ा के साथ जाने के सवाल पर प्रभारी रंधावा ने कहा कि बसपा से आने वाले सभी विधायक कांग्रेस के विधायक हैं। मैं नहीं समझता कि एक आदमी ऐसी बात करता है तो बाकी उसके पीछे जाएंगे। बिल्कुल ऐसा नहीं करेंगे। बसपा मूल के विधायक मुझसे मिलते हैं, अपनी डिमांड रखते हैं, कांग्रेस की बात करते हैं। दो दिन पहले ही कुछ विधायक मुझसे मिलकर गए थे। सभी मेरे संपर्क में हैं और कांग्रेस के साथ हैं।

समान नागरिक संहिता के लिए हुआ पैदल मार्च

जयपुर। देश में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने की मांग को लेकर अब जयपुर में भी आवाज बुलन्द की गई है। राजधानी में युवा शक्ति मंच ने समान नागरिक संहिता को समर्थन देने के लिए जनसमर्थन जुटाने के लिए हजारों युवाओं को साथ लेकर परकोटा क्षेत्र में पैदल मार्च निकाला। इस दौरान शहर के युवा जोश से लबरेज नजर आए और एक देश एक कानून के नारों से आकाश गुंजायमान कर दिया। चौगान स्टेडियम से शुरू हुआ यह पदमार्च छोटी चौपड़, त्रिपोलिया, चौड़ा रास्ता होते हुए न्यूगेट पर रामलीला मैदान पर आकर समाप्त हुआ।

पैदलचार्च के दौरान कानून तथा व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। इस दौरान पुलिस के उच्चाधिकारी भी युवाओं के साथ चलते दिखाई दिए। पदमार्च में केसरिया पहने युवा जय श्री राम के नारे लगाते रहे। वहीं पदमार्च का कई स्थानों पर स्वागत भी हुआ और सड़क पर भी फूल बिछाए गए। पदमार्च के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रदेश संयोजक सुनील सिंह ने कहा कि दुनिया के सभी देशों में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून है लेकिन भारत देश ही ऐसा है जहां दो कानून है। यहां क्रिमिनल और सिविल कानून लागू है और क्रिमिनल कानून में तो सब बराबर है लेकिन सिविल कानून में अलग-अलग वर्गों को अलग-अलग अधिकार दिए गए हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समान नागरिक संहिता की बात की थी। समान नागरिक संहिता के लिए लंबे समय से हिंदू संगठन मांग कर थे। वहीं मंच के प्रदेश महामंत्री गौरीशंकर ने कहा कि देश में एक विधान, एक संविधान और एक कानून होना चाहिए। इसके लिए समान नागरिक संहिता जरूरी है और कई संगठन इसके विरोध में माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते
G20 भारत 2023 INDIA
आज़ादी का अमृत महोत्सव

फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ
दावों का भुगतान सीधे किसान के बैंक खाते में
आधुनिक तकनीक से उपज का बेहतर अनुमान

7 वर्षों की मुख्य उपलब्धियां
48 करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त
13.63 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों को फसल मुआवजा का वितरण
₹1.36 लाख करोड़ से अधिक का बीमा दावा भुगतान

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2023

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Bajaj Allianz, TATA AIG, Chola MS, Future Generali, HDFC ERGO, ICICI Lombard, Bharti AXA, Kshema, Reliance General Insurance, SBI general, Universal Sompo General Insurance, Oriental Insurance

अपनी फसलों को आज ही बीमित करने के लिए संपर्क करें | जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | किसान कॉल सेंटर 1800-180-1551 | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा | @PMFBY

QR कोड स्कैन करें

श्रद्धालुओं से भरी जीप पलटने से एक ही परिवार के 10 लोग घायल

खोह मनसा माता की पहाड़ियों के रास्ते में माता के दर्शन कर वापस लौट रहे थे

उदयपुरवाटी, (निसं)। खोह मनसा माता अरावली की पहाड़ियों में मनसा माता रास्ते पर रविवार को कमांडर जीप पलटने से 10 लोग घायल हो गए। सात घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पोंख सीएचसी लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनको नीमकाथाना रैफर किया गया। वहीं तीन घायलों को हादसा स्थल से सीधे ही उदयपुरवाटी सीएचसी ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सीकर रैफर किया गया। जानकारी के अनुसार गाड़ी में कुल 13 लोग सवार थे, जो सभी नीमकाथाना के भूदोली क्षेत्र के बहादुर सिंह की ढाणी के एक ही परिवार के सदस्य थे।

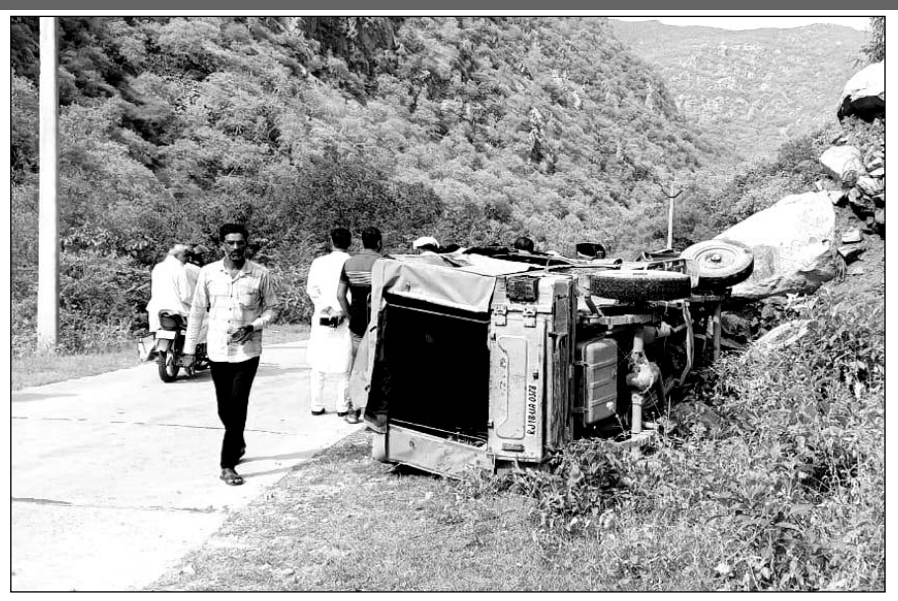

खोह मनसा माता अरावली की पहाड़ियों में मनसा माता रास्ते पर जीप पलट गई।

- गाड़ी में 13 लोग सवार थे, जो भूदोली क्षेत्र के बहादुर सिंह की ढाणी के एक ही परिवार के सदस्य थे
- पिछले दिनों भी इसी जगह श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 10 लोगों की हुई थी मौत

घायल पूजा कंवर ने बताया कि हम परिवार सहित मनसा माता के दर्शन करने के लिए आए थे। माता के दर्शन करने के दौरान वापस लौटते समय हमारी गाड़ी एकाएक गहरी खाई की तरफ जाने लगी। अनियंत्रण होने पर ड्राइवर और आगे बैठे लोगों की सूझबूझ से गाड़ी को पहाड़ की तरफ मोड़ा गया। हम कुछ समझ पाते इससे पहले गाड़ी पहाड़ की तरफ पलट गई और चीख-पुकार मच गई। उन्होंने बताया कि गाड़ी में सवार हम 13 लोगों सवार थे। जिसमें 10 घायल हो गए। हम सभी घायलों के काफी चोटें लगी है। गनिमत रही कि हमारी गाड़ी गहरी खाई में जाने से बच गई और हम जिंदा बच गए। घायलों में ओम कंवर पत्नी हरि सिंह आयु 52 वर्ष, पूजा कंवर पत्नी जोगिंदर सिंह, संतरा पत्नी गिरवर सिंह, संतोष कंवर पत्नी रामसिंह, गेंद कंवर पत्नी अमर सिंह, जोगिंदर सिंह पुत्र हरि सिंह, हरिसिंह पुत्र भालसिंह, पलक पुत्री जोगिंदर सिंह, भावना पुत्री विजेंद्र सिंह, नक्ष पुत्र जोगिंदर सिंह है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व इसी स्थान पर राजीवपुरा के श्रद्धालुओं की भरी ट्रेक्टर ट्रॉली गहरी खाई में गिरने से 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। रास्ते में अधिक ढलान व घुमाव होने की वजह से वापस आते समय गाड़ियां अनियंत्रित हो जाती है। मौके पर घटनास्थल पर आधा घंटे बाद एसडीएम रामसिंह राजावत, पचलंगी चौकी इंचार्ज संत कुमार व गुढागौड़जी सीआई वीर सिंह गुर्जर पौंख अस्पताल पहुंचे। घायल श्रद्धालुओं से बातचीत की। इस दौरान डॉ. संदीप शर्मा, नर्सिंग स्टाफ सरोज, राकेश शर्मा ने घायलों का इलाज कर नीमकाथाना रैफर कर दिया।

हथियार तलाश के लिए करौली के पांचना पुल पर पहुंची पुलिस

भरतपुर के कुलदीप जघीना हत्याकांड का मामला

करौली के पांचना पुल के पानी में हथियार की तलाश करते पुलिसकर्मी।

करौली, (निसं)। भरतपुर के कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपियों को लेकर भरतपुर जिले की पुलिस आरोपियों की निशानदेही पर हथियार तलाश के लिए करौली के पांचना पुल पर पहुंची। जहां पुल के पानी में भरतपुर की एसडीआरएफ टीम और गोताखोरों के माध्यम से वोट के जरिए भारी चुंबकों से पांचना पुल के नीचे पानी में तलाश देर रात तक जारी रही। इस मौके पर भरतपुर के भुसावर सर्किल के पुलिस उपाधीक्षक सीताराम वर्मा, भुसावर के एसएचओ मदन लाल मीणा, हलैना थाने के एसएचओ चंद्रमोहन भारी पुलिस बल के साथ हथियार तलाशी के मौके पर तैनात रहे।

जानकारी के कृपाल जघीना हत्याकांड के आरोपी कुलदीप जघीना एवं विजयपाल पर गत 12 जुलाई को दोपहर के समय कृपाल जघीना के आरोपियों को पेशी पर ले जाते वक्त रोडवेज बस पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी जिस फायरिंग में कुलदीप जगीना की मृत्यु हो गई जिस पर भरतपुर पुलिस ने तृरत फुरत में कार्यवाही करते हुए और कुलदीप जघीना के हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की आरोपियों के कुछ साथी पुलिस गिरफ्त से दूर रहे जानकारी के अनुसार उन आरोपियों में से भी भरतपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिए हैं जिस हत्याकांड में उपयोग में लिए गए हथियारों की भरतपुर पुलिस गहनता से आरोपियों से जांच कर रही है और आरोपियों की निशानदेही पर ही रविवार को भरतपुर पुलिस करौली पहुंची जो यहां के पांचना पुल के नीचे पानी में हथियार की तलाश में जुटी हुई है। इस मामले में भुसावर के पुलिस उपाधीक्षक सीताराम वर्मा से जानकारी ली गई तो उन्होंने जानकारी में बताया कि कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपियों की निशानदेही पर हथियार की तलाश करने में लगे हुए है। इस मौके पर करौली कोतवाली के यदुवीर सिंह, प्रेम सिंह, खेम सिंह, भरतपुर पुलिस के सहयोग में मौके पर उपस्थित रहे।

जान से मारने की धमकी दी, मामला दर्ज

मंडावर, (निसं)। हिण्डौन थाना इलाके के गांव की एक विवाहित महिला ने शनिवार को थाना पुलिस में एक जने पर लोन दिलाने के नाम पर बलात्कार करने और बताने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज करवाया है।

- लोन दिलाने के नाम पर बलात्कार करने और बताने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज

थाना पुलिस ने बताया कि गांव की एक विवाहिता महिला ने थाना पुलिस में रिपोर्ट दी की वह जून माह में अपने पति के साथ महुवा किसी कार्य से आई थी। जहां से वापस आने के लिए महुवा के बस स्टैंड पर बैठे थे। जहां एक व्यक्ति ने अपने आपको राजकीय कर्मचारी बताते हुए लोन दिलाने को कहा। बताया कि तुम्हारे पास विकलांग का सर्टिफिकेट हो तो तुम्हें 10 लाख रुपए का लोन प्रधानमंत्री स्वरोजगार के तहत मिल जावेगा। जिसमे 5 लाख रुपए माफ हो जावेंगे। तुम्हे लोन के 5 लाख रुपए ही किश्तों में चुकाने पडेंगे। उसने अपना नाम गिरधारी पुत्र हरनंद बताया और फाइल बनवाने के नाम 10 हजार रुपए का खर्चा पहले देने बताए। मैंने और मेरे पति ने उस दिन के बाद से कई किश्तों में गिरधारी को करीब 10 हजार रुपए दे दिए। जिस पर वह लोन के लिए मौका देखने गांव आया। बोला की एक दो दिन में तुम्हारा लोन पास हो जायेगा। जिसके बाद लोन पास नहीं हुआ तो मेरे पति ने फोन कर गिरधारी से कारण पूछा। जिस पर गिरधारी ने कहा कि मैनेजर साहब मौका देखने की कह रहे हैं।

जिसके बाद एक दिन गिरधारी ने मेरे पति को महुवा बुलाया। तब गिरधारी मेरे पति के साथ 14 जुलाई 2023 को रात्रि करीब 8 बजे मेरे घर आया। उसे भोजन कराया और वह बाहर मेरे पति के पास दूसरी चारपाई पर सो गया। मेरे पति गहरी नीद में सो गए। मैं अंदर कमरे में चटाई पर सो रही थी तो गिरधारी मेरे कमरे के अंदर आ गया। बोला कि मेरे साथ संबंध बनाएगी तो तुझे लोन दिलाऊंगा। मेरे मना करने और विरोध करने और चिल्लाने पर मेरा मुंह भींच दिया और मेरे साथ जबरदस्ती बलात्कार किया। इधर थानाधिकारी सचिन शर्मा का कहना है कि पीड़िता का मेडिकल करवा दिया है नक्शा मौके की कार्यवाही की गई है। मामले में कार्यवाही जारी है।

करंट से महिला की मौत

मालपुरा, (निसं)। मोर थाना क्षेत्र के मैहरू कलां गांव में रविवार की सवेरे करंट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। थानाधिकारी रतन सिंह तंवर ने बताया कि मैहरू कलां निवासी पाना देवी पत्नी राजू लाल कीर उम्र 40 वर्ष घर में पानी की मोटर का तार लगाते समय करंट की चपेट में आकर अचेत हो गई। जिसे परिजनों ने अचेतावस्था में मालपुरा अस्पातल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। स्वास्थ्य परीक्षण के पश्चात चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित किया। परिजनों की मौजूदगी में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा।

वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा-2022 के ग्रुप-ए एवं ग्रुप-बी की सामान्य ज्ञान परीक्षा 30 जुलाई को पुनः होगी

परीक्षा से 3 दिवस पूर्व अपलोड होंगे प्रवेश-पत्र, आवंटित परीक्षा जिले की जानकारी एसएसओ पोर्टल पर उपलब्ध होंगी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के ग्रुप-ए एवं ग्रुप-बी की सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन 30 जुलाई 2023 को किया जाएगा। इस परीक्षा के लिए आवंटित परीक्षा जिले की जानकारी एसएसओ पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि ग्रुप-ए की परीक्षा प्रातः 10 से 12 बजे तक एवं ग्रुप-बी की परीक्षा दोपहर 2.30 से 4.30 बजे तक आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षा के प्रवेश-पत्र परीक्षा से 3 दिवस पूर्व आयोग वैबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। इस अनुसार अभ्यर्थी यथाशीघ्र समयान्तर्गत प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के नियत समय से 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके पश्चात किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा। अभ्यर्थियों को सुरक्षा जांच एवं पहचान के बाद ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को पर्याप्त समय पूर्व ही परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित होना होगा। देरी से आने पर तलाशी में समय लगने के कारण परीक्षा में शामिल होने से वंचित हो सकते हैं।

गुप्ता ने कहा कि आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी किसी दलाल, मीडिएटर, समाजकंटक या अपराधी के बहकावे में न आएं। यदि कोई परीक्षा में पास कराने के नाम पर रिश्वत की मांग या अन्य कोई प्रलोभन व झांसा देता है तो प्रमाण सहित इस संबंध में आयोग को सूचित करें । इस बारे में निकटतम पुलिस स्टेशन में एफआईआर भी दर्ज कराई जा सकती है।

अभ्यर्थियों को पहचान के लिए परीक्षा केंद्र पर प्राथमिकता से मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) लेकर उपस्थित होना होगा। मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) नहीं होने की स्थिति में विशेष परिस्थितियों में ही अन्य मूल फोटो युक्त पहचान-पत्र यथा मतदाता पहचान-पत्र, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस आदि के आधार पर प्रवेश अनुमत किया जा सकता है। मूल फोटो युक्त पहचान-पत्र के अभाव में परीक्षा केंद्र में किसी भी परिस्थिति में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थियों को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा जारी कोरोना गाइडलाइन की पूर्णतः पालना करनी होगी। आयोग द्वारा कोरोना संक्रमित अभ्यर्थियों की परीक्षा हेतु पृथक से व्यवस्था की जाएगी।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने चेराई पहुंच दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की

ओसियां और लोहावट विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे गजेन्द्र सिंह शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत रविवार को सुबह ओसियां विधानसभा क्षेत्र के चेराई गांव के उस स्थान पर पहुंचे, जहां दरिंदों ने एक अबोध बालिका समेत चार जनों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों से वारदात के संदर्भ में बातचीत की। शोकसभा में दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जानकारी के अनुसार ओसियां विधानसभा क्षेत्र के चेराई में गत दिनों एक अबोध बालिका सहित चार लोगों को दरिंदगी से मौत के घाट उतार दिया गया था। दिल दहला देने वाले इस घटनाक्रम ने सभी को हतप्रभ कर दिया। केन्द्रीय मंत्री शेखावत यहां शोकसभा में शामिल हुए। चारों मृतकों को पुष्पांजली अर्पित की। परिजनों से मिलकर उनको ढांढस बंधाया। दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए प्रार्थना की।

संसदीय क्षेत्र में प्रवास के दौरान शेखावत ने लोहावट विधानसभा क्षेत्र के नोसर पल्ली, मतोड़ा, बेडू ईसरू, पलीना में विभिन्न शोक सभाओं में शामिल होकर शोक संवेदना जताई। मतोड़ा जाकर जगदीश सुथार के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त जताई। परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। शेखावत ने नोसर मे पूर्व को कॉपरेटिव चेयरमैन चतुराराम पूनिया के निधन पर आयोजित शोकसभा में शामिल हुए। पल्ली में ठाकुर स्व. अनोप सिंह रावलोत की पत्नी के निधन पर शोक संवेदना जताई। बेडू में अलसीराम सिमराथा राम के निधन पर और ईसरू में उदय सिंह के निधन पर व आऊ में कन्हैया लाल टाटिया के निधन पर आयोजित शोक सभा शामिल होकर शोक संवेदना जताई। देनोक में जबर सिंह के पुत्र मानवेन्द्र सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। पलीना में स्वरूप सिंह के पिता ठाकुर जय सिंह के निधन पर शोक संवेदना जताई। फलोदी विधायक पब्बाराम विश्नोई, देहात उत्तर अध्यक्ष मनोहर पालीवाल, देहात दक्षिण अध्यक्ष जगराम विश्नोई, ज़िला उपाध्यक्ष विक्रमादित सिंह, भागीरथ बेनीवाल, अभिषेक भादू, ज्योति ज्यानि, वीरेंद्र सिंह निबोल, राजेन्द्र सिंह देनोक, नरपत सिंह राठौर, पुखराज जांगिड़ खिवराज जांगिड़, सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता साथ रहे।

कार्यकर्ताओं से मुलाकात की :- केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने मतोड़ा स्थित देहात उत्तर के मण्डल कार्यालय बापिनी में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। मण्डल कार्यकर्ताओं से भाजपा के प्रदेशव्यापी अभियान नहीं सहेगा राजस्थान के तहत आयोजित कार्यक्रमों के विषय में विस्तार से जानकारी ली।

जालोर में मूसलाधार बारिश

जालोर, (कासं)। जालोर शहर में रविवार देर शाम को मूसलाधार बारिश होने से चारों ओर पानी ही पानी हो गया। बारिश से निचली कोलॉनियों में पानी भर गया तथा न्यू बस बस स्टैण्ड सहित अन्य जगह पर भी बारिश का पानी जमा हो गया। वहीं बारिश का दौर शुरु होते ही शहर की बिजली गुल हो गई। जालोर शहर में रविवार को सुबह से ही तेज उमस व गर्मी से लोग दिनभर परेशान रहे। वहीं शाम ढ़लते ही आसमान में काले बादलों ने डेरा डाल दिया। बारिश का दौर शुरु हुआ जो करीब एक घंटे तक बारिश का दौर जारी रहा। वहीं मूसलाधार बारिश से जालोर शहर के न्यू बस स्टैण्ड, नर्मदा कॉलोनी, सुदेलाव तालाब के ओवरफ्लो क्षेत्र में बसी कॉलोनियों में पानी भर गया। बारिश से सड़कों पर तेज वेग से पानी बहने लगा। वहीं बारिश होने से किसानों के चेहरो पर खुशी देखी जा रही है। पिछले दो-तीन दिनों से तेज गर्मी व उमस से आमजन परेशान थे।

कलेक्टर, आयुक्त सहित चार को एन.जी.टी. में पेश होने के आदेश

भीलवाड़ा, (निस)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रिंसिपल बेंच नई दिल्ली के न्यायाधिपति सुधीर अग्रवाल एवं विशेषज्ञ सदस्य डॉक्टर अफरोज अहमद की बेंच ने भीलवाड़ा निवासी पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता नवीन आहूजा के मार्फत भीलवाड़ा स्थित कोठारी नदी के मूल स्वरूप को लौटाने, उसे अतिक्रमण एवं प्रदूषण मुक्त कर हरियालि युक्त बनाने को लेकर दायर याचिका पर आदेश पारित करते हुए प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव, जिला कलेक्टर भीलवाड़ा, नगर परिषद आयुक्त भीलवाड़ा एवं राजस्थान शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर मामले में रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

- कोठारी नदी के मूल स्वरूप को लौटाने, उसे अतिक्रमण एवं प्रदूषण मुक्त करने को लेकर दायर याचिका पर आदेश दिया

माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने जनवरी 2022 में कोठारी नदी की वस्तुस्थिति पेश करने हेतु एक कमेटी का गठन किया था जिसकी रिपोर्ट में उन्होंने कोठारी नदी को प्रदूषण एवं अतिक्रमण युक्त पाया था। उल्लेखनीय है कि कोठारी नदी के प्रदूषण को लेकर प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा नगर परिषद भीलवाड़ा पर तीन बार 63.80 लाख, 2.4 करोड़, 111.45 लाख का जुर्माना भी लगाया जा चुका है परंतु प्रदूषण नियंत्रण मंडल राशि वसूल नही कर पाया है।

बिजली गिरने से एक की मौत

कोटा, (निसं)। आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति और 34 बकरियों की मौत हो गई। साथ ही सांगोद क्षेत्र में एक मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया है। मामले के अनुसार जिले के कनवास थाना क्षेत्र में टोल्या गांव में राधेश्याम माली पर बिजली गिरने का मामला सामने आया। जिसे लोग अस्पताल भी लेकर गए लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया कनवास एसएचओ रमेश सिंह ने बताया कि कनवास थाना क्षेत्र के ही बरखेड़ा गांव के लोग अपनी बकरियों को चराने के लिए जंगल में लेकर गए थे। बरखेड़ा से करीब 5 किलोमीटर अंदर जंगल की तरफ यह बकरियां चर रही थी तभी तेज बारिश का क्रम शुरू हो गया। इनके साथ गए चरवाहे पर बारिश से बचने के लिए दूसरी जगह जाकर बैठ गए। इसी दौरान इन बकरियों के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई। जिसके चलते एक साथ ही 34 बकरियों की मौके पर मौत हो गई।

महंगाई से बिगड़ा सब्जी व चाय का जायका

पावटा, (निसं)। पावटा व आसपास की सब्जी मंडियों में इस बार सब्जियों के भाव आसमान छूने लगे हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण आम आदमी के लिए सब्जियां महंगी होना शुरू हो गई हैं।

- पावटा में टमाटर 160 व अदरक 400 रुपए किलो तक पहुंची

महंगाई का ये आलम है कि टमाटर 160 रुपए किलो तथा अदरक 400 रुपए किलो व लहसुन 200 रुपए किलो, हरी मिर्च 80 रुपए किलो तक दाम बढ़ गए हैं। ऐसे में आम लोगों के साथ ही व्यापारी भी सब्जियां महंगी होने के कारण परेशान हैं। करीब दो हफ्ते में दूसरी बार अदरक व टमाटर के दाम 160-400 रुपए तक पहुंच गए हैं। लेकिन इन दिनों महंगाई की मार से कोई भी फल या सब्जी नहीं बच पाई है। वहीं सब्जी व चाय का जायका बनाने वाले टमाटर व अदरक की कीमत आसमान छू रहे हैं।

सब्जी व्यापारी देशराज, गिरधारी, सरदारमल, सुवालाल, सुरेश, लालाराम, हरफूल, सन्नी ने बताया कि कुछ ही दिन पहले अदरक 200 रुपए किलो बिक रहा था अब कीमत 400 रुपए किलो है। ऐसे में इन दिनों टमाटर, अदरक, लहसुन की कीमत आसमान छू रही है। सब्जी बेचने वालों का कहना है कि गर्मी और बारिश के चलते कीमतों में बढोतरी हुई है। इसके साथ ही पेट्रोल-डीजल के बढते दाम से भी ट्रांसपोर्टेशन भी महंगा हुआ है।

जिससे कई सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। वहीं सब्जी लेने वालों कि मजबूरी है कि खाना नहीं खाएंगे तो क्या करेंगे। उनका मानना है कि बढती महंगाई से उनके रसोई का बजट भी बिगड गया है। टमाटर, अदरक, लहसुन और मिर्ची के साथ-साथ बाकी सब्जियां भी महंगी हुई हैं जिससे हमारा बजट ही बिगड़ गया है। जून महीने से जुलाई महीने में सब्जियों के भाव लगभग डबल हो गए हैं।

गैंगरेप का मामला दर्ज

खैरथल, (निसं)। खैरथल पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में गैंगरेप होने का मामला सामने आया है। किशनगढ़बास पुलिस सर्किल के डीएसपी जयप्रकाश बेनीवाल ने बताया कि पीड़ित विवाहिता ने अपने ही गांव के युवकों हितेश, कृष्ण, दिनेश, गोपाल व मनोज के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है जिसमें उसने बताया है कि गत 24 जून की रात को वह अपने घर पर कमरे में अकेली सोई हुई थी कि गांव के रहने वाले रितेश, कृष्ण दिनेश, गोपाल, मनोज ने जबरन जबरन दुष्कर्म किया। जिसमें कृष्ण ने वीडियो बनाई और दिनेश, गोपाल व मनोज घर के बाहर खड़े रहे। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और वीडियो वायरल करने की भी चेतावनी दी जिससे शर्म व भय से उसने मामला दर्ज नहीं कराया। पुलिस ने मामला दर्ज होने के बाद भिवाड़ी जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शर्मा के निर्देशन में पीड़िता का डाक्टरी परीक्षण कराने के साथ जांच शुरू करते हुए दबिश दी जिसमें मुख्य आरोपी हितेश बावरिया को पकड़ लिया गया है जबकि अन्य आरोपी फरार हो गए हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

वन विभाग में वृक्षारोपण सहित निर्माण कार्यों में धांधली का मामला सामने आया

सोहेला वन क्षेत्र में बनी पुरानी दीवार को ही रंगरोगन कर नयी वॉल बता लाखों का भुगतान उठाया

टोंक, (निसं)। टोंक उपखण्ड के वन रेंज सोहेला में वृक्षारोपण सहित निर्माण कार्यों में जमकर धांधली करने का मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोहेला वन क्षेत्र में बनी पुरानी दीवार को ही रंगरोगन कर नयी वॉल बताकर लाखों रूपये के फर्जी भुगतान उटाये गये हैं।

टोंक उपखण्ड के वन रेंज सोहेला में वृक्षारोपण सहित निर्माण कार्यों में जमकर धांधली करने का मामला सामने आया है।

सोहेला वन्य क्षेत्र में हर साल वन संरक्षण को लेकर प्लांटेशनों का निर्माण करवाया जाता है लेकिन वन अफसर नियमों को दरकिनार कर राशि का आहरण करते रहे हैं। ऐसी ही एक कहानी सोहेला वन नाका क्षेत्र वैष्णो देवी प्लांटेशन में भारी भ्रष्टाचार देखने को मिल रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित वैष्णो देवी मंदिर के पास बनाए गए प्लांटेशन में भारी भ्रष्टाचार किया गया है। उक्त प्लांटेशन पर कई बार प्लांटेशन बनाए जा चुके हैं जबकि अफसरों द्वारा बार-बार नाम बदलकर वैष्णो देवी प्लांटेशन बना दिया गया उक्त जगह पर जगह नहीं होते हुए भी सरकारी राशि का दुरुपयोग करने हेतु प्लांटेशन बना कर लाखों रुपए का भुगतान उठा लिया गया।

जानकारी अनुसार करीब सन् 2010-11 एनएचआई द्वारा रोड को चौड़ा किया गया था। तब उक्त प्लांटेशन पर लूज पत्थरों की दिवार बनी हुई थी जो रोड छोड़कर बनाया गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के द्वारा वापस उस जगह दीवार बनाई गई थी। उसी दीवार को भ्रष्ट कर्मचारियों द्वारा नई स्टोनवॉल बताकर कागजों में बनवा कर बिल वाउचर लगाकर लाखों रुपए का भुगतान उठा दिया गया। अधिकांश निर्माण कार्य सिर्फ कागजों पर खानापूर्ति करके सरकारी खजाने को लूटने का काम किया गया है। एक और जहां राजस्थान की गहलोत सरकार वनों को हरा-भरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। तो वहीं जिले में बैठे वन विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों की छत्रछाया में भ्रष्टाचार का खेल खेला जा रहा है। जो एक विशेष जांच का विषय है। सिद्धार्थ प्रताप सिंह, मुख्य वन संरक्षक रेंज अजमेर का कहना है कि पुरानी स्टोनवॉल को नई बताकर भुगतान उठाने वाले दोषी वन कर्मचारियों पर कार्यवाही की जायेगी।

कालवाड़ रोड पर रेस्टोरेंट मालिक की हत्या कर फरार हुए दो कर्मचारी

खाना बनाने की बात पर हुई थी रेस्तरां मालिक व वर्कर्स के बीच कहासुनी

-कार्यालय संवाददाता-

- आरोपियों ने हॉकी-पलटे से रेस्टोरेंट मालिक का सिर फोड़ा, जबड़ा तोड़ा; फिर दुकान का शटर बंद कर भाग छूटे
- पडौसी ने अनहोनी की आशंका के चलते पुलिस को सूचना दी, तब पूरा मामला उजागर हुआ

जयपुर । कालवाड़ इलाके में शनिवार रात एक रेस्टोरेंट मालिक की दो कर्मचारी भाइयों ने हत्या कर दी। खाना बनाने की बात को लेकर रेस्टोरेंट मालिक और दो वर्कर के बीच कहासुनी हुई थी। झगड़े में गुस्साए भाइयों ने हॉकी और पलटे से ताबड़तोड़ वार कर रेस्टोरेंट मालिक का सिर फोड़ दिया, जबड़ा भी तोड़ दिया। इसके बाद बदमाश रेस्टोरेंट मालिक को मरा हुआ समझकर दुकान का शटर बाहर से लॉक कर फरार हो गए। पडौसियों की सूचना पर पहुंची कालवाड़ थाना पुलिस ने एस.एम.एस. हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाने के साथ ही हत्या कर भागे दोनों वर्कर भाइयों की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि नागौर निवासी रिटायर्ड फौजी हमीर सिंह (45) का मर्डर हुआ है। वह करणी विहार में परिवार के साथ रहकर कालवाड़ रोड माचवा में न्यू भवानी नाम से रेस्टोरेंट चलाता था। हमीर के रेस्टोरेंट में उत्तर प्रदेश निवासी दो भाई सुनील और बबलू काम करते थे। शनिवार रात को खाना बनाने की बात को लेकर दोनों भाइयों से रेस्तरा मालिक हमीर सिंह की कहासुनी हो गई। रेस्टोरेंट में खाना खाने आए कस्टमर्स को देखकर एक बार कहासुनी खत्म हो गई। ग्राहकों के जाने के बाद रात करीब 11 बजे रेस्टोरेंट का शटर बंद कर दोनों भाइयों ने हॉकी और पलटे से हमीर सिंह पर हमला कर दिया। बदमाशों ने ताबड़तोड़ वार कर हमीर सिंह का सिर फोड़ दिया और जबड़ा तोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने बताया कि रात करीब 11 बजे रेस्टोरेंट बंद होने के बाद मालिक हमीर सिंह अपने घर चले जाते थे। दोनों वर्कर रेस्टोरेंट के अंदर ही सोते थे। रात को झगड़ा होने पर बर्तन गिरने की आवाज सुनकर पडौसी ने रेस्टोरेंट का शटर खटखटा कर पूछा। अंदर से कर्मचारी ने चिल्लाकर जवाब दिया। हम दोनों भाई लड़ें-झगड़े, तुझे क्या करना है। करीब 12:45 बजे दोनों भाई रेस्टोरेंट का शटर बाहर से लॉक कर चले गए। जिन्हें जाते देखकर पडौसी ने रेस्टोरेंट मालिक को बताने के लिए मोबाइल नंबर पर कॉल किया। कॉल नहीं उठाने पर देखा तो मालिक हमीर सिंह की कार भी बाहर खड़ी थी। अनहोनी की आशंका पर पडौसी ने पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल किया। इसी दौरान गश्त कर रही पीसीआर को रोककर घटना के बारे में बताया।

शटर का लॉक तोड़कर अंदर घुसे पुलिसकर्मियों को हमीर सिंह लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा मिला। पुलिस ने गंभीर हालत में उसे तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। रविवार सुबह इलाज के दौरान हमीर सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने सिटी एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। पुलिस को हत्या में यूज में ली गई हॉकी और पलटा भी मौके से मिल गया है।

जांच में सामने आया है कि हमीर सिंह पिछले करीब 3-4 साल से रेस्टोरेंट चला रहा था। उसके रेस्टोरेंट पर सुनील काम करता था। उसने ही 4-5 दिन पहले अपने भाई बबलू को रेस्टोरेंट पर काम करने के लिए बुलाया था। पुलिस हत्या कर भागे दोनों वर्कर भाइयों की तलाश कर रही है।

बताया जा रहा है कि मृतक हमीर सिंह वर्ष 2016 में आर्मी से रिटायर हुआ था। हमीर के परिवार में पत्नी नीतू कंवर (35), बेटा कुलदीप (17) और बेटी नेनसा (2) है। नीतू हमीर की दूसरी पत्नी है। पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। नीतू से ही बेटी नेनसा है। बेटा कुलदीप 11वीं क्लास में पढ़ता है।

भाजपा-कांग्रेस में प्रदेश से बाहर का प्रत्याशी बर्दाश्त नहीं : धाभाई

विधानसभा चुनाव से पहले अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने दोनों राजनैकि दलों को चेतावनी दी

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की ओर से रविवार को जयपुर की निम्स यूनिवर्सिटी में युवा संवाद व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

- जो राजनीतिक दल हमारा ध्यान रखेगा, हम उनका ध्यान रखेंगे : बच्चू सिंह

जयपुर (कासं)। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की ओर से रविवार को जयपुर की निम्स यूनिवर्सिटी में युवा संवाद व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। प्रदेश अध्यक्ष रामप्रसाद धाभाई ने कहा कि गुर्जर समाज के हितों की लडाई महासभा पूरी ताक़त के साथ लड़ रही है और गुर्जर समाज के विकास के लिये हर संभव क़दम उठायेगी। आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा-कांग्रेस दोनों प्रमुख राजनैतिक पार्टियों में राजस्थान से बाहर के प्रत्याशी को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

राष्ट्रीय संगठन महासचिव बच्चू सिंह बैंसला ने कहा कि जो भी राजनीतिक दल हमारे समाज का ध्यान रखेगा, समाज उसका ध्यान रखेगा। गुर्जर समाज की लम्बित बैकलोक की भर्ती को समय रहते हुए राजस्थान सरकार पूरा करे।

महिला अध्यक्ष कामिनी गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के मूल निवासियों को राष्ट्रीय राजनीतिक दल संगठन व टिकट वितरण में विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में अधिक से अधिक अवसर दे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रामप्रसाद धाभाई, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बच्चू सिंह बैंसला, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कामिनी गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष महिला मनीषा गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष सामूहिक समिति विवाह रामस्वरूप सराधना, महामंत्री रामअवतार बडिया, राष्ट्रीय सचिव हिमांशु गुर्जर, डॉक्टर पंकज सिंह निदेशक निम्स, जयपुर ग्रामीण की कार्यकारिणी एवं अनेक समाज बंधुओं ने भाग लिया।

'आपका नेटवर्क ही आपकी नेटवर्थ'

जयपुर, (का.सं.)। अपने ब्रांड के लिए नये विकल्प ढूँढना केवल आपके ग्राहक संबंधों तक रिजर्व नहीं है। यदि आप इसे सही तरीके से कर रहे हैं, तो अपना नेटवर्क बनाना भी आपके व्यवसाय और राजस्व को आगे बढ़ाने में जरुरी है। आज जयपुर में टोंक रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित 'व्यापारी 2 सीईओ रिट्रीट' कार्यक्रम में बिजनेस एवं लीडरशिप कोच राहुल मालोदिया ने कहा कि आपका नेटवर्क ही आपकी नेटवर्थ है। गुरुवार को शुरू हुए इस चार दिवसीय कार्यक्रम सफल रहा जिसमें राहुल मालोदिया ने देश भर से आये उद्यमियों को संपूर्ण, संतुलित विकास, सेल्स स्ट्रेटजी, मार्केटिंग और फाइनेंस कैसै संभाले और छोटे-छोटे बदलावों के साथ अपके कारोबार की ग्रोथ कैसे होगी जैसे नॉलेज सेशन लिये। उन्होंने आगे कहा कि एक उद्यमी के रूप में, जब आप अपने शहरों में होते हैं तो आपको नेटवर्किंग कार्यक्रमों में भाग लेने के बहुत मौके मिलते है, लेकिन नेटवर्किंग सत्र बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आप सभी देश के विभिन्न हिस्सों से हैं और पिछले चार दिनों से एक साथ सत्र दर सत्र भाग ले रहे हैं। आपके पास कुछ सामान्य तथ्य होंगे, जो आपको एक-दूसरे से जोड़ सकते हैं।

'सांगानेर क्रिकेट लीग' में 111 मैचों के साथ पूरा हुआ पहला राउंड : लाहोटी

'प्रत्येक ग्राउंड पर सुबह राष्ट्रगान के साथ हो रही है मैचों की शुरूआत'

जयपुर (कासं)। सांगानेर विधायक व जयपुर के पूर्व महापौर डॉ. अशोक लाहोटी ने बताया कि सांगानेर विधानसभा के प्रतिभावान खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए चल रही "सांगानेर क्रिकेट लीग" में 111 मैचों के साथ पहला राउंड पूरा हो चुका है। इस लीग में 221 टीमों के नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जिसमें 3200 से भी ज्यादा प्रतिभावान खिलाड़ियों को लीग में खेलने का मौका मिला।

उन्होंने बताया कि 'सांगानेर क्रिकेट लीग' 5 अलग-अलग क्रिकेट ग्रांउडों पर 16 जुलाई सुबह से चल रही है। यह टूर्नामेंट के.एल.सैनी, शिकारपुरा, प्रताप नगर, रयान एकेडमी, फन किंगडम क्रिकेट ग्राउण्ड पर चल रहे है। टूर्नामेंट डे-नाईट मैंचों का आयोजन बेहद ही रोमांचक और शानदार रहा। प्रथम राउण्ड में एक टीम ने सबसे अधिक 174 रन बनाये, वही एक टीम ने सबसे कम 27 रन बनाये। दो खिलाड़ियों ने तीन बॉलो पर लगातार 3 छक्के लगाकर छक्कों की हेट्रिक बनाई तथा 3 खिलाड़ियों ने चौकों की हैट्रिक बनाई। एक मैच में लगातार तीन खिलाड़ियों को आउट कर, आउट हैट्रिक खिलाड़ी ने अपने नाम दर्ज कराई। एक मैच में पूरी टीम ऑल आउट भी हुई है, तो वही सबसे कम 1 विकेट लिया गया। वहीं एक खिलाड़ी ने एक पारी में 28 बॉलो पर 10 छक्के मारकर अपना रिकॉर्ड बनाया। इसी प्रकार अन्य एक मैच में एक खिलाडी ने 33 गैंदों पर 8 छक्के व 11 चौके की मदद से 100 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराया।

सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने रविवार को दो टीमों के बीच होने वाले क्रिकेट मैच के लिए टॉस किया।

मैच के दौरान एक टीम में पिता-पुत्र की जोड़ी भी खेली, पुत्र की बॉलिंग से पिता आउट हुए, वही दो टीमों में पिता-पुत्र साथ-साथ भी खेले। रोमांचक मैच के मुकाबले में टीमो के बीच सुपर ऑवर के मैच भी हुए। वहीं कई मैचो में सगे भाई भी साथ-साथ व आमने-सामने टीमो में खेले, एक दुसरे को आउट कर क्रिकेट लवर एवं दर्शकों का रोमांच बढ़ाया। बारिश के कारण बीच में रोके गये मैचो में ज्यादा गैंदों पर कम रनों की आवश्यकता होने पर डी.एल.एस के तहत निर्णय लेकर उन टीमों को विजेता घोषित किया गया। क्रिकेट मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरूस्कार व नगद इनाम भी दिये गये।

अक्षत ने गिटार पर राग पूरिया कल्याण की प्रस्तुति दी

जयपुर, (का.सं.)। शास्त्रीय संगीत के युवा कलाकार अक्षत शर्मा ने स्लाइड गिटार वादन ने सुरों की खूबसूरत आईनबंदी कर मौजूद दानिशमंद श्रोताओं के दिलों को छू लिया। इस मौके पर देश-दुनिया के मकबूल ग्रैमी अवॉर्ड विनर पं.अजय शंकर प्रसन्ना ने भी बांसुरी साज पर सुरों के खूबसूरत लगाव वे घराने की खुशबू बिखेरी।

जे.एल.एन. मार्ग स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मिनी थिएटर में गोपाल कृष्णन स्ट्रिंग्स फाउंडेशन की तरफ से रविवार को संजोए बैठक-2023 कार्यक्रम में दोनों फनकारों ने अपने कमाले फन का उम्दा प्रदर्शन कर सभागार का कोना-कोना सुरीले सुरों से सराबोर कर दिया। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम कलाकार अक्षत के जन्मतनर्शी गुरु पिता पं. श्रीकृष्ण शर्मा के जन्मदिवस पर संजोया गया।

सार-समाचार

दुग्ध उत्पादक सुप्यार देवी सम्मानित

जयपुर, (का.सं.)। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (छक्क्ट) गुजरात और 20 की ओर से एक दिवसीय कार्यक्रम में राजस्थान की एक मात्र प्रतिनिधी जयपुर डेयरी की दुग्ध उत्पादक सुप्यार देवी को महिला सशक्तिकरण में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने के लिये गुजरात सरकार के सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एक फिल्म के माध्यम से सुप्यार देवी की संघर्ष की यात्रा भी दिखाई गई जिसमें उन्होने कैसे दुग्ध उत्पादन के माध्यम से खुद को स्वावलम्ब किया एवं अपनी चार लड़कियों को स्कूल लैक्चरार से लेकर आर.ए.एस. बनाया एवं समाज में महिला सशक्तिकरण की अलख जगाई।

स्मैक सप्लाई करते हुए युवक गिरफ्तार

जयपुर । कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने रविवार को स्मैक सप्लायर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार स्मैक सप्लायर (40) गोपी शर्मा के पास से पुलिस को 19.5 ग्राम स्मैक के साथ-साथ कुछ मोबाइल नम्बर मिले हैं जिन्हें आरोपी निरंतर स्मैक की सप्लाई किया करता था। पुलिस इन सभी से आने वाले समय में पूछताछ करेगी। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश चंद बिश्नोई ने बताया कि जयपुर शहर में अवैध नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे ऑपरेशन "क्लीन स्वीप के तहत यह कार्रवाई की गई है। सीएसटी के सीआई बनवारी लाल मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गई टीम को सूचना मिली की मादक पदार्थ तस्कर बडी मात्रा में स्मैक लेकर डिलीवरी करने वाला है। इस पर टीम को मौके पर भेजा गया पुष्टि होने पर आरोपी को पकड़ा और पूछताछ की गई जिस पर आरोपी के पास से पुलिस को स्मैक मिली। मादक पदार्थ स्मैक 19.5 ग्राम और एक स्कूटी के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। आरोपित गोपी शर्मा पुत्र प्रहलाद शर्मा बारोवड पुलिस थाना मकराना जिला नागौर का रहने वाला है। आरोपी काली माता मन्दिर के पास श्मशान घाट आदर्श नगर में किराये के मकान में रहता है। आरोपी अवैध मादक पदार्थ स्मैक का धंधा करता है। आरोपी स्मैक को कोटा निवासी चाचा नाम के व्यक्ति से खरीद कर लाता है। आरोपी स्मैक खरीदने के लिए एक माह में कोटा के 5 चक्कर लगाता था। गोपी कोटा से स्मैक 2हजार रुपए प्रतिग्राम के हिसाब से खरीदता था। जिसे वह जयपुर लाकर 3200 रुपए प्रतिग्राम के हिसाब से बेचता था।

चतुर्वेदी ने किया कावड़ियों का स्वागत

जयपुर । सावन माह में राधे राधे क्लब के तत्वावधान में रविवार को भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व केबिनेट मंत्री डा. अरुण चतुर्वेदी ने कावड यात्रियों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। राजपूत सभा भवन से शुरु हुई यह यात्रा स्टेच्यू सर्किल होते हुए रामनगर, नंदपुरी, मंगलमंच, सिद्धेश्वर हनुमान मन्दिर से कटारिया कालोनी होते हुए स्वेज फार्म, सोडाला पहुंची। इस पूरे मार्ग में डा. अरुण चतुर्वेदी भी कावड़ यात्रियों के साथ पैदल ही कावड़ लेकर चले। यात्रियों का श्री 1008 अवधेश दास ने भी स्वागत किया। पूरे मार्ग में जगह जगह कावड़ यात्रियों का भक्तो ने स्वागत सत्कार किया। इस दौरान राधे राधे क्लब के अध्यक्ष मनोज बंसल, सचिव आनंद शर्मा एवं भाजपा सिविल लाइंस मंडल अध्यक्ष निर्मल राजपुरोहित, पार्षद राहुल शर्मा, राजेश कुमावत, संजय भाटी, अमन सैनी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

11वीं क्लास की छात्रा से छेड़छाड़

जयपुर । विश्वकर्मा इलाके में 11वीं क्लास की छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। रास्ते में पीछा कर अश्लील कमेंट कर चार लड़कों ने छात्रा का हाथ पकड़ लिया। विरोध करने पर युवती के भाई के साथ जमकर मारपीट की। विश्वकर्मा थाने में पीड़िता की मां ने एफ.आई.आर. दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया कि विश्वकर्मा निवासी एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि उनकी 14 साल की बेटी 11वीं क्लास में पढ़ती है। स्कूल-ट्यूशन आते-जाते समय नाबालिग स्कूल छात्रा का चार लडके पीछा कर छेड़छाड़ करते है, बीच रास्ते में अश्लील कमेंट कर हाथ पकड़ लेते है। आरोप है कि 21 जुलाई की शाम करीब 5 बजे नाबालिग बेटी अपने भाई के साथ रोड नंबर-17 विश्वकर्मा जा रही थी। चारों आरोपी लड़के रास्ते में नाबालिग बेटी का पीछा कर अश्लील कमेंट करने लगे। बीच रास्ते में बेटी का हाथ पकड़ कर रोक लिया। बहन से छेडछाड को देखकर भाई के विरोध करने पर चारों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। घर पहुंचे भाई-बहन ने परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजनों ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया।

पडौसी ने मासूम से छेड़छाड़ की

जयपुर । मानसरोवर इलाके में एक पडौसी व्यक्ति ने मासूम बच्ची से अश्लील हरकत की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया इलाके निवासी कि महिला ने रिपोर्ट दी है कि वह और उसका पति 21 जुलाई की सुबह काम पर चले गए थे। इस दौरान वह सुबह 9 बजे वापिस लौटी तो घर पर 4 वर्षीया बेटी नहीं मिली। उसने तलाश किया पडौसी ओमप्रकाश ने उसे अपने कमरे में सुला रखा था और दरवाजा अंदर से बंद किया हुआ था। आरोप है ओमप्रकाश ने बच्ची के साथ गलत हरकत की। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

एसबीआई डीएमपीएल में सुरों की जंग जारी

जयपुर । सावन की फुहारों के बीच चिकित्सकों की गायन प्रतियोगिता की रंगत दूसरे दिन और भी बढ़ गई जब भाग लेने वाली सभी टीमों ने एक से बढ़कर एक दमदार प्रस्तुतियाँ दीं।

लीग चेयरमैन डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि सभी टीमों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से लीग के मुकाबले बहुत रोमांचक हो गये है। आयोजन सचिव डा. अनिल यादव ने बताया कि लीग मैचों की चार विजेता टीमों ने फाइनल में जगह बना ली है। टीम में सीकेएस त्यागी आई हॉस्पिटल, एएलसीएस-एशियन कैंसर, सीता देवी हॉस्पिटल व श्री कृष्णा हॉस्पिटल है। चीफ़ कॉर्डिनेटर डॉ.हरीश भारद्वाज ने बताया कि लाइव आर्केस्ट्रा के सराहनीय संगीत संयोजन का कार्य ग़ुलाम द्वारा किया जा रहा है। लीग चीफ़ कॉर्डिनेटर डॉ. हर्षुल टाक व डॉ रवींद्र सिसोदिया ने मंच संचालन किया।

करधनी इलाके में कच्छा बनियान गिरोह सक्रिय

जयपुर (कासं)। करधनी इलाके में कच्चा-बनियान गिरोह के बदमाश सी.सी.टी.वी. कैमरे में कैद हुए हैं, इससे इलाके में डर का माहौल हो गया है। फुटेज करधनी इलाके में स्थित हाथोज फाटक गोकुल धाम सिरसी रोड की है। इसमें छह बदमाश घूमते दिख रहे हैं। अब तक फिलहाल किसी घटना की जानकारी पुलिस को नहीं मिली है, लेकिन एक कारखाने के सीसीटीवी में कैद हुई इस फुटेज ने लोगों में दहशत फैला दी है।

कारखाना मालिक सत्य नारायण शर्मा ने बताया कि 22 जुलाई की रात 3 बजे उनके परिचित दूसरे माले पर सो रहे थे। वॉश रूम के लिए उठे तो उन्होंने छह लोगों को मुंह पर कपड़ा बांध कर कॉलोनी से निकलते हुए देखा। जिस पर ध्यान दिया गया तो दिखाई दिया कि कुल लोग कच्छा बनियान पहन कर सड़क पर घूम रहे थे। सभी ने कमर में हथियार बांध रखे थे। सुबह रिश्तेदार ने सत्य नारायण को इस बारे में बताया। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज चैक किए। जिसमें छह बदमाश हथियारों के साथ कॉलोनी में घूमते हुए दिखाई दिए। इस पर सत्य नारायण ने यह सीसीटीवी फुटेज पुलिस को और कॉलोनी के अन्य लोगों की दी। हालांकि अभी तक कही से भी कोई वारदात होने की जानकारी सामने नहीं है, लेकिन इन बदमाशों के मूवमेंट से इलाके के लोग डरे हुए हैं। करधनी थाने के सीआई हीरालाल ने बताया कि इस सीसीटीवी में दिखाई देने वाले बदमाशों को देख कर लग रहा है कि यह कच्छा-बनियान गिरोह हो सकता है। ये लोग वारदात करने के लिए ही घूम रहे थे, लेकिन अभी तक कोई वारदात नहीं हुई। लोगों को अब अलर्ट रहने की जरूरत हैं।

मुहाना थाने में हिस्ट्रीशीटर ने फंदा लगाकर जान दी

जयपुर । मुहाना थाने में बंद एक कैदी ने रविवार को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर डीसीपी साउथ योगेश गोयल और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान (40) खानवा निवाई निवासी ललित बैरवा के रूप में हुई हैं। ललित को पुलिस ने चोरी के मामले में 20 तारीख को गिरफ्तार किया था जिसे बाद में कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया था।

डीसीपी साउथ योगेश गोयल ने बताया कि मृतक को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ चल रही थी। आज दोपहर मृतक ने कम्बल को काट कर फंदा बनाया। फिर बाथरूम की खिड़की पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक संतरी को ललित नहीं दिखाई दिया। उसने बैरक खोली तो देखा ललित ने फंदा लगाकर आत्महत्या की हुई थी। घटना की जानकारी मिलने पर एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया गया। जिनकी मौजूदगी में फंदे से मृतक को नीचे उतारा गया। मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। मृतक के परिजनों के आने पर शव को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। वहीं, मजिस्ट्रेट को भी इस विषय में जानकार दे दी हैं। उन्होंने भी मौका देख लिया है। वह भी अपने स्तर पर इस मामले की जांच करेंगे। बंदी ललित बैरवा ने जब सुसाइड किया। घटना के दौरान बैरक में दो और बदमाश बंद थे। दोनों को भी भनक नहीं लगी कि उनका साथी ललित बैरवा सुसाइड कर सकता हैं। पुलिस का कहना है कि जिस बैरक में मृतक बंद था, उस बैरक में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। जिसमें वह बाथरूम में जाते हुए दिखाई दे रहा हैं। मृतक ने कम्बल को काट कर रस्सी बनाई। बाथरूम की खिड़की में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। मृतक सांगानेर सदर थाने का हिस्ट्रीशीटर है, उसके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सोमवार को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

राजधानी जयपुर में सीकर रोड पर स्थित सन एंड मून प्रांगण में रविवार शाम को संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। फोटो-राष्ट्रदूत

संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ में उमड़े हजारों श्रद्धालु

जयपुर (कासं)। हनुमान महोत्सव समिति की ओर से रविवार शाम को विद्याधर नगर सन एंड मून प्रांगण स्थित हनुमान मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। हजारों की संख्या में महिला-पुरुष और युवाओं ने बारिश के बाद सुहावने हुए मौसम में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया।

हनुमान चालीसा पाठ से पूर्व संत प्रकाश दास महाराज ने मेरा भोला है भंडारी...., महादेवा तेरा डमरु बाजे... अमलिडो अमलिडो...., जैसे भजन सुनाकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। लोगों ने ताली बजाकर भजन में पूरा साथ दिया। हनुमानजी महाराज और जामवंतजी महाराज के स्वरूप भजन के दौरान नृत्य किया। प्रकाश दास महाराज ने भजनों के बाद देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को देश प्रेम से ओतप्रोत कर दिया।

प्रताप्पुरी महाराज ने प्रतिदिन हनुमान चालीसा पाठ पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सब ऋषियों की संतान हैं। हम विश्व गुरू थे। पूरे विश्व को मानवता का संदेश देने वाले हमारे ऋषि थे। इसलिए हमे हिन्दू होने पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से आव्हान किया कि वे शिखा और सूत्र जैसे धार्मिक चिन्ह और धर्म को धारण करें। राष्ट्र के लिए जीने का संकल्प लें। इस मौके पर मंच पर महंत रामसेवक दास, प्रताप्पुरी महाराज, रामबालक दास महाराज, बालमुकुंदाचार्य जी महाराज, चेतन दास महाराज, साध्वी तरुणा, प्रेमानंद

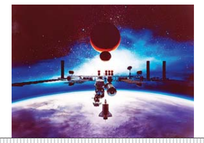

Space Exploration Day

The 20th century was a time of extreme growth in technology and science on scales large and small, not the least of which was planet-wide interest in space. Society has benefited from space exploration in a variety of ways, including health and medicine, communication, consumer goods, information technology, transportation and so much more. Space Exploration Day is the perfect time to show some appreciation for and celebrate the advances that the world has gained through the exploration of space!

#MIND-GAME

International Chess Day

Intro: Chess is one of the ancient games with a combination of sport, scientific thinking, and elements of arts.

Chess is a game of strategy and wits. It has long been considered to be the thinking game. It is a wonderful game to play anytime, anywhere, and with almost everyone. International Chess Day is celebrated on 20 July annually.

Chess is one of the ancient games with a combination of sport, scientific thinking, and elements of arts. As we know that sports have helped humanity to survive in times of crisis by improving mental health and reducing anxieties.

Since ancient times Chess is a popular game and played around the world. With time Chess game and their rules are evolving. It became the game of classes. Only the upper class could afford this challenging game in a long way. However, the merchandise class later introduce this game to the rest of the population while travelling around the world.

History

Chess was invented in Northern Indian Subcontinent during the Gupta period (319 - 543 CE). At that time it was named as "Chaturanga". No doubt this is one of the oldest games of the era. Then this game spread to Persia.

When Persia was conquered by the Arabs, Chess became an important part of the life of the Muslim population and from there it spread to Southern Europe. In Europe, Chess evolved in its current form. And later on, it takes the shape of the modern game

Now the game became more popular. Various Chess tournaments are held with exciting new variations. Further, the timing mechanism was also introduced in the game in 1861 with effective rules and charismatic players.

In the eighth Summer Olympic Games in Paris, France on 20 July, 1924, FIDE that is World Chess Foundation was established. And from 20 July, 1966, International Chess Day started celebrating to honour the founding of FIDE.

To celebrate International Chess Day on 20 July was proposed by UNESCO. All over the World now Chess tournaments are held. In 1851 in London, the first modern chess tournament was held and it was won by German Adolf Anderssen.

About Chess Game

In a chess game, two opponents go head to head with 16 playing pieces each. These pieces include eight pawns, two rooks, two knights, two bishops, one queen, and one king in each colour. Their main objective is to capture the opponent's king via a series of strategic moves.

The universal appeal of chess lies in the fact that it is an affordable and inclusive activity that can be conducted and exercised anywhere across the barriers of language, age, gender, physical ability or social status. Chess combines sport, scientific thinking and elements of art beautifully into an ancient sport of testing our intellectual abilities and is a reflection of the socio-cultural development of humanity over centuries.

According to UN, "Chess is a global game, which promotes fairness, inclusion and mutual respect, and noting in this regard that it can contribute to an atmosphere of tolerance and understanding among peoples and nations."

Facts related to Chess game

- Chess is a mental game and it can also end as quickly as two moves.
- The longest game of chess is possible and that is 5,949 moves.
- The "checkmate" word is derived from the Arabic word namely "shah mat" which means "The king is dead".
- In 1280 in Spain, the new move was introduced where the pawn could move two steps instead of one.
- Do you know for the most time a German Dr. Emanuel Lasker retained the Champion title that is for 26 years and 337 days?
- In 1090 in Europe, the modern chessboard that we see today was the first time appeared.
- In 1125, the folding chessboard was invented.
- The players in their first year are known as "Rookies".
- In 1951, Alan Turing developed the first computer program for playing chess.
- Chess is also known as the "Game of Kings" as earlier in the past, it was just played by the Nobel and Kings.
- A chess match between Ivan Nikolic and Goran Arsovic in Belgrade in 1989 ended with a draw in the game. It was recorded as the longest official check game and lasted 269 moves.

Towards the end of World War II, when the Germans were defending north-central Italy, the 1/2 Punjab was constantly engaged in operations. My father's Battalion fought notable actions and it was in early spring of 1945 that the final thrust was under-taken from the Lamone river to secure the German held line on the Idice river that was christened by the Germans as the Dschingis Khan-Linie (Ghengis Khan Line). Military men are conditioned to place great faith in fate and testimony to this is not only because it took me 72 yrs to discover a glorious chapter in my family's history

A Pilgrimage of Discovery (...1)

Lt Gen Aditya Singh (Retd)
Deccan Horse Veteran

#BATTLEFIELD

While we were locked down, the 75th anniversary of the victory in the Idice River battle in which India's senior-most battalion – 1/2 Punjab – fought during World War II in Italy quietly passed by on 20 April. India's Official History of the Second World War (1939-1945) has recorded it thus: "This was the Battalion's finest effort and a glorious hour of trial." It was a triumph over all odds and a major action that led to Germany's surrender in Italy.

The Chambers Dictionary describes the word 'pilgrimage' as a 'journey to a shrine or other holy place or place venerated for its association'. There is also an element of the paranormal. There are periods in life when it is decreed for events to fall into place and produce the surreal.

Military men are conditioned to place great faith in fate and my experiences of last year are testimony to this not only because it took me 72 years to discover a glorious chapter in my family's history but also because in doing so I realised that lessons of this battle are relevant even today.

A background is necessary. I am a fourth-generation army officer with a military lineage that dates back to 1859. My grandfather was a Subedar Major of his Battalion for the entire period in France during World War 1. My father, Maj Gen Thakur Mahadeo Singh was commissioned into 1st Battalion, 2nd Punjab Regiment (or 1/2 Punjab), India's senior-most Battalion, in 1928.

He initially saw active service in Waziristan and with onset of World War II, he was deployed in Iraq and thereafter served with the 8th Army in North Africa. After the battle of El Alamein, he was deputed for the Staff Course at the Staff College in Quetta and on its completion, retained there as an instructor.

After his tenure as Instructor Staff College, he re-joined 1/2 Punjab in Italy as the Second-in-Command in August 1944. He took over command on 20 November 1944 as its first Indian Commanding Officer (CO). He was thus one of the first Indians to command an active unit in the European theatre. While in command, he was awarded the Distinguished Service Order (DSO), the second highest award for military gallantry.

Adriatic Cruise

I joined the Army in 1967 and have always proudly displayed our family medals. A retired friend from the British Army, on seeing the DSO, obtained for me in 1993 a copy of the Citation for this award from Whitehall, the UK Ministry of Defence (MoD) strategic tri-service headquarters in London. For me, it was a special document as it listed major operations during his WWII command.

Last year, a close friend of mine and I, along with our wives planned an Adriatic cruise. Something made me ask my elder sister, brother and his wife to come along with us. They agreed. The five of us then planned to undertake a tour of Italy after the cruise.

I remembered my father's citation and when working out the itinerary, decided to set aside one day to visit the battlefields mentioned in it. With all the planning for the trip, there was very little time to obtain other details.

Whilst in Italy, I contacted Col Rohit Teotia, our Military Adviser in the Indian Embassy, to seek his advice. He put me in touch with Dr Daniel Cesaretti, a dentist in the Principality of San Marino within Italy. I could not have asked for better godsend. Dr Cesaretti's hobby is the study of the operations of the Indian Army in Italy during World War II. On seeing the Citation, he was most forthcoming and immediately provided all the maps and write-ups.

I was amazed and queried him as to their source. He replied it was from the 'Official History of the Indian Army in World War II', a Ministry of Defence publication. It put me to shame. Here was I, a senior retired officer from India, desirous of visiting WWII battle sites and not aware of this reference. Trust destiny to intervene and make up the shortfall.

We planned for this trip from Rome. The places mentioned in the Citation were South and South-East of Bologna some 430 km away. We had

Army Form W.3121
Date recommendation passed forward

Brigade 10 Ind Division Corps
Schedule No. (To be left blank)
Unit 1/2 PUNJAB
Rank and Army or Personal No. S/Capt WS/Major T/Lt Col IA 561
Name MAHADEO SINGH (Christian names must be stated)

Received	Passed
Brigade	6 June 45
Division	
Corps	
Army	

Action for which commended (Date and place of action must be stated)	Recommended by	Honour or Reward	(To be left blank)
This officer has commanded his Bn with skill and distinction during the campaign this year. At ALBERETO, and again at PIDEURA in December last he led his Bn successfully in hard fought actions. This final battle was the attack by his Bn on the strongly defended IDICE river near MEZZOLARA. Here, following a fast pursuit, the enemy chose to stand. Fighting was hard and casualties heavy but the Bn, ably directed and controlled by Lt Col MAHADEO SINGH, was able to take and hold the river crossing. Throughout this action Lt Col. MAHADEO SINGH displayed gallantry of a very high order.	Major General Commanding 10 Ind Div	PERIODIC D.S.O.	D.S.O 13/12/45

Previous Awards Nil.

43251

P.T.O.

Mahadeo Singh's DSO citation.

one day – 1 July 2019 - to visit these. The excellent Italian rail system could get us there in two hours, the minor deterrent being the high last-minute fares, Lira 125 for each of us.

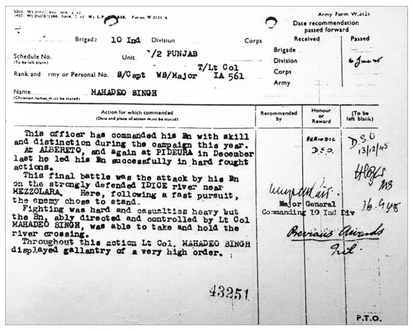

The next challenge was to hire a van for the 250 km drive with an English-speaking driver. With the tourist season on, this was insurmountable. Dr Cesaretti once again came to the rescue. He suggested I hire a car from Bologna Railway Station. I did so online, the night before. It was a bold decision because I had last driven in Europe as a 24-year-old in 1971, i.e. 48 years ago. The pilgrim's progress was thus on.

The five of us took the train from Rome. The salesman at the car rental counter had never seen a Gurgaon driving licence and was sceptical. Here too luck intervened as my sister-in-law, who is a US citizen, was carrying her driving licence and agreed to register as a co-driver. We were thus able to set off on our adventure by early afternoon.

> In 1944, 1/2 Punjab was a part of 10th Indian Division with the British 8th Army in this theatre and was constantly engaged in operations. These continued after my father took command in November 1944 with brief periods of respite. The Battalion fought notable actions at Pideura, Faenza and Albereto all listed in the Official History.

Official History

The Allies had landed in Italy in late 1943 and Rome was captured by the summer of 1944. Mussolini was overthrown and the Germans took charge of the theatre. The mountain ranges running East to West across Italy provided ideal defence lines for the Germans. By the winter of 1944, the Germans were holding positions in the hilly region about 70 km South of Bologna. To the Northwest lay the Po River plains.

In 1944, 1/2 Punjab was a part of 10th Indian Division with the British 8th Army in this theatre and was constantly engaged in operations. These continued after my father took command in November 1944 with brief periods of respite. The Battalion fought notable actions at Pideura, Faenza and Albereto all listed in the Official History.

It was in early spring of 1945 that the final thrust was undertaken North-westwards from River Lamone to secure the German held line of Idice River that was christened by them as the Dschingis Khan-Linie (Ghengis Khan Line).

The major battle was from 17 to 21 April 1945, as depicted on Map 1. The objective was to break through the Ghengis Khan Line and secure the plains of River Po and then advance towards Padua and Venice.

This was a German defence line in northern Italy parallel with the 'Grün-Linie' and extending to the east from Bologna to Lake Comacchio, designed to check the Allied advance toward the southern approaches to Austria (1944/April 1945).

The Idice River was a part of this defensive line and strongly held by the Germans. The 10th Indian Division was tasked to secure crossings across the river. This attack commenced at 22:00 hours on 19 April 1945 with 1/2 Punjab in the vanguard.

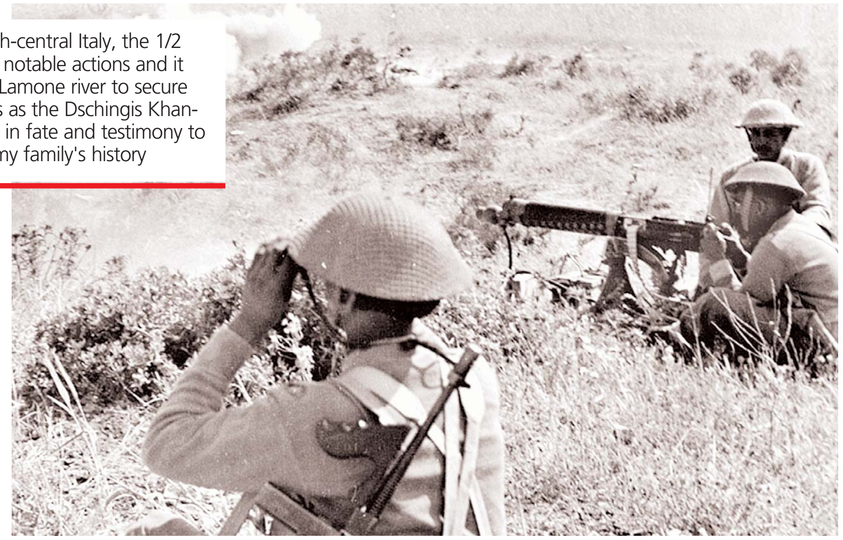

The start line was Florentine and the Battalion was first tasked to advance and captured the village of ll Cassino. Thereafter, it was to go North and secure a crossing over the Idice River at Lupara. 1/2 Punjab fought through the night and captured Il Cassino by 06:00 hours on 20 April 1945.

While consolidating after battle at Il Cassino, orders were received at 09:20 hours that the objective was changed and the Battalion was now to capture the rail and road bridges South of Mezzolara "at the earliest and at any cost". 'No plan survives the first shot' is an old military adage, but to suddenly be told that the objective has been shifted from a relatively obscure site to two very strongly held bridges must have come as a shocker.

Ditch-cum-Bund

The Idice River is 100 meters wide. It comprises of a 10m deep river which is about 30m across. On either side are 15m wide floodplains protected by 8m high and 20m wide embankments. Anyone in the Indian Army will find it familiar as the classic 'ditch-cum-bund', or DCBs which were constructed as formidable defence lines in Punjab in late 1960s and form part for the obstacle network on both sides of the Indo-Pak border even today.

To the physical obstacle, gradients, thick foliage, water, slush, would be added mines and wire. The high embankments provide for ideal defensive positions with vast fields of fire. It is something that only an actual site visit can reveal. Even a satellite image of the crossing site today does not really bring out what 1/2 Punjab was confronted with.

Photograph taken on a peaceful summer day cannot reveal the defence potential and difficulty anyone would have in securing the strongly held river and both bridges. Nevertheless, some images are necessary to understand what it must have been.

While standing on the near bank bund with a vista of the open Italian countryside on a glorious summer day, I tried to visualise what must have been churning in my father's mind on receipt of the changed orders at the village of Il Cassino some 1800m from the Idice River 75 years ago.

To be continued...

writetoarbit@rashtradoot.com

----

*Lt Gen Aditya Singh, PVSM, AVSM** (Retd) is an alumnus of Mayo College, Ajmer, the National Defence Academy and National Defence College, New Delhi. A fourth-generation Army Officer, he was commissioned into The Deccan Horse, in 1967. He is a graduate of Staff College, Camberly (UK). He was Commander-in-Chief of the Andaman and Nicobar Tri-Service Command post the tsunami of Dec 2004 and thereafter commanded the Southern Army till his retirement in 2007. He later served as member of the NSAB.*

View and field of fire from the near bank bund. In 1945, the trees in the distance would have been saplings. The railway line on the embankment is to the left.

#CYCLING

Riding In The Rain

These wet season routes take on Himalayan mountain passes, weave through Assam's vast tea estates and amble along strawberry fields of Mahabaleshwar

The monsoons are finally here, and while enjoying the wet season window-side with a hot cuppa is classically comfortable, cool breezes and refreshing rain call out to cyclists-urging them to hop on their rides and pedal across India's bounty of picturesque routes.

Enthusiasts can make a day of zipping along Goa's coastline or the woodlands of Panchgani and Mahabaleshwar; whereas diehard bicyclists can opt for week-long odysseys during the rains, tackling the valleys of Arunachal and Himachal, the cultural sites of Rajasthan and the extreme terrain that winds from Manali to Leh.

Manali to Leh

Duration: 12-14 days (approximately 479 km)
When: 26th August-9th September
Bicycles offered: Mountain or hybrid bikes
The route: Including camping and river rafting options, this epic cycling journey takes you through heady Himalayan mountain passes-Rohtang La, Baralacha La, Nakee La, Lachung La and Tanglang La. You'll also pedal past the beautifully blue Bhaga and Indus rivers and Pangong and Tso Kar lakes.

If you're not an advanced rider, training beforehand is highly recommended in order to conquer the challenging terrain with the added hurdle of potentially torrential rain.

Properly acclimatising is also necessary, no matter what level of rider you are. It is all worth it once you get to the erstwhile highest mountain pass in the world, Khardung La, and drink in the vast views.

Shimla to Manali

Duration: 11-13 days, depending on the route (approximately 650 km)
When: During the entire monsoon season
Bicycles offered: Mountain, hybrid or gravel bikes
The route: Himachal Pradesh's Spiti Valley can be navigated via a variety of engaging routes. The recommended course is from Shimla to Manali, with respective stops at Kalpa, Nako, Kaza and Chandra Tal, crossing over the Kunzum La mountain pass.

Keep your camera phones charged so you can click shots of the tranquil tones of turquoise that paint the lakes of Chandra Tal and Suraj Tal.

Other highlights include a menagerie of Buddhist monasteries such as Kye, Tabo and Dhankar that riddle the serene route to Spiti Valley.

Pan Rajasthan Tour

Duration: 10 days, depending on the route (approximately 600 km)
When: During the entire monsoon season
Bicycles offered: Mountain bikes
The route: Rajasthan proffers the perfect blend of history and idyllic rural riding. Tours typically start from Udaipur to Ghanerao, before you pedal through the tribal areas and hills in Bera, perfect for stops to soak in the ample local wildlife.

You can continue on to Rohet, through the Bishnoi villages, ultimately en route to Jodhpur. If you want to keep on going, Khejarla and Jaipur are the next stops, further revealing Rajasthan's majestic lakes, wildlife, and ways of life.

So whether you're after an intercity trail or a fully-customisable grand tour through the state's heartland, Rajasthan is ready for keen riders.

Mumbai to MalshejGhat

Duration: 1-2 days, depending on route (approximately 90-115 km)
When: During the entire monsoon season
Bicycles offered: Hybrid or gravel bikes
The route: The two recommended routes are loops that both start and end in Mumbai. The eastern loop takes riders through Murband, Mhasa, Dhasai, Vaishakhare and Saralgaon, while the western loop, or Konkan route, passes through Dolkhamb, Shiroshi and Tokwande.

The hill-station pass of MalshejGhat is known for its streaking silver and white waterfalls and alluring wildlife, from leopards and tigers to peacocks and rabbits.

Bengaluru to Kollur

Duration: 8 days (approximately 300 km)
When: During the entire monsoon season
Bicycles offered: Hybrid bikes
The route: Start off in Bengaluru and ride through Sakleshpur, Mudigere, Devaramane and Kalasa across undulating roads. Along the ghats stop at Kudremukh National Park for a short trek; Maravanthe Beach is also recommended for regional delicacies such as prawn gassi, as is the Udupi District town of Kollur, your final destination.

Goa

Duration: 3 hours, depending on each route (approximately 15-18 km)
When: During the entire monsoon season
Bicycles offered: E-bikes
The route: Blive E-bike tours takes riders on a southern trail in Cansaulim, along Velsaolake and Velsao-Dando bridge, passing one of the finest viewpoints of South Goa, Three Kings Chapel. Other Goa-based tours under their banner include exploring Divar Island or Panjim, weaving in wildlife and culture into an afternoon of cycling.

Panchgani to Mahabaleshwar

Duration: 2-3 hours (approximately 44 km)
Bicycles offered: Mountain bikes
When: During the entire monsoon season
The route: If you are looking for a leisurely ride that lets you enjoy a combination of pavement and off-road trails, this course explores secluded strawberry farms with forests bowering the way forward.

There isn't just one specific trail to follow, however starting in Panchgani and cycling through the Bhilar village of Mahabaleshwar generally boasts the least amount of traffic.

Panchgani to Mahabaleshwar.

THE WALL

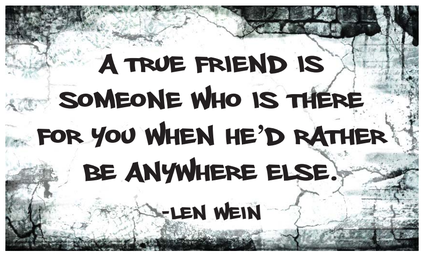

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

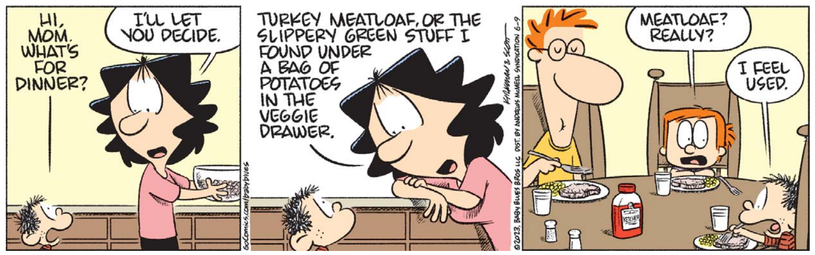

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

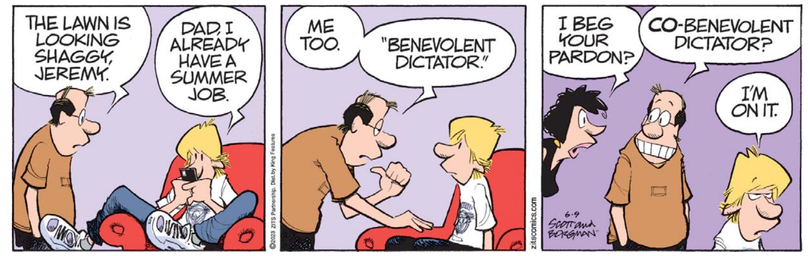

विधायक नरेन्द्र बुडानियां के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट हुए

तारानगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस में दो फाड़ सामने आई

तारानगर, (निसं)। तारानगर में रविवार को कांग्रेस दो भागों में दिखाई दी, तो वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वर्तमान कांग्रेस विधायक नरेन्द्र बुडानियां के खिलाफ एकता का प्रदर्शन कर हजारों की संख्या में तारानगर मुख्य बाजार स्थित गढ़ के आगे पहुंच कर शक्ति का प्रदर्शन किया। तारानगर विधानसभा से स्थानीय व्यक्ति को कांग्रेस की टिकिट मिले की मांग को लेकर गढ परिसर के आगे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनफूल कस्वां ने की तो मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री बनवारीलाल सुणीयां थे।

सम्मेलन में आये हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं व आमजन को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेसी कमेटी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि क्या तारानगर विधानसभा की भूमि पर ऐसा कोई व्यक्ति पैदा नहीं हुआ जो तारानगर का विधायक बन सके? अब आने वाले समय में तारानगर का निवासी ही विधायक बनेगा यह आज यहां की जनता ने तय कर लिया है। वर्षों से तारानगर की जनता व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय व्यक्ति को उम्मीदवार बनाये जाने की मांग रखी लेकिन इस बार तारानगर की जनता ने एक ही मानस बना लिया है कि अभी नहीं तो कभी नहीं।

- **'अब आने वाले समय में तारानगर का निवासी ही विधायक बनेगा यह आज यहां की जनता ने तय कर लिया है'**

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए खादी एवं ग्रोमोद्योग बोर्ड महासचिव महासिंह सिहाग ने वर्तमान विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विकास की गंगा की धारा तारानगर की ओर भी भेजी लेकिन यहां पर विधायक बुडानियां के कारण वो धारा भ्रष्टाचार, बेईमानी, दलाली, कमिशनखोरी के नीचे दब कर रह गई। सिहाग ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक विधानसभा के विकास कार्यो के लिये 500 करोड़ रूपये खर्च करने की अनुमती मिली थी लेकिन विधायक बुडानियां ने किसी प्रकार की योजना बनाकर मुख्यमंत्री गहलोत को नहीं भेजी। जबकि विधायक बुडानियां को विधायक निधि में प्रतिवर्ष 5 करोड़ रूपये मिलते है लेकिन केवल 31 प्रतिशन राशि ही खर्च हुए बाकी राशि खर्च ही नहीं हो पाई। सिहाग ने कहा कि बुडानियां ने सिर्फ झूठी वाहवाही लूटने का काम किया, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया, यदि उनसे कोई सवाल पूछे तो उनपर एफआईआर दर्ज करवा दी जाती है।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए धीरवास परिवार से कांग्रसी नेता व पूर्व जिला परिषद सदस्य नरेश सहारण ने कहा कि धीरवास परिवार ने हमेशा तारानगर तहसील की सेवा की है और आगे भी सेवा करेगा, आज हम सब ने यह तय किया है कि तारानगर का विधायक स्थानीय व्यक्ति ही हो। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नरेन्द्र दूत ने कहा कि विधायक नरेन्द्र बुडानियां ने किसानों को झूठे सब्जबाग दिखाए, झूठे आश्वासन दिये, नहर का रकबा नहीं बढाया और पूरी तरह से किसानों के हितों को दरकिनार किया है। सम्मेलन को पूर्व पीसीसी सदस्य व कांग्रेसी कमेटी शहर अध्यक्ष पुष्करदत्त इन्दौरिया, पूर्व कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष च्यानणमल गोदारा, पूर्व प्रधान जयसिंह मेघवाल, बाबुखां भालेरी, काशीराम सोलंकी, युवा कांग्रेसी नेता मनोज लाटा, जयदेव सहारण धीरवास ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष मनीराम व्यास, तारानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष शिवभगवान जोशी, थानाराम सैनी, इदरीस बिसायती, सुमेर सैनी, अनिल शर्मा मेडिकल, मुस्लिम कमेटी सदर आमीन भट्टी, निर्मल दुदानी, शम्भूदयाल कन्दोई, प्रेम बेनीवाल, पूर्व चेयरमैन याकुब भुट्टा, अफजल तेली, जगदीश भार्गव, गोविन्द शर्मा गिल, रतनपुरा सरपंच मुकेश शर्मा, पूर्व सरपचं खरतवासीया भानीराम , अलायला पूर्व सरपंच धर्मपाल सहारण, नायक समाज अध्यक्ष राजेन्द्र डगला, सन्तोष पाण्डिया, सुरजीत वर्मा, हुकमाराम मेहरासर उपाधियान सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

'राज्य में कानून व्यवस्था लचर, विधायक भी सुरक्षित नहीं'

श्रीगंगानगर, (निसं)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था लचर है। आम आदमी तो क्या तो विधायक तक भी सुरक्षित नहीं है। वे रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए थे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश में जो हालात हैं, उसके बारे में हम कुछ गलत नहीं कह रहे हैं, खुद सरकार के मंत्री ही और विधायक ही इस पर सवाल उठा रहे हैं।

- **केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुये**
- **'प्रदेश में जो हालात हैं, उसके बारे में हम कुछ गलत नहीं कह रहे हैं'**

उन्होंने ओसियां से विधायक दिव्या मदेरणा का जिक्र करते हुए कहा कि दिव्या मदेरणा ने विधानसभा में ही कह दिया कि उसके दोनों ओर दो गनमैन रहते हैं, इसके बावजूद वे सुरक्षित नहीं है। ऐसे में सरकार के विधायक और मंत्री ही सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में महिलाएं भी सुरक्षित नहीं है, अन्य कोई भी सुरक्षित नहीं है।

इससे पहले भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपालसिंह के पदभार ग्रहण समारोह में संबोधित करते हुए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कौशांबी की महिला दुर्गा के बारे में बताते हुए कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में कई ऐसे लोग हैं, जिनके बारे में लोगों को बहुत कम जानकारी है।

उन्होंने गुरुनानक देव के कपिल मुनि की तपोभूमि कोलायत प्रवास के दौरान हुए प्रसंग के बारे में बताया। उन्होंने एक भजन सुनाते हुए जिलाध्यक्ष शरणपालसिंह से कहा कि आपके पदभार ग्रहण समारोह में ही गुरुनानक देव और सिख गुरुओं की बात हुई है। ऐसे में आप निश्चिंत होकर काम करें। आपका कार्यकाल लंबा चलेगा। पदभार ग्रहण समारोह में संबोधित करते हुए भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि पार्टी ने दायित्व बदला है लेकिन जिम्मेदारी हर कार्यकर्ता की है। हर कार्यकर्ता को प्रयास कर पार्टी को आगे ले जाना है।

जिलाध्यक्ष शरणपालसिंह ने कहा कि पार्टी ने उन्हें इस जिम्मेदारी के लायक समझा यह हर कार्यकर्ता का सम्मान है। कार्यकर्ता अगर मन से पार्टी के लिए काम करेगा तो पार्टी उसे आगे जरूर बढ़ाएगी। निवर्तमान जिलाध्यक्ष आत्माराम तरड़ ने अपने कार्यकाल के अनुभव और कार्यकर्ताओं के सहयोग के बारे में बताया।

वक्ताओं ने कहा कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह को पार्टी ने जिम्मेदारी दी है और सभी कार्यकर्ता उनके साथ लगकर प्रदेश से मिलने वाले सभी कार्यक्रमों का सही तरीके से क्रियान्वयन करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्रपालसिंह टीटी, विधायक संतोष बावरी, बलवीर लूथरा, पूर्व विधायक अशोक नागपाल, डॉ.ओपी महेंद्रा, गुरजंटसिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्रसिंह सोढ़ी, बहादरचंद नारंग, जिला महामंत्री प्रदीप धेरड़, महिला मोर्चा की विनीता आहूजा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के रमजान अली चोपदार सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

3360 लीटर डीजल के साथ एक युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के लालगढ़ जाटान थाना क्षेत्र में सीओ ग्रामीण और उनकी टीम ने एक व्यक्ति को 3360 लीटर डीजल के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी यह डीजल पंजाब से लेकर आ रहा था। पुलिस को इसकी जानकारी मिलने पर इस रोड पर जीप को रोक लिया गया। पुलिस को देखकर ड्राइवर घबरा गया और जीप में लदे डीजल के बारे में कोई जवाब नहीं दे पाया। इस पर उससे थाने लाकर पूछताछ शुरू की गई है।

सीओ ग्रामीण अमरजीत चावला को इलाके में डीजल की तस्करी होने की सूचना मिली थी। पंजाब से भारी मात्रा में डीजल लाने का पता लगने पर उन्होंने इस बारे में जानकारियां जुटाई। इस दौरान एक व्यक्ति के ड्रमों में डीजल भरकर पंजाब से लालगढ़ जाटान होते हुए श्रीगंगानगर में प्रवेश करने का पता लगा। पुलिस ने बनवाली रोड पर जाब्ता लगाया और आरोपी को जीप सहित धर दबोचा। आरोपी पुलिस को देखते ही घबरा गया। जब उससे इस बारे में जानकारी चाही तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

- **अवैध रूप से पंजाब से ला रहा था, सूरतगढ़ का रहने वाला है ड्राइवर**

उसने पुलिस को बताया कि वह यह डीजल पंजाब से भरकर लाया है। उसके इसे बेचने अथवा खेतों में उपयोग करने के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी रमेश कुमार पुत्र मेघाराम सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र के चक सात एसजीआरबी का रहने वाला है। श्रीगंगानगर के मुकाबले पंजाब में डीजल और पेट्रोल करीब दस रुपए सस्ता होने और पंजाब से श्रीगंगानगर की दूरी महज साता किलोमीटर होने के कारण पंजाब से बड़ी मात्रा में इलाके में डीजल की तस्करी होती है।

महिला से मारपीट, केस दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के शंभुगढ़ थाना क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा दंपती से अभद्रता कर मारपीट और परेशान करने के मामले में समझौते के लिए देवस्थल पर जमा लोगों में से कुछ लोगों ने महिला से मारपीट कर दी। इसे लेकर पुलिस ने केस दर्ज किया है। शंभुगढ़ पुलिस ने बताया कि गणेशपुरा, शंभुगढ़ निवासी रूकमा पत्नी शंकरलाल बागरिया ने छगनलाल पुत्र लाल बागरिया निवासी बेरण, देबीलाल पुत्र तुलसीराम बागरिया शम्भूगढ, अम्बालाल पुत्र दोला बागरिया मालासेरी, हरदेव पुत्र अम्बालाल बागरिया मालासेरी, मेवा पुत्र अम्बालाल बागरिया मालासेरी, पारसी देवी पत्नी मेवाराम बागरिया, कैलाशी देवी पत्नी हरदेव बागरिया, शान्ति देवी पत्नी छगनलाल बागरिया बेरण, सीमा देवी पत्नी देवीलाल बागरिया, मोहनी देवी पत्नी देबीलाल बागरिया निवासी शम्भूगढ़ के खिलाफ रिपोर्ट दी।

बुजुर्ग के हत्यारों का सात दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

सुरास गांव में लूट के दौरान एक बुजुर्ग की मौत का मामला

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के रायपुर थाना क्षेत्र के सुरास गांव में लूट के दौरान एक बुजुर्ग की विगत रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि को हत्या कर उनकी पत्नी को घायल कर दिया था। बढ़ती वारदातों से गुस्साये ग्रामीण कातिलों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्टेट हाइवे 76 पर जाम लगाकर धरने पर बैठ गए थे। जाम और प्रदर्शन 36 घंटे चला।

इसके बाद पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू की समझाइश पर ग्रामीण शव का पोस्टमार्टम कराने और शव लेने के लिए राजी हुए। इसके साथ ही स्टेट हाईवे पर लगा जाम खोल दिया गया था। 36 घंटे से चल रहा प्रदर्शन भी समाप्त हो गया। मौके पर पुलिस के आला अधिकारियों के साथ ही पांच थानों का पुलिस जाब्ता तैनात रहा। अब इस घटना को सात दिन का वक्त बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ ख़ाली है। पुलिस आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा पाई है।

जानकारी के अनुसार सुरास निवासी प्यारचंद पुत्र छोगा कुमावत व उनकी पत्नी अणछी देवी मकान में अकेले ही निवास करते हैं। उनके दो बेटे हैं, जो अहमदाबाद में रहकर मजदूरी करते हैं। 16 जुलाई की रात रोजाना की तरह प्यारचंद बरामदे में जबकि पत्नी अणछी कमरे में सो रही थी। घर के दरवाजे अंदर से बंद थे। रात एक से दो बजे के बीच बदमाशों ने पीछे का दरवाजा तोड़कर मकान में प्रवेश किया। इन बदमाशों ने प्यारचंद पर हथौड़े जैसे हथियार से हमला किया, जिससे सिर में गंभीर चोट आई। मौके पर ही प्यारचंद की मौत हो गई। तीन बदमाश उस कमरे में घुसे जहां अणछी सो रही थी।

बदमाशों ने अणछी की झुमकियों को खींच कान तोड़ दिये। गले से रामनामी व मांदलिया छीन लिया और मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई। बदमाशों ने आलमारी से भी जेवरात और रुपये लूट लिये। अणछी को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस संबंध में मृतक के भतीजे की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।

उधर, रायपुर इलाके में बढ़ती वारदातों से गुस्साये ग्रामीणों ने कातिलों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सोमवार सुबह रायपुर में स्टेट हाइवे 76 पर जाम लगा दिया था और धरने पर बैठ गए थे। मंगलवार को 36 घंटे बाद पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू द्वारा ग्रामीणों के साथ समझाइश पर ग्रामीण व परिजन सहमत हुए। शव का पोस्टमार्टम हुआ। शव अंतिम संस्कार किया गया था। अब तक कातिलों का कोई पुख्ता सुराग पुलिस के हाथ नहीं लग पाया है।

एक माह पूर्व बनी आर.सी.सी. सड़क में आई बड़ी दरारें

श्रीगगानगर, (निसं)। जिले के घमंडिया गांव में एक माह पूर्व बनी आरसीसी सड़क में जगह-जगह दरारें आ जाने पर ग्रामीणों ने ठेकेदार पर लापरवाही व घटिया सामग्री बरतने का आरोप लगाते हुए साइड पटड़े का काम रुकवा दिया। आरसीसी सड़क के निर्माण हुए महज एक माह हुआ है कि सड़क जगह जगह से टूटनी शुरू हो गई है।

वहीं, ठेकेदार द्वारा आरसीसी सड़क के साइड का पटड़ा बाधने के लिए मिट्टी युक्त पत्थर डालना शुरू किया तो ग्रामीणों ने स्थानीय सरपंच रामकुमार गोदारा को बुलाकर पटड़ा बांधने का काम रुकवा दिया। सरपंच गोदारा, भूपसिंह जाखड़, मदन जाखड़, पाला बिश्नोई, राजू मूंड, सेठी बेनीवाल, मांगीलाल बेनीवाल, महेंद्र गीला व साहबराम जाखड़ ने बताया कि ठेकेदार ने आरसीसी रोड में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया है।

आरसीसी सड़क की तराई भी नहीं हुई जिससे सड़क से बजरी, सीमेंट आदि सामग्री उखड़ने लगी है। ग्रामीणों ने बताया कि 10-10 फीट की दूरी बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। ग्रामीणों ने पीडब्यूडी विभाग के एईएन पर आरोप लगाते हुए कहा कि दूरभाष पर शिकायत की परंतु कोई सुध नहीं ली। ग्रामीणों के रोष के चलते शाम को पीडब्यूडी सूरतगढ़ के एईएन व जेईएन आरसीसी सड़क का जायजा लेने पहुंचे। ग्रामीणों के बीच एईएन ने साइड पटड़े पर डाला जा रहा मिट्टी युक्त पत्थर को अस्वीकार किया। संजय अग्रवाल, एक्सईएन पीडब्यूडी का कहना है कि मिट्टी का उपयोग अधिक है जिसे हटाकर पीली बजरी का पटड़ा तैयार करवाएंगे। वहीं, सड़क में आई दरारों में डामर भरने का आश्वासन दिया है। आरसीसी सड़क के घटिया निर्माण की एईएन व जेईएन को भेजकर जांच करवा लेते हैं।

तस्करी के आरोप में दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। नशीला पदार्थ मैफेड्रोन (एमडी) की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों को कोतवाली पुलिस ने अदालत में पेशकर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। जांच अधिकारी कोतवाल देवेंद्र राठौड़ ने बताया कि आरोपी प्रवीण चौधरी और सन्नी गोस्वामी को 285 ग्राम एमडी तथा 5 जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा था। दोनों युवक पैसे लेकर तस्करी करने को यहां तक पहुंचे थे। इस नशे की मात्रा को श्रीगंगानगर भिजवाने वाला और खरीदने वाले अलग लोग हैं।

उल्लेखनीय है कि पुलिस चौकी मीरा चौक के प्रभारी रामविलास बिश्नोई और उनकी टीम ने इन दोनों युवकों को पकड़ा था। ये दोनों इस 40 लाख रुपए के नशे को श्रीगंगानगर तक पहुंचाने को 50 हजार रुपए मजदूरी तय करके यहां आए थे। दोनों युवकों की आपराधिक पृष्ठभूमि का भी पता लगाया जा रहा है।

घग्घर नदी का पानी पहुंचा गांव 75 जीबी, किसानों को लाभ मिलेगा

अनूपगढ़, (निसं)। किसानों के लिए राहत भरी खबर है कि रविवार सुबह 9 बजे घग्घर नदी का पानी गांव 75 जीबी पहुंच चुका है। घग्घर नदी में पानी की आवक को देखते हुए प्रशासन के साथ किसानों ने भी तैयारियां शुरू कर दी है। प्रशासन जहां एक तरफ निरीक्षण कर बंधों को मजबूत करवाने की कार्रवाई में जुटा है, वहीं किसानों ने भी अपने स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। तहसीलदार राजेंद्र चौधरी ने घग्घर बहाव क्षेत्र के गांवों का दौरा कर बंधों की स्थिति को एक बारगी फिर निरीक्षण किया। घग्घर नदी का पानी आने से किसानों को काफी लाभ मिलेगा। हालांकि घग्घर बहाव क्षेत्र में जिन किसानों ने फसलों का बिजान किया गया है। उन किसानों की फसलें भी जलमग्र हो जाएगी।

तहसीलदार चौधरी ने बताया कि सभी बंधे मजबूत करवाए जा रहे है। प्रशासन की तरफ से घग्घर नदी में पानी की आवक को देखते हुए लगातार नजर रखी जा रही है। जेसीबी मशीन व काश्तकारों की सहायता ली जा रही है। वहीं घग्घर नदी में पानी की आवक का बेसब्री से इंतजार कर रहे नाली बेल्ट के किसान भी नदी में पानी के आने को लेकर तैयार हो गए है। घग्घर बहाव क्षेत्र के किसान घग्घर नदी के पानी को पंखों से उठाकर अपने खेतों में डालेंगें। जिससे

- **किसानों को फसलों के बिजान में मिलेगा लाभ**

फसल के अच्छे उत्पादन की आस जगेगी। हालांकि घग्घर बहाव क्षेत्र में जिन किसानों ने फसलों का बिजान किया गया है। उन किसानों की फसलें भी जलमग्र हो जाएगी।

तहसीलदार चौधरी ने बताया कि आने वाले दिनों में घग्घर नदी में पानी के जलस्तर की मात्रा में बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह ही आवक में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पानी की आवक को लेकर जिला कलक्टर अंशदीप, उपखंड अधिकारी प्रियंका तलानियां ने घग्घर बहाव क्षेत्र के बंधों की स्थिति को देखा, जिला कलक्टर ने स्थानीय प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि घग्घर नदी में आने वाले पानी के कारण किसी भी तरह की जान माल की हानि नहीं हो। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सही होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में स्थानीय लोगों से मदद लेकर बंधों को मजबूत करने का कार्य किया जाए। वहीं पानी की आवक में बढ़ोतरी को लेकर उपखंड कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विभागों के अधिकारियों को पूरी तरह से अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए है।

किसान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष जसवंत चंदी ने बताया कि घग्घर नदी के पानी आने से नाली बेल्ट के किसानों को लाभ मिलेगा। किसान नरमा एवं धान की फसल को सिंचाई पानी उपलब्ध हो सकेगा। वहीं नए धान की बिजाई भी हो सकेगी। उन्होंने बताया कि घग्घर नदी के पानी आने से भूजल का स्तर उपर उठेगा,जिससे जमीनी पानी की गुणवत्ता भी अच्छी होगी।

मोहर्रम पर दरगाह में 72 घंटे के लिए खुला बाबा फरीद का चिल्ला

अलम का जुलूस आज, तलवारों से खेली जाएगी हाईदौस

अजमेर, (कासं)। दरगाह परिसर स्थित बाबा फरीद का चिल्ला मुहर्रम मिनी उर्स के मौके पर परम्परागत तरीके से 72 घंटों के लिए खोल दिया गया। चिल्ला खुलने के साथ ही अकीदतमंदों की भीड़ चिल्ले की जियारत के लिए उमड़ पड़ी।

सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह शरीफ में रहकर हजरत बाबा फरीद गंज शकर ने इबादत की थी। यही कारण है कि उनका चिल्ला यहां दरगाह में स्थित है, जिसे मुहर्रम की चार तारीख को 72 घंटे के लिए खोले जाने की परंपरा है। रविवार अल सुबह ख्वाजा साहब के आस्ताना खुलने के साथ ही बाबा फरीद का चिल्ला भी खोल दिया, चिल्ला खुलते ही देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में अकीदत के फूल पेश करने वालों का तांता लग गया। दरगाह क्षेत्र मुहर्रम की गतिविधियों से आबाद है,जहां धार्मिक परंपरा का निर्वहन हो रहा है। वहीं मुस्लिम युवक रात में हरे लिबास में ढोल ताशों के साथ मातमी धुन के साथ पैगम्बर मोहम्मद साहब के पोते इमाम हुसैन की याद को शाहदत के प्रतीक पेश कर गमगीन दिनों की याद को ताजा करते हैं।

ख्वाजा सहाब की दरगाह स्थित बाबा फरीद के चिल्ले पर लगी अकीदतमंदों की भीड़।

बाबा फरीद सर्वधर्म की मिसाल हैं। यही वजह है कि हर धर्म के लोग चिल्ले की जियारत के लिए अजमेर पहुंचते हैं। बाबा फरीद का जन्म पंजाब में हुआ, उनका सम्पूर्ण ज्ञान पंजाबी भाषा में ही प्रचारित हुआ। इसके चलते बाबा हर धर्म में लोक प्रिय हुए। सिक्खों के पवित्र गुरुग्रंथ साहिब में सिक्ख गुरुओं ने बाबा के कलामों को शामिल किया है। गुरुद्वारों में गुरुग्रंथ साहिब का जब भी पाठ होता है, तो ग्रंथियों द्वारा बाबा द्वारा लिखे कलाम बड़ी श्रद्धापूर्वक सुनाए जाते हैं, भारतीय संस्कृति में धार्मिक सहिष्णुता का यह सबसे बड़ा उदाहरण कहा जा सकता है।

पाक पटन में है दरगाह :-पाक पट्टन में बाबा फरीद की दरगाह है, जहां मुहर्रम की पांच तारीख को उर्स मनाया जाता है। उर्स में दूर दराज के जायरीन पहुंचते हैं, जो लोग पट्टन नहीं जा पाते, वे मुहर्रम के मौके पर गरीब नवाज की दरगाह पहुंच कर चिल्ले की जियारत करते हैं। यहां आने वालों में पंजाबी जायरीन की तादाद खासी रहती है। न सिर्फ मुहर्रम बल्कि सामान्य दिनों में भी पंजाबी जायरीन ख्वाजा साहब की मजार पर चादर फूल पेश करने के बाद बाहर से ही चिल्ले की जियारत कर मनौती मांगते हैं। मुहर्रम के मौके पर बाबा फरीद का चिल्ला 72 घंटे के लिए खोला जाता है।

तलवारों से खेलेंगे हाईदौस:- मुहर्रम के मौके पर 25 जुलाई को ख्वाजा गरीब नवाज की महाना छठी भी मनाई जाएगी। 28 जुलाई को जुम्मे की नमाज होगी और 29 जुलाई को ताजिये की सवारी से पहले दरगाह ढाई दिन के झौपड़े अंदर कोटियान पंचायत की सदारत में नंगी तलवारों से हाईदौस खेला जाएगा। इस्लामिक कैलेंडर की दस तारीख को ताजिये की सवारी निकाली जाएगी जो सुबह पांच बजे दरगाह के पीछे झालरे में सैराब होगी। मुहर्रम की 9 व 10 तारीख को दरगाह क्षेत्र स्थित अंदरकोट में तलवारों से हाईदौस खेलने की परम्परा है। हाईदौस अजमेर के अलावा पाकिस्तान के लाहौर में खेला जाता है। इसके लिए दी पंचायत अंदरकोटियान को जिला प्रशासन से इजाजत लेनी पड़ती है।

मुहर्रम के दौरान चांद की 12 तारीख तक ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में कव्वालियों का दौर थमा रहेगा। इस दौरान केवल कड़क्का होगा। सात मुहर्रम को शाम 5 बजे से ताजिया शरीफ पर मेहंदी पेश की जाएगी, नौ मुहर्रम को सुबह 10 बजे ताजिया शरीफ की सवारी इमामबाड़ा पहुंचेगी, दस मुहर्रम को रात्रि 10 बजे ताजिया शरीफ की सवारी इमामबाड़ा से सोलहखंभा गेट पहुंचेगी। छतरी गेट से जनाजा शरीफ की सवारी शर्की गेट होते हुए मुतवल्ली की हवेली पहुंचेगी, सुबह 5 बजे ताजिया को झालरे में सैराब किया जाएगा।

प्रकृति प्रेमियों ने पानरवा का नैसर्गिक सौंदर्य निहारा

उदयपुर, (कासं)। वन विभाग की ओर से इको ट्यूरिज्म को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दक्षिणी राजस्थान के ख्याति प्राप्त प्राकृतिक पर्यटक स्थलों का वन भ्रमण कार्यक्रम रविवार से शुरू हुआ। पहले दिन प्रकृति प्रेमियों को कोटड़ा क्षेत्र में पानरवा स्थित फुलवारी की नाल वन्यजीव अभ्यारण्य का भ्रमण कराया गया। हरियाली से आच्छादित अरावली की पहाड़ियों और प्राकृतिक जलप्रतापों को देखकर प्रकृति प्रेमी रोमांचित हो उठे।

इको ट्यूरिज्म की शुरूआत रविवार सुबह वन विभाग कार्यालय के बाहर उप वन संरक्षक (वन्यजीव) अरूणकुमार डी एवं उप वन संरक्षक यादवेंद्रसिंह की उपस्थिति में हुई। उन्होंने वन भ्रमण के लिए जा रहे करीब दो दर्जन से अधिक पर्यटकों को शुभकामनाएं दी। एसीएफ दिनेश गोढवाल भी मौजूद रहे। इसके पश्चात दो वातानुकूलित वाहनों से दल पानरवा के लिए रवाना हुआ।

मार्ग में नाल साण्डोल स्थित इको ट्यूरिज्म स्पॉट का भी लुत्फ लिया। यहां लबालब भरे एनीकट की रपट पर चलती पानी चादर और हरी-भरी पहाड़ियों के बीच कल-कल कर बहती जलराशि देखकर आनंदित हो उठे। इसके पश्चात दल आमलेटा घाटी पर पहुंचा। वहां पहाड़ियों के बीच सर्पिली सड़क से गुजरते समय भी पर्यटकों का उत्साह चरम पर रहा। पानरवा पहुंचने

- **फुलवारी की नाल वन्यजीव अभ्यारण्य में कठावली झेर पर की ट्रेकिंग**
- **दुर्लभ वनस्पति और प्राचीन कंदराएं देख हुए रोमांचित**
- **वन विभाग की ओर से वन भ्रमण कार्यक्रम की शुरूआत**

के बाद दल ने पर्यावरणविद् शरद अग्रवाल, विनय दवे तथा फोरेस्ट गार्डस् के सान्निध्य में कठावली झेर पर ट्रेकिंग की। चहुंओर हरियाली से आच्छादित पहाड़ियां और उनके बीच बहते झरनों से प्रकृति प्रेमियों के मन गद्गद् हो उठे। ट्रेकिंग के दौरान पर्यावरणविद् अग्रवाल और दवे ने कई तरह की दुर्लभ वनस्पति तथा पक्षियों से रूबरू कराया। पहाड़ी पर स्थित प्राचीन कंदराएं देखकर सभी अभिभूत हो उठे।

महराबनुमा कंदराओं के संबंध में दवे ने बताया कि पहाड़ी में लाइन स्टोन (चुना) की अधिकता के बाहर पानी के साथ यह आकार ले लेती हैं। ट्रेकिंग के पश्चात दल वन विभाग के विश्रान्ति गृह पहुंचा। वहां दुर्लभ ऑर्किड वनस्पति के उद्यान का अवलोकन किया। वहीं बाद में खाचण गांव के समीप वाकल नदी के आसपास की प्राकृतिक वातावरण का भी लुत्फ उठाया।

उप वन संरक्षक ने बताया कि वन भ्रमण की अगली कड़ी में 29 जुलाई को गोरम घाट क्षेत्र का भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इको ट्यूरिज्म स्थल फुलवारी की नाल अभयारण्य के पानरवा, रावली टाडगढ़ अभयारण्य के दूधलेश्वर, गोरमघाट व भीलबेरी वाटर फॉल, बस्सी अभयारण्य व सीतामाता अभ्यारण्य के आरामपुरा व जाखम बांध के लिए 1700-1700 रुपये, कुभलगढ़ अभयारण्य के कुंभलगढ़ व रणकपुर के लिए 1600-1600 रुपये, जयसमंद अभयारण्य के झूमर बावड़ी व बाघदर्रा के क्रोकोडाइल कंजर्वेशन रिजर्व के लिए 1500 तथा जवाई बांध के लेपर्ड कंजर्वेशन रिजर्व के लिए 2200 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इसमें वातानुकुलित वाहन से परिवहन, प्रातः चाय नाश्ता, दिन का भोजन, शाम की चाय, अभयारण्य प्रवेश शुल्क, टॉलटैक्स, इको गाईड चार्ज, इको स्थल के साफ-सफाई का चार्ज एवं समस्त कर शामिल हैं। डीएफओ ने बताया कि विभिन्न स्थलों पर भ्रमण विशेषज्ञ गाईड की उपस्थिति में वन विभाग के सहयोग से आयोजित किये जाएंगे।

संक्षिप्त

अश्विनी ने सेन्टर टॉप किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस ने बीएससी नर्सिंग प्रथम ईयर का परिणाम जारी कर दिया है। चौमूं उपखण्ड के गांव सामोद निवासी अश्विनी बाकोलिया ने इस परीक्षा में सबसे ज्यादा अंक लाकर सेन्टर टॉप किया है। स्टार नर्सिंग कॉलेज जयपुर के प्रिंसिपल दीपक शर्मा ने बताया कि अश्विनी बाकोलिया ने बीएससी नर्सिंग प्रथम ईयर परीक्षा में अब तक के सबसे सर्वश्रेष्ठ अंक हासिल किए हैं। बाकोलिया ने इस परीक्षा में 79.73 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, मोनेश 79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहा वहीं आशा जाट व नेहा धाकड़ ने 78.13 अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रही। ।

शिविर में 450 रोगी हुये लाभान्वित

मालपुरा (निस) रिलिफ एंड डवलपमेन्ट सोसायटी मालपुरा एवं डॉ. आदिल अजीज केयर एनक्योर क्लिनिक के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को टोडारोड मदरसा आलिया अर्बिया नासरिया में नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. आदिल अजीज, डॉ. इरफान, निसाद, इमरान ने अपनी बेहतर सेवाऐं देते हुए विभिन्न रोगों से ग्रसित 450 रोगियों के स्वास्थ्य की जांच कर परामर्श दिया। शहर काजी सैयद वकार अहमद, मास्टर महफुज अली, डॉ. नासीर, अब्दुल लतीफ मालपुरी, सोयेब नकवी, मुजाहिद अली, अब्दुल रऊफ, वरिष्ठ सीएलजी सदस्य समाजसेवी बशीर अहमद नकवी ने अपनी बेहतर सेवाऐं देते हुए शिविर में सहयोग प्रदान किया।

सीएलजी बैठक संपन्न

निवाई, (निसं)। पुलिस थाना दतवास में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्वक व सौहार्द भाव से मनाने को लेकर दतवास थानाधिकारी सुनील कुमार के नेतृत्व में सीएलजी की बैठक आयोजित हुई। थानाधिकारी सुनील ने सभी सदस्यों और क्षेत्रवासियों से आगामी त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की।

चिकित्सा मंत्री ने नवसृजित उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया

मंडावरी लालसोट, (निसं)। क्षेत्र के टोडा ठेकला ग्राम पंचायत के किशनपुरा ग्राम में रविवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा नवसृजित उप स्वास्थ्य केंद्र के बनने वाले नवीन भवन का समारोह पूर्वक शिलान्यास पट्टिका का अनावरण कर किया गया।

इस मौके पर शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि राजस्थान सरकार ने पिछले साढे चार सालों के दौरान जो बेमिसाल जनकल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतारी है एवं वह पूरी तरह सफल हुई है इसके चलते विपक्ष बौखलाया हुआ है एवं बेफिजूल के मुद्दे लेकर जनता का ध्यान भटकाने में लगा हुआ है। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि गहलोत सरकार के नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश का अभूतपूर्व विकास हुआ है जो विपक्ष को पच नहीं रहा है। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि अपराध रोकथाम पर राजस्थान सरकार की पूरी निगाहें एवं वह अपराध रोकथाम के लिए विभिन्न कानून बनाने के साथ असामाजिक तत्वों पर नकेल कस रही है। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि प्रदेश में कई जगहों पर अनावश्यक राजनीति करने के लालच से शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन कर लोगों को असुविधाजनक माहौल बनाया जाने का कार्य किया जाता था उस पर अब कड़ा कानून लाकर सरकार ने इस तरह गलत कृत्य करने वाले लोगों पर नकेल कसने का कार्य किया है।

चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा की नवीन सृजित उप स्वास्थ्य केंद्र किशनपुरा के उप स्वास्थ्य केंद्रों भवन का निर्माण कार्य 41 लाख रुपए की लागत से अधिकतम 6 माह की अवधि में किया जाएगा। इस शिलान्यास कार्यक्रम को पंचायत समिति लालसोट के प्रधान एडवोकेट नाथू लाल मीणा के द्वारा संबोधित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधान एडवोकेट प्रधान नाथुलाल मीणा सुरज्ञान डोई जोहरीलाल मीना रामकिशन डोई मीठालाल सैनी अशोक शर्मा,डॉ धीरज कुमार शर्मा बीसीएमओ लालसोट आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

- 41 लाख रुपए की लागत से होगा भवन निर्माण

मंडावरी के किशनपुरा ग्राम में नव स्वीकृत उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण का चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री का आभार जताया

निवाई, (निसं)। राज्य सरकार ने जैन समुदाय के मंदिर पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण एवं नवनिर्माण जैन समुदाय के लोक साहित्य एवं ग्रन्थों के प्रकाशन, प्रचार प्रसार इनके प्राचीन साहित्यों के संकलन, शोध एवं संरक्षण तथा जैन धर्म श्रमण परम्पराओं के संरक्षण के सम्बंध में सुझाव देने के लिए राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन करने पर जैन समाज में खुशी की लहर दौड गई। इस दौरान मुनि शुद्धसागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी सहित सभी जैन संतो ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आशीर्वाद दिया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौला व राकेश संघी ने बताया कि जैन समुदाय के प्रमुख भामाशाह अशोक पाटनी, दिनेश खोडनिया, जैन अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेन्द्रमोहन जैन एवं सुधांशु कासलीवाल के अथक प्रयास से राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन करने पर जैन समाज के मंत्री महावीरप्रसाद पराणा, बडा जैन मंदिर के अध्यक्ष विनोद पांडया, मंत्री महेन्द्र चंवरिया, कोषाध्यक्ष विमल गिन्दोडी, पालिका उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंवरिया, उद्योगपति महावीर प्रसाद, मुकेश कुमार, अनिल पहाडी, अशोक कटारिया, विष्णु बोहरा सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारियों ने राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री का आभार जताया।

सार-समाचार

जैन समाज ने मिठाई बांटी

फागी, (निसं)। राजस्थान सरकार के द्वारा राज्य जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड गठित करने पर सकल जैन समाज फागी सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा,चौरु, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास निमेड़ा रेनवाल माधोराजपुरा चित्तौड़ा पीपला एवं लदाना के सारे सकल जैन समाज ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कोटी कोटी आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया है। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि राज्य जैनश्रमण संस्कृति बोर्ड गठित करने से समाज के साधु संतों की सुरक्षा सहित समाज हित की अनेक समस्याओं का निदान हो सकेगा। उक्त कार्यक्रम में समाज सेवी सोहन लाल झंडा, केलास कलवाडा, मोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद जैन, विनोद कलवाडा, सुरेंद्र बावड़ी, विमल कुमार कलवाड़ा चार्तुमास कमेटी के अध्यक्ष अनिल कठमाना, कमलेश मंडावरा,कमलेश चोधरी, मितेश लदाना, त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबु गोधा सहित पूरी चार्तुमास कमेटी, एवं सारे समाज ने शुभकामनाएं प्रेषित कर धन्यवाद दिया है, पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री ने गंभीरता का परिचय देते हुए राजस्थान जैन धर्म के संरक्षण के प्रति जो संवेधानिक कदम उठाया है वह सराहनीय है ओर इस कदम से राजस्थान भारत का पहला राज्य बन गया है।

सतीश पूनिया का स्वागत किया

खैरथल, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक सतीश पूनिया ने कहा कि, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रहे राजेंद्र सिंह गुढ़ा द्वारा दिया गया बयान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए आइना है। गहलोत खुद दुनिया भर में पंचायत करते हैं किन्तु अपने राज्य में बहिन बेटियों के अस्मत व सुरक्षा सम्मान पर अपनी ही सरकार के राज्य मंत्री पद से हटाए गए राजेंद्र गुढ़ा द्वारा दिया गया बयान इसका प्रमाण है। पूनिया जयपुर से तिजारा जाते समय खैरथल में पूर्व कैबिनेट मंत्री हेमसिंह भड़ाना व पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव के नेतृत्व में झूलेलाल मंदिर परिसर में स्वागत कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने स्वागत समारोह में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए राजस्थान में कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार पनपने और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा का साथ देने की अपील की।

मीणा ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत के सिंदोली ग्राम पहुंचकर राज्यसभा सांसद डॉ. किरोडी लाल मीणा द्वारा विगत दिनों सड़क हादसे में एक ही परिवार के मारे गए पांचों लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मृतक परिजनों को ढांढस बंधाया। ग्राम सिंदोली रामगढ़ पचवारा मैं सेन समाज के एक ही परिवार के पांच सदस्यों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई थी। किरोड़ी लाल ने रविवार को पीड़ित परिवार के घर पहुंच कर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं सड़क दुर्घटना हादसे के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त की राज्यसभा सांसद ने सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत को लेकर दुख व्यक्त करते हुए हर संभव सहायता एवं मदद का भरोसा भी दिलाया। वहीं राज्यसभा सांसद मीणा द्वारा इस सड़क हादसे में पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई की भी जानकारी ली गई। इस दौरान भाजपा नेता रामविलास डूंगरपुर एवं मुकेश मीणा रामगढ़ पचवारा आदि कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक ने खिलाड़ियों का सम्मान किया

चौमूं / कालाडेरा, (निसं)। ग्रामीण युवा कल्याण संस्था द्वारा आयोजित बूथ स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान रविवार को ग्राम पंचायत हाड़ौता के सभी बूथों और चौमूं शहर के वार्ड 9, 10, 17 और 38 के बूथों के मध्य हुआ। मेचों का आयोजन वीर हनुमान जी के रास्ते स्थित खेल मेदान पर किया गया। मैच का शुभारंभ विधायक रामलाल शर्मा द्वारा मैच का प्रथम ओवर खेलकर किया। इस अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया और सभी खिलाड़ियों विधायक रामलाल शर्मा ने मुलाक़ात कर परिचय करवाया गया। ग़ौरतलब है कि बूथ स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन विधानसभा क्षेत्र चौमूं के सभी 226 बूथों पर किया जा रहा है जिसमें ग्राम पंचायत के बूथ की टीम भाग ले रही हैं। सभी ग्राम पंचायतों और वार्डों के मैच होने के उपरांत क्वार्टर फ़ाइनल और फ़ाइनल मुक़ाबले खेले जाएंगे। इस मौक़े पर पार्षद संदीप शर्मा उपस्थित रहे।

जार उपशाखा चाकसू की बैठक

चाकसू, (निसं)। रविवार को नीलकंठ हनुमान मंदिर पर जार उपशाखा चाकसू के पत्रकारों की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग के दौरान वर्तमान समय में पत्रकारिता के गिरते स्तर और प्रशासन द्वारा पत्रकारों को सहयोग नहीं करने के मुद्दे को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान क्षेत्र में कुछ समय से बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों को लेकर भी मीटिंग में चर्चा की गई। वर्तमान समय में क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ने के साथ ही युवा वर्ग में ड्रग्स , अफीम जैसे खतरनाक नशे का आदी होता जा रहा है ऐसे में युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाने के लिए व प्रशासन की आंखें खोलने के लिए अपनी कलम के जोर पर युवाओं को जागरूक करने व उनमे पनप रही नशे की लत को छुड़वाने के लिए पत्रकारों ने इस विषय को मिडिया के माध्यम से गंभीरता से उठाने का निर्णय लिया। इसके साथ ही आगामी 30 जुलाई को जार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में उपशाखा चाकसू की कार्यकारिणी का विस्तार करने पर चर्चा हुई, साथ ही सामूहिक गोठ रखने का निर्णय लिया गया।

भजन संध्या एवं सुंदरकांड का आयोजन

टोंक, (निसं)। मंडल सदस्य नवल साहू ने बताया कि रघुनाथ सेवा मित्र मंडल टोंक द्वारा विगत 21 वर्षों से संगीतमय सुन्दर पठन निरंतर किया जा रहा है जिसके 1008 पाठ के उपलक्ष में श्री मंशापूर्ण भूतेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में भव्य आयोजन किया गया। जिसमे मोहन लाल सोनी ,महेंद्र बंसल ने भगवान शिव की भव्य झाकी बनाई गई मंडल में कानू सोनी, महेश सोनी, ऋषि गोयल, लक्की सोनी, राम सोनी, त्रिलोक, सचिन ,मनोज ,महेंद्र, गिर्राज , हितेश आदि ने भव्य सुंदरकांड पाठ कर समा बांध दिया। दूनी से मुख्य आमंत्रित कलाकार गौतम शर्मा ने जो राम को लाए है, हम उनको लाए हैं, गाकर श्रोताओं की तालिया बजाने ओर झूमने पर मजबूर कर दिया। निवाई से महेश खंडवाल ने बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय रक्षा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष महंत सुरेश दुबे,का मण्डल परिवार द्वारा दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में लक्ष्मी देवी (पूर्व चेयरमैन) राजेंद्र पराना, विनायक, अंकित बगड़ी, दुर्गेश गुप्ता आदि श्रोतागण उपस्थित थे।

अनुसूचित जनजाति जनसंपर्क अभियान के पोस्टर का विमोचन

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जनजाति महा जन संपर्क अभियान के पोस्टर का विमोचन राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एवं भाजपा नेता रामबिलास डूंगरपुर ने किया।

इस दौरान राज्यसभा सांसद मीणा द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कार्यकर्ताओं में चुनावी मंत्र भी फूंका गया। अनुसूचित जनजाति महा जन संपर्क अभियान के लालसोट विधानसभा क्षेत्र के संयोजक मुकेश रामगढ़ पचवारा श्रीराम माधोपुरा कैलाश बालाजी मुकेश हाडोत्या जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि देहांत मंडल अध्यक्ष रूपसिंह सुरतपुरा रामबिलास शाहजहांनपुरा पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि अनिल बैनाड़ा भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक हट्टीका डॉ शम्भु लाल कुईवाला पिन्टु पापड़दा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। लालसोट विधानसभा क्षेत्र के होदायली ग्राम पंचायत के रूपपुरा बूथ के लिए भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष दौलतपुरा रामखिलाड़ी मीणा ने बताया कि मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत भाजपा नेता रामबिलास डुंगरपुर नहीं सहेगा राजस्थान कार्यक्रम के मंडल संयोजक श्याम सुन्दर शर्मा ने बूथ क्रमांक 161 पर संपर्क किया जिसमे उपस्थित कार्यकर्ताओ की सर्व सहमति से विनोद कुमार शर्मा को रूपपुरा बूथ अध्यक्ष नियुक्त कर नवीन बूथ कार्यकारणी गठित की गई बूथ अध्यक्ष का भाजपा नेता रामबिलास डूंगरपुर ने माल्यार्पण कर स्वागत किया इस अवसर पर पूर्व सरपंच कन्हैया लाल मीना विनोद कुमार शर्मा रामकेश मीना रामेश्वर मीना प्रेमराज मीना बत्ती लाल मीणा कमलेश प्रजापत चेतन मीना मुकेश मीना गोत्तम मीना भैरुलाल मीना सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लालसोट में राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एवं भाजपा नेता रामबिलास डूंगरपुर ने अनुसूचित जनजाति महा जनसंपर्क अभियान के पोस्टर विमोचन किया।

सांभर की सराय स्कूल में खुलेगा महिला महाविद्यालय

सांभरझील, (निसं)। सांभर में राजकीय महिला महाविद्यालय खोले जाने की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा की गई घोषणा के अनुसरण में अब सांभर में इसके संचालन हेतु अस्थाई रूप से पुरानी धानमंडी स्थित रामलीला रंगमंच के नजदीक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के भवन में अस्थाई खोले जाने हेतु मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांभर की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र 18 जुलाई को जारी कर दिया गया है।

नागरिक विकास समिति के सचिव जितेंद्र डांगरा की ओर से 18 जुलाई को महिला महाविद्यालय के लिए भवन उपलब्ध कराने का पत्र लिखा गया था। इसी संदर्भ में 18 जुलाई को ही राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य, तहसीलदार सांभरलेक, एसडीम सांभर तथा सीबीईओ सांभर की ओर से इसके लिए अपने अपने स्तर पर एक ही दिन में कार्य का निस्तारण करने से क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर है। महिला महाविद्यालय की क्रियान्विति होने से विधानसभा क्षेत्र में अध्ययनरत सैकड़ों बालिकाओं को इसका लाभ पहुंचेगा साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं को नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

महिला महाविद्यालय की नए भवन के निर्माण के लिए बजट भी शीघ्र ही स्वीकृत होगा तथा उपयुक्त स्थान पर नवीन भवन बनाए जाने के लिए भूमि का भी चयन किया जाएगा। जिला बनाओ संघर्ष समिति के सलाहकार कुलदीप व्यास, समिति के सचिव विवेक शर्मा की मौजूदगी में विगत दिनों मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महिला महाविद्यालय व जिला अस्पताल की सौगात सांभर को देने की घोषणा की थी।

इसके लिए नेता प्रतिपक्ष अनिल कुमार गट्टानी, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र डांगरा, पार्षद गौतम सिंघानिया, दरगाह खादिम निसार अहमद, पार्षद शकील मोहम्मद, एडवोकेट उमाशंकर व्यास, शानू गोयल, दीपक शर्मा सहित अनेक ने मुख्यमंत्री का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हुए समिति का भी आभार जताया है।

- लोगों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया

शिविर में 82 रोगी लाभान्वित

श्रीमाधोपुर, (निसं)। रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज़ द्वारा रविवार को निशुल्क पाक्षिक होम्योपैथी शिविर का 410 वां शिविर स्वर्गीय नाथूराम भामू रोटरी भवन में लगाया गया, जिसमें 82 मरीजों ने लाभ उठाया। क्लब की ओर से आयोजित अब तक 409 पाक्षिक कैंपो में 45 हजार से भी ज्यादा मरीजों ने लाभ उठाया है। क्लब की ओर से इस तरह के कैंप माह के हर दुसरे रविवार को रोटरी भवन में आयोजित किये जाते है, इनमे डॉ. एस. एल. चौधरी द्वारा चर्म रोग, पेट रोग, दमा-श्वास, सोरौसिस, साइटिका, नजला, जुखाम, एलर्जी, माइग्रेन, फंगल इनफेक्शन एवं अन्य कई रोगों से ग्रसित मरीजो को निशुल्क परामर्श दिया, तथा क्लब कि ओर से 14 दिनों की दवाइयां निशुल्क दी गई. इन होमियोपैथी कैंपो में डॉ. एस. एल. चौधरी के साथ क्लब के पूर्व सप्रांतपाल गिरिराज कयाल, विजय कुमार कसेरा एवं क्लब के कई सदस्य अपनी सेवाए दी।

सांसद बालक नाथ योगी ने केन्द्र की योजनाओं की जानकारी दी

अलवर, (निसं)। अलवर सांसद व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष महंत बालक नाथ योगी के द्वारा राजगढ- लक्ष्मणगढ क्षेत्र से जुडी, परवैणी, जामडोली, डेरा, डगडगा इत्यादि ग्रामीण पंचायतों में जन चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनके द्वारा विकास कार्यों के लिए 52 लाख रू की घोषणा की गई।

इस संबंध में उन्होंने जानकारी देते हुए केंद्र सरकार के द्वारा निरंतर ग्रामीण क्षेत्रों में जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश के करोडों अन्नदाताओं और उनके परिवारों को मजबूत और सशक्त बनाने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है ।

उन्होंने कहा कि केंद्र की अनेकों कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आज देश का किसान आधुनिक कृषि और विज्ञान के उपाय के माध्यम से आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ रहा है।

गांव, गरीब, दलित, किसान के विरुद्ध कांग्रेस की नीतियां एक समय देश और आज प्रदेश को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में भ्रष्टाचार और अपराध चरम पर है। विद्यालयों में छोटी बच्चियां सुरक्षित नहीं है, घरों में महिला बेटियों पर हमले हो रहे हैं। युवा बेरोजगारों को पेपर चोरी के माध्यम से ठगने वाली कांग्रेस सरकार के राज में हत्या लूट अपराध बलात्कार की घटनाओं ने पूरे देश में राजस्थान को शर्मसार किया है सरकार के मंत्री विधायक सडक से लेकर विधानसभा तक अशोक गहलोत सरकार की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह खडा कर रहे हैं लेकिन सरकार सत्ता मद में मदहोश हो चुकी है जिसे जनता के हित से कोई सरोकार नहीं है।

पूर्व सांसद की पुण्यतिथि पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

निवाई, (निसं)। पूर्व सांसद द्वारकाप्रसाद बैरवा की 10वीं पुण्यतिथि पर गांधी पार्क में रविवार को सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में स्वर्गीय द्वारकाप्रसाद बैरवा के पुत्र विधायक प्रशांत बैरवा ने विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मैने मेरे पिताजी स्व. द्वारकाप्रसाद बैरवा एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. बनवारीलाल बैरवा को आदर्श माना है। उन्होंने कहा कि मेरे पिताजी जनता के सुख-दुख में हमेशा खडे रहते थे।

क्षेत्र की जनता ने अपना आशीर्वाद देकर पिताजी द्वारकाप्रसाद बैरवा को सांसद विधायक, जिला प्रमुख एवं कृषि उपजमंडी के अध्यक्ष सहित कई ऊंचे पदों पर आगे बढाया। आज भी प्रत्येक कार्यकर्ता पिताजी के आदर्श पर चलते हैं। क्षेत्र की जनता उन्हें विकास पुरुष कहती थी। मैंने भी अपने पिताजी के आदर्शों पर चलना सीखा है। और उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया है। साढे 4 वर्ष के कार्यकाल में बहुत विकास कार्य करवाए हैं और जो कार्य शेष रहेंगे उनको जनता के आशीर्वाद से आगे पूरा करवाएंगे। मैं हमेशा क्षेत्र के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खडा रहता हूं। हमेशा क्षेत्र के विकास के लिए तत्पर रहता हूं। मेरा उद्देश्य पिताजी के आदर्शों पर चलकर ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम लाइन में बैठे व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इस दौरान कई कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार रखें। सर्व धर्म सभा में रमेश बैरवा, सुषमा बैरवा, उर्वशी बैरवा, ताराचंद बैरवा, प्रसिद्धि, प्रख्यात, कांग्रेस जिलाधक्ष हरिभाई हरि, शहर अध्यक्ष पारस पहाडी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जयनारायण मीणा पीपलू, एडवोकेट शंकर चौधरी, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, पूर्व भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष रामअवतार घाटी, पूर्व शहर अध्यक्ष महावीर पराना, रामगोपाल सेवलिया, प्रदीप पारीक, ब्रह्मप्रकाश गुर्जर, सूरजनारायण भट्ट, राजेश चौधरी गुरुजी, मणिन्द्र लोदी, परशुराम कुमावत, सुरेंद्र बेनीवाल, एडवोकेट सतीश शर्मा, रवि पारीक, पार्षद दुर्गाशंकर सेन, पार्षद विजय शर्मा, रामअवतार सैनी, रामसहाय मीणा गुड्डा, राजेश पारीक खंडवा, मांगीलाल गुर्जर, भरथला सरपंच पृथ्वीराज मीणा, पुखराज गुर्जर, पूर्व सरपंच जगदीश मीणा जामडोली, राजेश भट्ट, पवन सावलिया, मोहम्मद अजहर, विनोद जायसवाल, नाथूलाल मीणा मूडिया, बद्रीनारायण सूरीया, रमेशचंद शर्मा, शंकर घाटी, राजेंद्र चौधरी, दुर्गालाल सैनी, सीताराम कटारा, मूलचंद सैनी, प्रभु चौधरी, उमेदसिंह कसाना, सरपंच मदनलाल मीणा, देवालाल गुर्जर, कानाराम गुर्जर सेदरिया, हेमलता बैरवा, पप्पूलाल मीणा, सोनू गुर्जर, मदन मीणा गुड्डा, बंटी मीणा एवं सुभाषकुमार मिश्रा सहित सैकडों विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता मौजूद थे।

- पिताजी के आदर्शों पर चलकर ग्रामीणों की सेवा करना ही मेरा उद्देश्य : बैरवा

निवाई के गांधी पार्क में आयोजित पूर्व सांसद द्वारकाप्रसाद बैरवा की पुण्यतिथि पर विधायक प्रशांत बैरवा ने पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री को ज्ञापन देने का निर्णय लिया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट खेत को पानी - फसल को दाम को लेकर रविवार को किसानों से रुबरु हुए व 27 जुलाई को सीकर आ रहे प्रधानमंत्री को न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी कानून लागू करने व गंगा जमुना का पानी लाने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। जाट ने कहा कि जो न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी का कानून बनाएगा उसी दल की सरकार बनाने के लिए एकजुटता के साथ प्राण-प्रण से सक्रिय समर्थन देगा।

यह ऐतिहासिक समय होगा जब किसानों के लिए किसानों की समृद्धि के लिए किसानों के द्वारा सरकार बनाई जाएगी । उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केंद्र में भाजपा व राजस्थान में कांग्रेस शासन कर रही है। दोनों ही दल न्यूनतम समर्थन मूल्य के संबंध में कानून बना सकते हैं। केंद्र सरकार राज्यसभा में संकल्प पारित कराने के उपरांत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर देशभर के लिए कानून बनाने में सक्षम है। इस मौके पर जाट रामेश्वर प्रसाद चौधरी युवा प्रदेशाध्यक्ष किसान महापंचायत राजस्थान ,महासभा अध्यक्ष झाबरमल महला, किसान महासभा के सचिव बत्तीलाल बेरवा, सुरेश यादव समेत किसान मौजूद थे।

श्रीमाधोपुर स्वाभिमान यात्रा को मिल रहा समर्थन

सेवादल प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत के नेतृत्व में स्वाभिमान यात्रा सातवें दिन नाथूसर पहुंची।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राजस्थान सरकार की महंगाई राहत हेतु महत्वपूर्ण फ्लैगशिप योजनाओं का घर घर जाकर प्रचार-प्रसार करने के लिए सेवादल प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत के नेतृत्व में आयोजित श्रीमाधोपुर स्वाभिमान यात्रा रविवार को सातवें दिन अरनिया से प्रारंभ होकर मऊ, बागरियावास होते हुए नाथूसर पहुंची, जहां पर शहीद लोकेंद्र सिंह शहीद स्मारक पर सैकड़ों ग्रामीणों सहित यात्रियों ने शहीद के नारे लगाकर व देशभक्ति गीतों के माध्यम से शहीद की वंदना की।

प्रदेश अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए गांव, ढाणियों व घर घर जाकर योजनाओं का फीडबैक लिया जा रहा है। ग्रामीणों के इस प्रकार के उत्साह को देखकर सभी यात्रियों का मनोबल बढ़ता है व पूरे जोश और जुनून से पैदल चलकर योजनाओं की जानकारी घर-घर पहुंचा रहे हैं। यात्रा रतनपुरा, नावलाई, पृथ्वीपुरा होल्या का बास होते हुए नांगल भीम पहुंची ,जहां पर सेवादल जिलाध्यक्ष नरेंद्र बाटड के नेतृत्व में महावीर सैनी ,लाल बहादुर सैनी, सुरजीत सिंह शेखावत,जितेंद्र सिंह शेखावत ,सुरेंद्र सिंह शेखावत ,गजानंदयादव ,कानाराम , प्रहलाद योगी ,विनोद सैनी व गजानंद यादव सहित हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हेम सिंह शेखावत व यात्रियों का सम्मान किया । स्वाभिमान यात्रा का सोमवार को हांसपुर, जोरावरनगर, कंचनपुर, कोटडी ,सीमारला, ढाबावाली व कल्याणपुरा का दौरा रहेगा।

संक्षिप्त

जवानों ने 700 पौधे लगाए

दूदू, (निसं)। निकटवर्ती गाडोता स्थित एस.डी.आर.एफ. बटालियन मुख्यालय पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत जवानों द्वारा 700 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर कमाण्डेड राजकुमार गुप्ता, गणपति महावर साथ ही बटालियन आर.एस.सी. भूपेन्द्र सिंह यादव, ए.एस.पी. दिनेश कुमार, रामधन जाट , सतीश वर्मा ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध बनाने व मानव जीवन को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए वृक्षारोपण कर उसके सार सम्भाल करना हर जवान व नागरिक का कर्तव्य हैं गुप्ता ने बताया कि बटालियल के जवानों द्वारा वन विभाग के साथ मिलकर 5000 पौधे लगाने व सवारने का लक्ष्य रखा गया हैं जवानों द्वारा खड़े खोद कर पौधे लगाना शुरू कर दिया गया हैं।

गल्ले से 25 हजार रुपये निकाले

दूदू, (निसं)। कस्बे में पुलिया के पास एक दुकान से दिन दहाड़े गल्ले में रखे 25000 रू. नगद चुराकर ले जाने की वारदात को एक युवक द्वारा अंजाम दिया गया। पीड़ित दुकान के मालिक शेखर कुमावत ने बताया कि मैं दुकान के बाहर गाड़ी का काम कर रहा था थोड़ी देर बाद दुकान के अन्दर आकर देखा तो दराज में गल्ला खुला मिला। गल्ले में रखे 25000 रू. भी गायब मिले। घटना की सूचना पुलिस थाना दूदू में दी गई। दुकान में लगे इसी सी.सी.टी.वी. कैमरे में चोरी की वारदात को अंजाम दिये गए युवक की फोटो के आधार पर खोजबीन शुरू कर दी गई है।

विस्फोट पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पुलिस कप्तान राजर्षिराज वर्मा के निर्देशों के तहत अवैध खनन एवं परिवहन को लेकर जिलेभर में की जा रही निगरानी के चलते बनेठा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को अवैध विस्फोटक पदार्थ लेते हुए गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी बनेठा नरेन्द्र सिंह ने बताया कि दौराने गस्त ढिकोलिया रोड के सरदारपुरा रोड से मदन परेडवाल पुत्र कजोड जाति खटिक उम्र 37 साल निवासी बनेठा जिला टोक के कब्जे से विस्फोटक पदार्थ 4 नग डेटोनेटर गुल्ला, एक जिलेटीन छड व चार टीपी को जप्त कर गिफ्तार किया गया है।

रमा शर्मा जिलाध्यक्ष मनोनीत

चाकसू, (निसं)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष पंडित केसरी चन्द भंवरलाल शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिलाध्यक्ष की अनुशंसा पर महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष अरुणा गौड़ ने क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता चाकसू निवासी श्रीमती रमा शर्मा को जयपुर जिला देहात के लिए महिला जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। नियुक्ति पत्र के साथ ही उनसे अपेक्षा की गई है कि वे जयपुर जिला देहात में समाज के संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए समाज हित में सक्रियता से कार्य करेंगी।

भागवत कथा में कई प्रसंग सुनाये

पावटा, (निसं)। कथावाचक आचार्य पंडित कपिल देव ठाकुर वृन्दावन ने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते हैं। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आव्हान किया। पावटा कस्बे की श्याम कॉलोनी में स्थित बाबा श्याम मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा में बावन भगवान का जन्म के दौरान मनोरम झांकी सजाई गई।

घायल किसान की मौत

मालपुरा, (निसं)। मोर थाना क्षेत्र के पंवालिया गांव में दो दिन पूर्व फसल में कीटनाशक दवा का छिड़काव करते अचेत हुये किसान की उपचार के दौरान रविवार को जयपुर में मौत हो गई। पंवालिया निवासी रामअवतार रैगर दवा छिड़कते समय रासायनिक दवा के सम्पर्क में आ जाने से अचेत हो गया था। जिसे मालपुरा अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर किया था।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पूनिया की जनसभा में भारी जनसैलाब उमड़ा

'यहां तो बैठा है सारा तिजारा, लेकिन राज नहीं चल पा रहा तो क्या करे अशोक गहलोत बेचारा'

जयपुर/अलवर, (निसं)। अलवर जिले के तिजारा में स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर आयोजित जनसभा में भारी जनसैलाब उमड़ा। जहां राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का आमजन एवं कार्यकर्ताओं ने पलक पांवड़े बिछाकर भव्य स्वागत अभिनन्दन किया।

कार्यक्रम का आयोजन राव तुलाराम सेवा समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव ने किया। कार्यक्रम और प्रवास पर डॉ. पूनिया के साथ विधायक संजय शर्मा, मंजीत चौधरी, पूर्व विधायक रामहेत यादव, पूर्व मंत्री हेम सिंह भड़ाना, भाजपा पूर्व प्रदेश मंत्री महेंद्र यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष उम्मेद सिंह, संदीप दायमा, रामकिशन मेघवाल इत्यादि उपस्थित रहे। तिजारा में चंद्रशेखर आजाद जयंती समारोह को संबोधित करते हुए सतीश पूनिया ने कहा कि, आज सुखद संयोग है कि, भारत माता के लाल चंद्रशेखर आजाद की जयंती है और अमर सेनानी बाल गंगाधर तिलक की भी जयंती है।

श्रद्धा से याद करना चाहूंगा स्व. जगमाल यादव को, मैं उस समय युवा मोर्चा में काम करता था, जगमाल सिंह यादव और जगत सिंह ने तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत के साथ मिलकर राष्ट्रवाद की सरकार को बनाने और बचाने का बीड़ा उठाया था। मुझे अच्छे तरीके से याद है कि गठबंधन की सरकार थी, भाजपा के सदस्य भी जीते थे, जनता दल के सदस्य भी जीते थे, लेकिन गठबंधन की सरकार को सफलता से कैसे चलाया जाए यह उदाहरण भैरों सिंह शेखावत ने पेश किया और भैरों सिंह की मदद करने का काम जगमाल सिंह यादव और जगत सिंह ने किया और इस सरकार ने किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए काम किया। चंद्रशेखर यादव और आयोजन समिति की एक बात ने दिल जीत लिया, महान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद को इस आयोजन के जरिए जिस तरीके से याद किया यह तो अभिनव है ही, लेकिन देश के लिए मर मिटने वाले वीर सपूत शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान यह मैंने अद्भुत देखा है। इतनी बड़ी संख्या में माताएं बहनें जिनका सुहाग उजड़ गया, आज गर्व के साथ, सम्मान के साथ इस मंच पर जहां किसान सरदारी सामने बैठी है, अभिमान के साथ सम्मानित होती हैं इसलिए चंद्रशेखर यादव को धन्यवाद देता हूं कि चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर वीरांगनाओं का सम्मान अभिनव है।

27 जुलाई को देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीकर आएंगे, लेकिन वह सीकर खाली हाथ नहीं आएंगे, राजस्थान ही नहीं हिंदुस्तान के करोड़ों किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि भेजकर उन्हें संबल देंगे। चंद्रशेखर यादव ने भाजपा का दामन थामा, राष्ट्रवाद का दामन थामा, जो निरंतर पार्टी की मजबूती के लिए काम कर रहे हैं। मैं यहाँ सोच रहा था कि, यहां तो सारा बैठा है तिजारा और लेकिन राज नहीं चल पा रहा तो क्या करे अशोक गहलोत बेचारा। 2018 में कांग्रेस की सरकार बनी, और सरकार बनने के दौरान राजभवन में दो-दो मुख्यमंत्रियों के नारे लगे, यह वही सरकार है जो 52 दिन बाड़े में बंद रही। कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के शासन में कोई वर्ग ऐसा वंचित नहीं रहा जिसको तकलीफ नहीं हुई हो, राजस्थान का 70 लाख से ऊपर किसान आज भी कर्जामाफी की वादाखिलाफी के दंश को झेल रहा है। राजस्थान के सवा करोड़ बेरोजगार युवाओं ने परीक्षा दी, नौकरी एक लाख को दी, कितने सारे नौजवान अवसाद में चले गए, उससे भी ज्यादा तकलीफ हुई पेपर लीक की। राजस्थान के सैकड़ों किसानों को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा, श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर के ठाकरी गांव के किसान ने तो सुसाइड करने से पहले वीडियो जारी किया जिसमें उसने कहा कि कर्जे से तंग आकर आत्महत्या कर रहा हूं, मेरी मौत का जिम्मेदार कोई है तो राजस्थान का मुख्यमंत्री है।

मैंने विधानसभा में कहा कि पेपर लीक तभी होता है जब सरकार वीक होती है, इस वीक कांग्रेस सरकार ने नौजवानों के सपनों को तोड़ने का काम किया। यह राजस्थान की ऐसी गई बीती सरकार है कि साढ़े 4 साल में 10 लाख 92 हजार से अधिक मुकदमे दर्ज हुए हैं। 17 बलात्कार और 7 हत्याएं रोज होती हैं, यह हालात हैं प्रदेश केमेवात के इस इलाके में किस तरीके से लव जिहाद और लैंड जिहाद को पनपाया जा रहा है, जिस तरीके से चुनौती के रूप में खड़ा किया जाता है, क्या राजस्थान की कांग्रेस सरकार गूंगी बहरी है? किसी ने सही कहा कि यह अलीबाबा चालीस चोर की सरकार है जिसने अपराधों पर आंखें मूंद रखी हैं।भारत की मोदी सरकार ने गरीबों के उत्थान का काम किया, मोदी सरकार ने हिंदुस्तान के स्वाभिमान को ऊंचा करने का काम किया, यहां जब आया था तो सब लोग राम-राम कर रहे थे, भगवान रामजी के मंदिर के लिए 500 वर्षों का संघर्ष था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने संकल्प लिया और अयोध्या की भूमि पर भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बन रहा है। 27 जुलाई को सीकर में प्रधानमंत्री का हम सब लोग स्वागत अभिनंदन करेंगे, 2023 में हम सब लोग मिलकर किसान की, नौजवान की, दलितों, वंचितों आदिवासियों और मातृशक्ति के आशीर्वाद से ऐसी भाजपा की सरकार बनाएंगे जो नरेंद्र मोदी के साथ डबल इंजन लगाकर राजस्थान में भ्रष्टाचार मुक्त, अपराध मुक्त, शोषण मुक्त सरकार देंगे, 36 कौम की सरकार देंगे, राजस्थान के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे। इसके बाद तिजारा में पूर्व विधायक मामन सिंह यादव के निवास स्थान पर पहुंचकर सतीश पूनियां ने उनके स्वर्गीय भाई को श्रद्धांजलि अर्पित की। बानसूर में सतीश पूनियां भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री महेंद्र यादव द्वारा आयोजित नेत्र शिविर में पहुंचे, जहां उन्होंने नेत्र शिविर का अवलोकन किया और जरूरतमंदों को उपकरण वितरित किये।

तिजारा में स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर आयोजित जनसभा को उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने संबोधित किया।

- '27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीकर आएंगे, राजस्थान ही नहीं हिंदुस्तान के करोड़ों किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि भेजकर संबल देंगे'
- 'गठबंधन की सरकार को सफलता से कैसे चलाया जाए यह उदाहरण भैरोंसिंह शेखावत ने पेश किया और उनकी मदद करने का काम जगमाल सिंह यादव और जगत सिंह ने किया'

सार-समाचार

मुख्य मार्गों में अंधेरा पसरा

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगर पालिका को रोशन करने के नाम पर नगरपालिका द्वारा कुछ महिनों पहले ही लाखों रुपए खर्च कर स्ट्रीट लाइट लगवाई गई थी। इसके बावजूद पालिका क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा आज भी अंधेरे में डूबा हुआ है। नगर की प्रमुख सडकों से लेकर वार्डों तथा कॉलोनियों की गलियों में शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। क्योंकि कुछ जगहों पर तो स्ट्रीट लाइट लगी ही नहीं और जिन स्थानों पर लगी हैं वे लापरवाही व तकनीकी खराबी के चलते शोपीस बनकर रह गई हैं। जिसके कारण पालिका क्षेत्र का अधिकांश इलाका शाम होते ही अंधेरे में डूब जाता है। जिससे रात के समय घर पहुंचने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं जहां हमेशा अनहोनी की आशंका बनी रहती है। कुल मिलाकर स्ट्रीट लाइट पर एक बडा बजट खर्च करने के बाद भी जनता को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल का स्वागत किया

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा विधायक निर्मल कुमावत के नेतृत्व में शनिवार को कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का स्वागत किया। साथ ही विधायक निर्मल कुमावत के साथ चुनाव को लेकर चर्चा एवं विचार विमर्श किया। वहीं फुलेरा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मनोज आहूजा के नेतृत्व में पदाधिकारी प्यारेलाल लाल कुमावत, मुकेश गगरानी, सरदार चौधरी, हन्नी सबनानी आदि के साथ उनका स्वागत अभिनन्दन किया। साथ ही व्यापार महासंघ अध्यक्ष आहूजा ने फुलेरा रेल विस्तार-हितार्थ हेतु विस्तृत चर्चा की। इसी क्रम में इलेक्ट्रिक लोको-डीजल शेड, केन्द्रीय विद्यालय को विद्यालय के साथ ही महाविद्यालय में क्रमोन्नत करवाने,रेलवे हॉस्पिटल को क्रमोन्नत कर जयपुर से भी बड़ा हॉस्पिटल भवन बनवाने एवं फुलेरा जंक्शन पर अधिक रेलों के ठहराव की बात विस्तार से रखी। जिस पर मंत्री मेघवाल ने विधायक एवं महासंघ के अध्यक्ष को आश्वासन देते हुए कहा कि आपके उपरोक्त सभी बिन्दुओं को रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव महोदय से अवश्य वार्ता करूंगा।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कंवरपुरा में प्रतिवर्ष की भांति सेवानिवृत कर्मचारी संघ द्वारा कक्षा 10 व 12 के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कक्षा 10 व 12 के 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व संयुक्त निदेशक बंशीधर गुर्जर रहे। जबकि अध्यक्षता पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सरदारमल यादव ने की। वहीं विशिष्ठ अतिथि उपभोक्ता न्यायिक मंच के अध्यक्ष सुबेसिंह यादव रहे। संचालन पूर्व प्रधानाचार्य सांवलराम यादव ने किया। इस दौरान से.नि. कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हवलदार रमेश यादव, कोषाध्यक्ष पूर्व प्रधानाचार्य देवेंद्र यादव, सचिव शंकर लाल यादव समेत संघ के समस्त सदस्य, विद्यार्थी, अध्यापकगण एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रधान ने सीसी रोड का उद्घाटन किया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। पंचायत समिति बहरोड़ की महिला प्रधान सरोज यादव और प्रतिनिधि बस्तीराम यादव ने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मुंडियाखेड़ा में प्रधान कोटे से बनाई गई सीसी सड़क का उद्घाटन करते बहरोड़ विधायक को नाकामयाब बताया। वहीं उनके साथ उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे प्रतिनिधि बस्तीराम यादव ने बहरोड़ विधायक की जमकर आलोचना करते क्षेत्र की जनता में दहशत पैदा करने व डरा धमका कर सत्ता का दुरुपयोग कर सभी वर्गों को अपमानित व प्रताड़ित करने की भाषा का प्रयोग करने वाला बताया। वहीं प्रधान प्रतिनिधि ने विधायक के कार्यकाल में जर्जर पड़ी प्रमुख सड़कों व उद्योगों में स्थानीय युवाओं को रोजगार तो दिलाना दूर की बात बहरोड़ नीमराना को जिला भी नहीं बनाने की बात कही। वही आयोजित कार्यक्रम में पंचायत समिति सदस्य अमर सिंह, सुनील यादव, सुरेश भेडी कांग्रेस ओबीसी ब्लॉक अध्यक्ष, श्योताज, वेद कृष्ण सरपंच एवं पार्षद रोहिताश, रमेश, जयपाल, इंद्राज, रामअवतार, गिरधारी, लेखराम, रणजीत, कल्याण सिंह, योगेश, जयपाल , आदि सहित ग्रामीण महिला, पुरुष एवं बच्चे मौजूद रहे।

प्रथम परिचय सम्मेलन आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय सैनी विकास संस्था (संगठन) के कार्यकर्ताओं कि बैठक का आयोजन हुआ। इस मौके पर प्रथम परिचय सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। सैनी विकास संस्था (संगठन) के अध्यक्ष बबलू बबेरवाल ने सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए पूर्व सैनी सभाध्यक्ष जगदीश प्रसाद सैनी को सामूहिक विवाह सम्मेलन का अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर मुकेश राठी, ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मण सैनी को नियुक्त किया। प्रथम परिचय सम्मेलन में 17 युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया।

चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन आगामी 23 नवम्बर देवउठनी एकादशी के दिन किया जायेगा। सम्मेलन के लिए 09 जोड़ों का रजिस्ट्रेशन किया गया है। वहीं द्वितीय परिचय सम्मेलन का आयोजन 13 अगस्त को होगा।

इस दौरान नीमकाथाना अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष गजानंद सैनी, रामचंद्र सैनी, कालूराम सैनी, बस्तीराम सैनी, संरक्षक पूरणमल भगत, पप्पू बायलान, रामजीलाल सैनी, उपाध्यक्ष रामावतार मिस्त्री, रामस्वरूप सैनी, कोषाध्यक्ष गंगाराम सैनी, सचिव गोविंद सैनी, संगठन मंत्री सुंदरलाल सैनी, संजय सैनी, रमेश चंद सैनी, महेंद्र सैनी, बोदन सैनी, रवि सैनी, लीलाराम सैनी, नरेश सैनी, दलीप सैनी, हनुमान सैनी, जगदीश सैनी, श्रीराम सैनी, राधेश्याम सैनी, दौलत सैनी, योगेश सैनी, कृष्ण सैनी, रामधन सैनी व सतीश सैनी, सहित अन्य लोग मौजुद थे।

धरने की चेतावनी के बाद प्रशासन की नींद खुली

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत बसई में पिछले कई वर्षों से चली आ रही पेयजल की समस्या का समाधान होने जा रहा है। मनोज चौधरी के नेतृत्व में ग्रामीणों के एक महीने के अथक परिश्रम के बाद आखिरकार जलदाय विभाग ने बसई की सुध लेते हुए लगातार तीन ट्यूबवेल का निर्माण करवाया है।

उल्लेखनीय है ग्राम पंचायत बसई की कई ढ़ाणियों में पेयजल की समस्या बनी हुई थी। ग्रामीणों को पीने का पानी कई किलोमीटरों दूर से लाना पडता था। पेयजल समस्या से परेशान ग्रामीणों ने एड. मनोज चौधरी को अवगत करवाया। जिस पर चौधरी ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को जेजेएम योजना के तहत टंकी शुरू करने की मांग की, लेकिन जलदाय विभाग महीनों तक सोता रहा। जिस पर ग्रामीणों ने मनोज चौधरी के नेतृत्व में लामबंद होकर जलदाय विभाग को घेरा जिसके बाद जलदाय विभाग ने पेयजल समस्या का समाधान निकाला। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बाद उन्होंने बस्ती में पानी की खोज की तथा तीन जगह ट्यूबवेल का कार्य पूरा किया। चौधरी ने बताया कि इसके बाद अब पानी की टंकी का निर्माण किया जायेगा। 200000 टन की क्षमता वाली पानी की टंकी में तीनों ट्यूबवेल से पानी भरा जायेगा। वहां पर पंप हाउस का निर्माण किया जायेगा। पाईप लाईन द्वारा बसई गांव एवं ढाणियों में पानी लाया जायेगा। हालांकि अभी इसमें समय लगेगा लेकिन ग्रामीणों के पीने के पानी की समस्या दूर होगी।

इस मौके पर बाबूलाल सनवाल, रामावतार, सत्यवीर मीणा, मंगल गिठाला, राजेंद्र हांसीवाल, इंद्राज गुर्जर, असराम सनवाल, सुरेश आर्य, विकास डबास, मनोज गिठाला, संजीव कुमार, अशोक सनवाल, जगदीश आर्य, धर्मपाल सनवाल, झंगाराम आर्य, प्रभुराम जाट व राहुल सैन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मनोज चौधरी को धन्यवाद दिया।

- तीन ट्यूबवेल का कार्य पूरा, शीघ्र बनेगी टंकी, पीने के पानी की समस्या होगी दूर

24 मंडल संयोजक नियुक्त

बहरोड़/ अलवर, (निसं)। भाजपा के ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष जलेसिंह रावत अलवर उत्तर ने नहीं सहेगा राजस्थान कार्यक्रम के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद सीपी जोशी व ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चंपालाल गेदर के निर्देशानुसार अलवर उत्तर जिलाध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया की सहमति से भाजपा ओबीसी मोर्चा अलवर उत्तर के 24 मंडल संयोजक नियुक्त किए।

भाजपा ओबीसी जिलाध्यक्ष जलेसिंह रावत ने बताया कि बानसूर से धर्मपाल, हरसोरा से राजेंद्र अधाना, रामपुर से समय सिंह, नीमूचाना से लटूरमल, नारायणपुर से राकेश यादव, मुंडावर से सुरेंद्र यादव, नीमराना से राकेश गुर्जर, जाट बहरोड़ से हरिराम प्रजापत, ततारपुर से संतराम गुर्जर, अजरका से प्रदीप, बहरोड़ से मानसिंह, बडोंद से महेश यादव, मांढण से अर्जुन, माजरी कलां से कैलाश यादव, किशनगढ़ बास से कश्मीर सरधना, खैरथल से गणेश जांगिड़, कोटकासिम से किरशन यादव, मोठूका से रतिराम जांगिड़, हरसोली से हुकम सिंह यादव, तिजारा से अनिश, टपूकड़ा से अमित चौधरी, गेलपुर से कैलाश भामडा, शाहबाद से सुजान सिंह तथा भिवाड़ी से तिलक गुर्जर को नहीं रहेगा राजस्थान के तहत ओबीसी मोर्चा के मंडल स्तरीय 24 संयोजक नियुक्त किए गए हैं।

भोजन शाला हॉल का शिलान्यास

फुलेरा, (निसं)। कस्बे की ग्राम पंचायत भैंसलाना में प्रजापति समाज की भोजनशाला हॉल का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान प्रजापति समाज समिति द्वारा विधायक कुमावत का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान समाज के कुछ लोगो ने विधायक के खिलाफ नाराजगी भी जताई इस पर विधायक कुमावत ने कहा कि पहले भी समाज के सुख दुख में साथ रहा हूं, समाज के लिए में हमेशा खड़ा रहूंगा, विरोध भी अपने ही करते हैं पर मुझे इस बात से किसी से कोई नाराजगी नही है। इस मौके पर समिति अध्यक्ष बजरंग लाल बगरानिया, सुरेन्द्र ढूंढ़ाडा, कमला चौधरी सरपंच, बंशी लाल एचरा,पप्पूलाल प्रजापत, सीताराम प्रजापत, जयनारायण प्रजापत, कालूराम मारवाल, विजय कुमार प्रजापत, बद्रीलाल शर्मा,गोपाल प्रजापत, रामरतन प्रजापत, गोविंदराम सारडीवाल बनवारी प्रजापति, मदन लाल सहित समाज के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जिनिंग फैक्ट्री की भूमि पर चल रहे तार फैशिंग कार्य को रूकवाने की मांग

जिनिंग फैक्ट्री के रूई पेच भूमि से जुड़ा मामला

मालपुरा, (निसं)। शहर के आदर्श नगर आवासीय कॉलोनी के पास जयपुर भीलवाडा-स्टेट हाईवे से सटी एवं वर्ष 1956 में आवंटित जिनिंग फैक्ट्री के रूई पेच की 9 बीघा भूमि का आवंटी के वारिसान के नाम नामान्तरण खोले जाने के लिए पालिका की साधारण सभा व एम्पावर्ड कमेटी के अनुमोदन सहित 35 में से 24 पार्षदों की लिखित सहमति व सम्बन्धित वार्ड पार्षद की एनओसी के बाद खोले गये नामान्तरण पर सवालियां निशान लगाते हुए पार्षदों के प्रतिनिधि मंडल ने 29 पार्षदों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंप सवालियां निशान लगाने से पार्षदों की कारगुजारी जगजाहिर हुई।

भाजपा व कांग्रेस सहित निर्दलीय खेमे के 29 पार्षदों के हस्ताक्षरों का एक ज्ञापन प्रतिनिधि मंडल द्वारा एसडीएम महिपाल सिंह को सौंप जिनिंग फैक्ट्री की आवंटित भूमि को नगरपालिका की सम्पत्ति बताते हुए उक्त भूमि पर चल रहे तार फैशिंग कार्य को रूकवाने की मांग की गई। एसडीएम के आदेशों पर पालिका ईओ द्वारा कार्य रूकवा दस्तावेज तलब किये जाने के आदेश जारी किये गये।

24 पार्षदों की लिखित सहमति के बाद भी जताई गई आपत्ति पर भूमि मालिक द्वारा मय दस्तावेजों के अधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रखा गया तो पार्षदों की नियत्ति व कारगुजारियां जगजाहिर हो गई तो विरोध का कारण व मकसद आमजन में चर्चा के रूप में पार्षदों की गलफांस बन गया। दस्तावेजों की जांच पड़ताल में सामने आया कि वर्ष 1956 में खसरा नम्बर 2938, 2939, 2940 व 2941 की 9 बीघा भूमि जिनिंग फैक्ट्री के लिए 25 साल के लिये आवंटित की गई थी। क्षेत्र में कपास की खेती लुप्त हो जाने तथा 25 साल की लीज समाप्ति होने पर भूमि मालिक द्वारा लीज बढाने के लिए राज्य सरकार के समक्ष आवेदन कर 99 वर्ष के लिए लीज बढा उक्त भूमि को आबादी में कास्त परिवर्तन करवाने के लिए पालिका में आवेदन किया गया।

जिस पर वर्ष 2001 मे तत्कालीन पालिका अध्यक्ष सुवालाल कनोजिया के आदेशों पर लीज डीड पट्टा राशि एकमुस्त पालिका कोष में जमा करवाने पर प्रार्थी को जिनिंग फैक्ट्री की भूमि का आवासीय पट्टा जारी किया गया। वर्ष 2022 में हुई पालिका बोर्ड की बैठक में रूई पेच की भूमि की पत्रावली का अनुमोदन होने व एम्पावर्ड कमेटी से भी अनुमोदन होने पर सामग्री क्रय एवं संविदा पालिका अधिनियम 1977 के तहत स्वायत शासन विभाग के आदेशों, सम्बन्धित वार्ड पार्षद की एनओसी व बोर्ड के 24 पार्षदों की लिखित सहमति व अनापत्ति प्रमाण पत्र के बाद फरवरी 2023 में उक्त भूमि का नामान्तरण खोला गया है तथा भूमि मालिक की ओर से अनुमानित 10 लाख से अधिक का यूडीएच टैक्स राजकोष में जमा करवाया गया। लेकिन बीते दिन 29 पार्षदों के हस्ताक्षरों का एक ज्ञापन एसडीएम को सौंप उक्त भूमि पर अतिक्रमण करने तथा बोर्ड बैठक व एम्पावर्ड कमेटी की सहमति नहीं होने का दावा करने पर प्रार्थी पक्ष में 24 पार्षदों के सहमति पत्र व अन्य दस्तावेज सार्वजनिक किये जाने के बाद विरोध में उठे पार्षदों की नियत व पर्दे के पिछे से शुरू किये गये खेल का सारा माजरा जगजाहिर हो गया। जो कि शहर में चर्चा का विषय बन अब पार्षदों की ही गले की फांस बनता प्रतीत हो रहा है।

वर्ष 1956 में जिनिंग फैक्ट्री के लिए आवंटित भूमि पर तार फैशिंग के दौरान विवाद उपजा।

- पालिका की साधारण सभा व एम्पावर्ड कमेटी के अनुमोदन सहित 24 पार्षदों की लिखित सहमति पर पार्षदों ने ही एसडीएम को ज्ञापन सौंप लगाया सवालिया निशान

विधायक ने पदभार संभाला

जमवारामगढ़, (निसं)। जमवारामगढ़ विधायक गोपाल मीणा ने रविवार को जयपुर जिला कांग्रेस देहात जिलाध्यक्ष का पदभार संभाला।

जैयपुर सिरसी रोड निजी विवाह स्थल में जिलाध्यक्ष शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। शपथग्रहण समारोह में जमवारामगढ़ सहित जिले के अन्य ब्लॉक से कांग्रेस कार्यकर्ता सैंकड़ों की संख्या में शामिल हुए। विधायक गोपाल मीणा वर्ष 2008 व 2018 में दो बार जमवारामगढ़ से विधायक हैं। समारोह समापन के बाद विधायक गोपाल मीणा जिला देहात कार्यालय जोहरी बाजार पहुंचे। वहां उन्होंने जिलाध्यक्ष का कार्यभार संभाला। शपथग्रहण समारोह सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक 5 घंटे तक चला।

आम सूचना सर्वसाधारण को मेरे अभिभाष्य रजिउजका खान पुत्र श्री हशमतुल्ला खान, प्लाट नं.832, राम नगर, शास्त्री नगर, जयपुर की ओर से सूचित करता हूं कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र राहतुल्ला खान व पुत्रवधु नाजमीन बानो उनके कहने में नहीं है तथा उनसे मेरे अभिभाष्य को जान, माल व इज्जत का खतरा है। मेरे अभिभाष्य ने दोनों व इनके बच्चों को अपनी सम्पति से बेदखल कर दिया है तथा उनसे कोई लेना देना नहीं है। कोई व्यक्ति या संस्था इनसे लेन देन करता है, तो उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी तथा पुत्र पुत्रवधु के मध्य कोई विवाद होता है तो मेरे अभिभाष्य का कोई लेना देना नहीं होगा।
(फारूक अली) एडवोकेट, मो.9950570608

खोया पाया

मेरी पुत्री कोमल कायत के शैक्षिणक दस्तावेजों में मेरा नाम राजेश कायत एवं राजेंद्र कुमार धानका अंकित है भविष्य में मेरी पुत्री को कोमल कायत पुत्री श्री राजेंद्र कुमार निवासी भाटेड, दादिया, सांगानेर, जयपुर के नाम से जाना जाये।

I have changed my name from Devika Lalwani to Pooja Lalwani W/o Vinod Lalwani for all purpose. Resi.: 214, Katewa Nagar, Gurjar Ki Thadi, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur.

जायसवाल ने घरेलू क्रिकेट में फर्स्ट क्लास और वनडे दोनों मैचों में दोहरा शतक बनाया है। उनका आईपीएल 2023 का प्रदर्शन सोने पर सुहागा है। उन्हें आगामी (टी20) विश्व कप के लिए भी चुना जाना चाहिए।
-गौतम गंभीर

पूर्व भारतीय क्रिकेट, यस्सवी जायसवाल के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वेरा ज्वोनारेवा

पोलैंड ने रूस की टेनिस खिलाडी वेरा ज्वोनारेवा को अपने देश में प्रवेश करने से रोक दिया जिन्हें यहां डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट में भाग लेना था। पोलैंड के आंतरिक मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि विश्व में पूर्व नंबर दो खिलाड़ी ज्वोनारेवा को बॉर्डर गार्ड ने देश में प्रवेश करने से रोक दिया। वह फ्रांस के वीजा पर बेलठोड से यहां पहुंची थी। वह वारसॉ हवाई अड्डे के पारगमन क्षेत्र में ही रहीं और उन्होंने शनिवार को पॉडगोरिका, मोंटेनेग्रो के लिए उड़ान भरी। वर्तमान में विश्व के 60वें नंबर के खिलाड़ी ज्वोनारेवा को पीएनबी परिबास वारसॉ ओपन में भाग लेना था जो सोमवार से शुरू हो रहा है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

हरमनप्रीत कौर पर लगेगा चार डिमेरिट अंक, 75 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना

ढाका, 23 जुलाई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को बंगलादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में उनके व्यवहार के लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा चार डिमेरिट अंक मिल सकते हैं। क्रिकबज़ की ओर से प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, एक मैच अधिकारी ने कहा कि हरमनप्रीत ने द्वितीय स्तरीय अपराध किया जिसके लिये उन्हें चार डिमेरिट अंक मिलने के अलावा मैच फीस का 75 प्रतिशत जुर्माना भरना होगा।

शेर-ए-बंगला स्टेडियम पर शनिवार को खेले गये मुकाबले में हरमनप्रीत ने आउट होने पर अपना बल्ला स्टंप्स पर मारा था और अंपायर तनवीर अहमद के साथ उनकी तीखी नोकझोंक भी हुई थी। मैच के बाद प्रेजेंटेशन समारोह में उन्होंने अंपायरिंग मानकों की आलोचना की थी। क्रिकबज के अनुसार, मैच अधिकारी ने कहा, ''मैदान पर हुई घटना (विकेट को तोड़ना) के लिये उन पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि प्रेजेंटेशन समारोह में उन्होंने जिस तरह से अपना प्रतिनिधित्व किया, उसके लिये उनपर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा।'' रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें मैदान पर हुई घटना के लिये तीन डिमेरिट अंक और प्रस्तुति समारोह में अंपायरों पर आरोप लगाने के लिये एक और डिमेरिट अंक मिलेगा। उल्लेखनीय है कि ट्रॉफी समारोह के दौरान हरमनप्रीत ने बंगलादेश की कप्तान निगार सुल्ताना से भी कुछ कहा था, जिसके बाद बंगलादेश की टीम ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाए बिना ही ड्रेसिंग रूम लौट गयी थी।

जमैका ने फ्रांस को ड्रॉ पर रोका, स्वीडन जीता

सिडनी, 23 जुलाई। विश्व रैंकिंग में 43वें नंबर की जमैका ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के अपने पहले मैच में रविवार को विश्व नंबर पांच फ्रांस को ग्रुप-एफ मुकाबले में गोलरहित ड्रॉ पर रोक लिया। पिछले साल की यूरोपीय चैंपियनशिप में सेमीफाइनल तक पहुंचे वाला फ्रांस गेंद को ठीक तरह पास नहीं कर सका, जबकि जमैका ने आक्रामक खेल के दम पर पहली बार विश्व कप में अंक अर्जित किया। जमैका ने 2019 फीफा महिला विश्व कप में पदार्पण किया था लेकिन उस समय उसे अपने तीनों मुकाबलों में हार मिली थी। मुकाबले की शुरुआत में फ्रांस की कप्तान वेंडी रेनर्ड और जमैका की कप्तान ख़दीजा शॉ के बीच टक्कर हुई, और दोनों को कुछ देर के लिये मैदान से वापस जाना पड़ा। दोनों खिलाड़ी चिकित्सीय सहायता के बाद पिच पर लौट आये, हालांकि शॉ को मुकाबला खत्म होने से पहले उनकी शारीरिक आक्रामकता के कारण लाल कार्ड (90 2वां मिनट) दिखाकर मैदान से बाहर कर दिया गया। फॉरवर्ड कदिदिआतोउ डियानी ने 90वें मिनट में फ्रांस का विजयी गोल कर दिया होता लेकिन उनका मजबूत हेडर क्रॉसबार से जा लगा। जमैका ने राहत की सांस ली और अंततः मुकाबला ड्रॉ करवाया। ब्रिस्बेन में शनिवार को ग्रुप-एफ मैच में फ्रांस का सामना ब्राजील से होना है, जबकि जमैका उसी दिन पर्थ में स्ट्राइकर खदीजा शॉ के बिना पनामा से भिड़ेगी। इस बीच, वेलिंगटन में खेले गये दिन के एक अन्य मुकाबले में स्वीडन ने दक्षिण अफ्रीका को 2-1 से मात दी। ग्रुप-जी मैच में स्वीडन के लिये फ्रिडोलीना रोल्फो (65वां मिनट) और अमांडा लेस्टेड (90वां मिनट) ने गोल किये। दक्षिण अफ्रीका का गोल हिल्डा मगाया (48वां मिनट) ने किया। नीदरलैंड ने ग्रुप-ई मैच में स्टेफनी वैन डर ग्राट (13वां मिनट) के गोल के दम पर पुर्तगाल को 1-0 से परास्त किया।

नागल टाम्पेरे ओपन के चैम्पियन बनें

टाम्पेरे (फिनलैंड), 23 जुलाई। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने यहां चेक गणराज्य के डेलिबोर सिवरसिना को सीधे सेटों में हराकर टाम्पेरे ओपन का खिताब जीत लिया।

नागल ने सिवरसिना को 6-4, 7-5 से पराजित किया। यह नागल का पांच मुकाबलों में चौथा एटीपी चैलेंजर खिताब है। यह उनका साल का दूसरा खिताब है। वह इससे पहले अप्रैल में रोम में गार्डन ओपन चैम्पियन बने थे। मैच में नागल की शुरुआत खराब रही। उन्होंने अपना पहली सर्विस गंवा दी और वह 0-3 और 1-4 से पिछड़ रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद शानदार वापसी की और चेक गणराज्य के खिलाड़ी की सर्विस को तीन बार तोडा। बेसलाइन से दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया। नागल इस लय को दूसरे सेट के शुरुआत में बरकरार रखने में सफल रहे। उन्होंने सिवरसिना की सर्विस को तोड़कर 4-1 की बढ़त हासिल कर ली। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिवरसिना ने इसके बाद वापसी की और स्कोर 3-5 और फिर 5-5 किया। नागल ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए सिवरसिना की सर्विस तोड 6-5 की बढ़त बनायी और और फिर आखिरी सेट को जीत कर एक घंटे 44 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम किया।

विंबलडन चैंपियन अल्करेज की होपमैन कप में एक और जीत

नीस (फ्रांस), 23 जुलाई। विंबलडन चैंपियन कार्लोस अल्करेज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए होपमैन कप टेनिस टूर्नामेंट में क्रोएशिया के विश्व में 15वें नंबर के खिलाड़ी बोर्ना कोरिच को 6-3, 6-7(6) 10-5 से हराया। स्पेन के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अल्करेज ने विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को पांच सेट तक चले कड़े मैच में हराया था।

सिराज का पंजा, भारत ने बनाई बढ़त

पोर्ट ऑफ स्पेन, 23 जुलाई। मोहम्मद सिराज (60/5) के टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद रोहित शर्मा (44 गेंद, 57 रन) के विस्फोटक अर्द्धशतक की बदौलत भारत ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन रविवार को लंच तक 281 रन की बढ़त हासिल कर ली।

भारत ने दिन की शुरुआत में विंडीज़ को 255 रन पर ऑलआउट कर 183 रन की बढ़त बनायी। इसके बाद रोहित ने जायसवाल (37 नाबाद) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिये 98 रन की साझेदारी कर डाली।

वेस्ट इंडीज के लिये कप्तान क्रेग ब्रैथवेट ने सर्वाधिक 75 रन बनाये, जबकि उनके अलावा टीम का कोई बल्लेबाज अर्द्धशतक तक नहीं पहुंच सका। सिराज ने पांच विकेट चटकाये, जबकि मुकेश कुमार और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट हासिल हुए। रविचंद्रन अश्विन ने एक विकेट लिया। वेस्ट इंडीज ने मैच के तीसरे दिन बेहतरीन डिफेंस के दम पर 229/5 का स्कोर खड़ा किया था, लेकिन चौथे दिन उसने सिर्फ 50 मिनट के अंदर अपने अंतिम पांच विकेट गंवा दिये।

युवा प्रतिभा मुकेश कुमार ने दिन की शुरुआत एलिक अथानाज़ (115 गेंद, 37 रन) को पगबाधा आउट करके की, जबकि सिराज ने अगले ही ओवर में जेसन होल्डर को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैचआउट करवाया। मुकेश के एक ओवर में दो चौके जाने के कारण वेस्ट इंडीज ने फॉलोऑन टाल लिया।

लेकिन सिराज ने बिना समय गंवाये अल्ज़ारी जोसेफ़, केमार रोच और शैनन गैब्रियल को आउट कर कैरिबियाई टीम की पारी समाप्त की। विशाल बढ़त के साथ भारत वेस्ट इंडीज पर आक्रमण कर सकता था, जो पहले सत्र के आखिरी एक घंटे में देखने को मिला। जायसवाल ने पहले ही ओवर में एक छक्का और एक चौका जड़कर अपनी मंशा साफ कर दी। रोहित ने भी अगले ओवर की शुरुआत चौका लगाकर की और यह जोड़ी 5.3 ओवर में 50 रन की साझेदारी तक पहुंच गयी। टेस्ट क्रिकेट में पहले विकेट के लिये भारत की सबसे तेज अर्द्धशतकीय साझेदारी करने वाले रोहित और जायसवाल को एक-एक जीवनदान भी मिला। रोहित ने इसका फायदा उठाते हुए 44 गेंद पर पांच चौकों और तीन छक्कों के साथ 57 रन बनाये।

जायसवाल के साथ 98 रन की साझेदारी करने के बाद रोहित अल्ज़ारी जोसेफ़ को कैच देकर पवेलियन लौटे, जबकि एक गेंद बाद बारिश के कारण अंपायर ने सत्र समाप्त करने का फैसला लिया।

सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी ने कोरिया ओपन में साल का चौथा खिताब जीता

येओसु (कोरिया), 23 जुलाई। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोडी ने अपना स्वप्निल प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की शीर्ष वरीय जोड़ी पर फाइनल में तीन गेम की जीत से कोरिया ओपन पुरुष युगल खिताब जीत लिया।

साल का चौथा फाइनल खेल रही दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने दो बार के विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता अल्फियान और आर्दियांतो की जोड़ी को सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबले में 17-21 21-13 21-14 से पराजित किया। इस तरह सात्विक और चिराग की 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन जोड़ी ने लगातार मैचों में जीत की संख्या 10 कर ली और अपनी उपलब्धियों में इजाफा किया। भारतीय जोड़ी ने इस साल स्विस ओपन, एशियाई चैम्पियनशिप और इंडोनेशिया ओपन जीता है।

इस जोड़ी का एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता अल्फियान और आर्दियांतो के खिलाफ जीत का रिकार्ड 2-2 से बराबर था जिसमें से अंतिम दो मौकों पर उन्होंने इंडोनेशियाई जोड़ी को पराजित किया था। शुरु में हालांकि भारतीय खिलाड़ी थोड़े धीमे लगे जिससे वे पहले गेम में पिछड़ रहे थे। लेकिन गेम के अंत में उन्होंने वापसी करते हुए छह अंक जुटाकर अंतर 10-19 कर दिया, फिर भी इसे अपने नाम नहीं कर सके। भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे गेम में दबदबा बनाया और तीसरे गेम को जीतकर खिताब अपनी झोली में डाला। इंडोनेशियाई जोड़ी ने तेज तर्रार सपाट रैलियों से 4-2 की बढ़त बना ली और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों को आक्रामक होने का मौका ही नहीं दिया। सात्विक और चिराग को गलतियों से भी नुकसान हुआ और ब्रेक तक वे सात अंक से पिछड़ रहे थे। भारतीय जोड़ी ने फिर कुछ अंक तेजी से जुटाये लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने 16-7 से बढ़त बना ली थी। आर्दियांतो ने एक स्मैश लगाया जिससे वे 19-11 से आगे हो गये। भारतीय जोड़ी ने अगले तीन अंक हासिल किये और एक रोमाचंक रैली खेली जिसमें इंडोनेशियाई खिलाड़ी का शॉट नेट में लगा। सात्विक का लगाया गया स्मैश शॉट अंतर तीन अंक करने में सफल रहा लेकिन अगला शॉट वाइड चला गया जिससे इंडोनेशिया के पास चार गेम प्वाइंट हो गये और उसने पहला गेम हासिल किया। दूसरा गेम बराबरी की टक्कर से आरंभ हुआ जिसमें दोनों जोड़ियों ने कुछ शानदार रैलियां भी खेली। भारतीय जोड़ी ने तेज और ताकतवर शॉट से रैलियों में दबदबा बनाया। भारतीय खिलाड़ियों ने 6-4 की बढ़त को 10-8 तक बरकरार रखा जिसमें सात्विक ने अपना पसंदीदा स्मैश भी लगाया। ब्रेक तक भारत ने तीन अंक की बढ़त हासिल कर ली थी। फिर चिराग के क्रास कोर्ट रिटर्न से यह 17-11 हो गया। जल्द ही सात्विक और चिराग ने नौ गेम प्वाइंट हासिल किये। इनमें से दो उन्होंने गंवा दिये जिसके बाद यह गेम अपने नाम कर निर्णायक गेम में पहुंचे। तीसरे गेम में सात्विक और चिराग पूरी तरह से दबदबा बनाये थे जिससे उनकी बढ़त 9-6 हो गयी जो ब्रेक तक 11-8 रही। भारतीयों ने फिर आक्रामक खेल दिखाया और दुनिया की नंबर एक जोड़ी पर दबाब बरकरार रखने में सफल रहे। चिराग ने फिर भारत को 13-10 से आगे कर दिया। अल्फिया और आर्दियांतो की सारी कोशिश नाकाम हो रही थीं जिससे भारतीय जोड़ी 18-12 से आगे हो ली। अल्फियान ने शानदार बैकहैंड रिटर्न दिया लेकिन अगले को नेट में गिरा बैठे जिससे भारतीयों को सात मैच प्वाइंट मिले। पहले का वे फायदा नहीं उठा सके लेकिन अगले को अंक में तब्दील कर 'गंगनम' स्टाइल के डांस से जीत का जश्न मनाया। शनिवार को भारतीय जोड़ी ने चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी पर सीधे गेम में रोमांचक जीत से फाइनल में प्रवेश किया था।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन बारिश के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी जिससे ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला ड्रॉ रहने के साथ एशेज ट्रॉफी बरकरार रखी। ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है जबकि अब सिर्फ एक मैच खेला जाना बाकी है। इंग्लैंड श्रृंखला जीतने की स्थिति में ही एशेज अपने पास रखता। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को दूसरी पारी में पांच विकेट पर 214 रन बनाए थे और वह पहली पारी के आधार पर मेजबान इंग्लैंड से 61 रन पीछे था। शनिवार को भी बारिश के कारण सिर्फ 30 ओवर का खेल हो पाया था।

थिरिमाने ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

कोलंबो, 23 जुलाई। श्रीलंका के वामहस्त बल्लेबाज लाहिरू थिरिमाने ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अपने 13 साल के करियर में 44 टेस्ट, 127 एकदविसीय और 26 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके थिरिमाने ने शनिवार को अपने फेसबुक पेज पर इसकी घोषणा की।

थिरिमाने ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, ''एक खिलाड़ी के रूप में मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है, मैंने खेल का सम्मान किया है और मैंने अपनी मातृभूमि के प्रति ईमानदारी और नैतिक रूप से अपना कर्तव्य निभाया है।'' उन्होंने कहा, ''यह निर्णय लेना मुश्किल था, लेकिन मैं यहां उन कई कारणों का जिक्र नहीं कर सकता, जिन्होंने मुझे यह फैसला लेने के लिये मजबूर किया।

मैं इस अवसर पर एसएलसी (श्रीलंका क्रिकेट) के सदस्यों, मेरे कोचों, टीम के साथियों, फिजियो, प्रशिक्षकों और विश्लेषकों को उनके समर्थन एवं प्रोत्साहन के लिये धन्यवाद देता हूं।''थिरिमाने ने मीरपुर में 2010 में भारत के खिलाफ त्रिकोणीय एकदिवसीय शृंखला में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की। वह 2014 में श्रीलंका के विजयी एशिया कप अभियान में दो शतक जड़कर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे। साथ ही वह टी20 विश्व कप 2014 जीतने वाली श्रीलंकाई टीम का हिस्सा भी थे। एकदिवसीय क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ साल 2015 रहा जब उन्होंने विश्व कप में शतक जड़ते हुए 861 रन बनाये। टेस्ट क्रिकेट में थिरिमाने ने तीन शतक बनाये। खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उनका आखिरी मुकाबला पिछले साल भारत के खिलाफ बेंगलुरु में खेला गया। थिरिमाने ने अपना करियर टेस्ट में 2088 रन, वनडे में 3194 रन और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 291 रन के साथ समाप्त किया।

जोशुआ डि सिल्वा ने खुलासा किया, कोहली ने कैसे उनकी मां का दिन बना दिया

पोर्ट ऑफ स्पेन, 23 जुलाई। भारतीय टीम क्वींस पार्क ओवल में चल रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट में वेस्टइंडीज पर दबदबा बनाये है जिसमें विराट कोहली की 121 रन की पारी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही है। मैदान के अलावा क्रीज के बाहर भी इस 34 साल के भारतीय क्रिकेटर ने प्रभावित किया, जब वह कैरेबियाई विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा की मां से मिले। त्रिनिदाद के इस खिलाड़ी ने इस मुलाकात का जिक्र किया जिसमें उनकी मां कोहली से गले मिली। जोशुआ ने खुलासा किया कि इस मुलाकात से उनकी मां का दिन तो बना ही, पर साथ ही पूरे साल में उनके लिए इस मुलाकात से बेहतर चीज कुछ नहीं होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गयी एक वीडियो में जोशुआ ने कहा कि उनकी मां अपने बेटे के बजाय इस भारतीय करिश्माई खिलाड़ी से मिलने के लिए स्टेडियम पहुंची थी।

एशियाई खेलों की दौड़ से बाहर हुए रवि दहिया

नयी दिल्ली, 23 जुलाई। महाराष्ट्र के आतिश टोडकर ने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित कुश्ती ट्रायल में रविवार को हराकर एशियाई खेलों की दौड़ से बाहर कर दिया। टोडकर 57 किग्रा के बाउट में दहिया से 4-6 से पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की और 20-8 की अजेय बढ़त हासिल कर मुकाबला जीत लिया। टोडकर ने अपनी तेज रफ्तार के साथ रवि के सभी दांव असफल किये और लगातार उन्हें चकमा दिया। रवि मार्च 2023 में लगी घुटने की चोट से उभरने के बाद पहली बार मैट पर उतरे थे।

इस बीच, महिला वर्ग में विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता सरिता मोर और अंशू मलिक एशियाई खेलों की टीम में जगह बनाने में असफल रहीं। सरिता सेमीफाइनल में जूनियर विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मानसी अहलावत से हार गईं, जिन्होंने बाद में साथी जूनियर पहलवान सीतो को हराकर ट्रायल जीता। दूसरी ओर,, 2022 अंडर-20 विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल ने फाइनल में मंजू को हराने से पहले 53 किग्रा वर्ग में अपना दबदबा बरकरार रखा। इस भार वर्ग में हालांकि विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के लिये बिना ट्रायल चुन लिया गया है। अंतिम ने इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने का फैसला किया है।

अब मुक्केबाजों ने उठाये एशियाई चैम्पियनशिप की चयन प्रक्रिया पर सवाल

भिवानी, 23 जुलाई। पहलवानों के बाद अब हरियाणा के मुक्केबाजों ने एशियाई चैम्पियनशिप के लिये चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाये हैं तथा इसे पूर्णतया गलत बताया है।

मिनी क्यूबा के नाम से जानी जाने वाली भिवानी में रविवार को पहुंचे अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजों ने नई चयन प्रक्रिया को गलत बताया और कहा कि इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। मुक्केबाज विजेंदर ने कहा कि इससे अनुभवी खिलाड़ी पिछड़ेंगे तथा गुलामी और चाटुकारिता बढ़ेगी।

51 किलोग्राम भार वर्ग में विश्व के नम्बर एक मुक्केबाज अमित पंघाल ने कहा कि नई प्रक्रिया के तहत ट्रायल की बजाय सिर्फ हाजिरी और फिटनेस के आधार पर चयन किया जा रहा है जो ग़लत है। उन्होंने कहा कि उनके मुक़ाबले जिस मुक्केबाज का चयन हुआ है उसे वह कई बार हरा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नई चयन प्रक्रिया से खिलाड़ी खेल में चाहे जितनी जान लगा दे पर सारे अधिकार विदेशी कोचों के हाथ में है, जो चहेतों का चयन कर रहे हैं। वहीं विजेंदर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ आत्मनिर्भर बनने को कहते हैं और दूसरी तरफ़ चयन के लिए विदेशों से कोच आते हैं। इस नई चयन प्रक्रिया से अनुभवी मुक्केबाज पिछड़ जाएंगे और जी हजूरी वालों को ही मौका मिलेगा।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने शॉट खेलने तक का प्रयास नहीं किया : म्हाम्ब्रे

पोर्ट ऑफ स्पेन, 23 जुलाई। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने दूसरे टेस्ट मैच के लिए उपयोग की जा रही पिच को बल्लेबाजी के लिए बेहद धीमी करार देते हुए शॉट खेलने का प्रयास तक नहीं करने के लिए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की आलोचना की। वेस्टइंडीज दो मैचों की श्रृंखला में अभी 0-1 से पीछे है। उसने दूसरे टेस्ट में भारत के 438 रन के जवाब में तीसरे दिन रन बनाने के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं किए। कैरेबियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 229 रन बनाए थे और वह भारत से 209 रन पीछे है।

म्हाम्ब्रे ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' पिच बेहद धीमी और बल्लेबाजी के लिए बहुत आसान है। दिन का खेल समाप्त होने तक यह थोड़ा टर्न लेने लग गई थी। वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी में बेहद रक्षात्मक रवैया अपनाया। जब बल्लेबाज शॉट खेलने का प्रयास करता है तो विकेट लेने का भी मौका होता है लेकिन उन्होंने ऐसी कोशिश ही नहीं की।'' उन्होंने कहा,'' हमारे गेंदबाजों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्हें जो भी मौके मिले उन्होंने उसका फायदा उठाया। '' मुंबई के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा,'' पिच जीवंत होनी चाहिए। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लिए संतुलन होना चाहिए। डोमिनिका की पिच में टर्न था लेकिन हमने परिस्थितियों का बेहतर इस्तेमाल किया। इस पिच पर हालांकि 20 विकेट लेना मुश्किल होगा।'' भारतीय गेंदबाजी कोच ने अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के प्रदर्शन पर संतोष जताया जिन्होंने किर्क मैकेंजी के रूप में अपना पहला विकेट लिया।

म्हाम्ब्रे ने कहा,'' पहले सत्र में पहली गेंद करने के बाद उसने जो प्रगति दिखाई उससे मैं काफी खुश हूं। दूसरे सत्र में उसने गेंद को कुछ मूव किया। यह वास्तव में अच्छा प्रयास था।''

पेड्रो काचिन ने स्विस ओपन खिताब जीता

गस्टाड (स्विट्जरलैंड), 23 जुलाई। अर्जेंटीना के पेड्रो काचिन ने रविवार को यहां फाइनल में एलबर्ट रामोस विनोलास को 3-6, 6-0, 7-5 से हराकर स्विस ओपन टेनिस टूर्नामेंट खिताब जीत लिया। 90वीं रैंकिंग पर काबिज इस खिलाड़ी के करियर का यह पहला खिताब है जिसकी बदौलत वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 54 की ओर पहुंच जायेंगे।

गर्दन और टखने की चोट के कारण इस 28 साल के खिलाड़ी का करियर तेजी से आगे नहीं बढ़ सका, उन्होंने एक साल पहले पहली बार शीर्ष 100 में वापसी की थी। काचिन के नाम दूसरे टीयर के चैलेंजर टूर में छह करियर खिताब हैं। इस टूर्नामेंट से खेलने से पहले वह विम्बलडन के पहले दौर में नोवाक जोकोविच से हार गये थे।

जूनियर एशियाई जूडो चैंपियनशिप में भारत को तीन स्वर्ण सहित पांच पदक

नयी दिल्ली, 23 जुलाई। भारत ने चीन के मकाउ में चल रही जूनियर एशिया कप जूडो चैंपियनशिप में रविवार को तीन स्वर्ण पदक सहित पांच पदक जीते।

महिला 48 किग्रा वर्ग में अस्मिता डे ने स्वर्ण पदक जीता जबकि उन्नित शर्मा (63 किग्रा) और अरूण कुमार (73 किग्रा) भी स्वर्ण पदक जीतने के सफल रहे। अस्मिता शुरुआती दौर में ग्रुप डी में शीर्ष पर रही। उन्होंने हांगकांग की सुएत यीयू टेंग को हराया और मुख्य वर्ग के पहले दौर में उन्हें बाई मिली। उन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की एशलिन डो को हराने के बाद फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया की ही एनेलीस फील्डर को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। उन्नित ने ग्रुप सी में स्थानीय दावेदार इयान आई लेई को हराकर नॉकआउट में जगह बनाई। उन्होंने इसके बाद मंगोलिया की मारलमा खुरेलचुलुन और ऑस्ट्रेलिया की राइली रामेटा को क्रमशः सेमीफाइनल और फाइनल में हराकर खिताब अपने नाम किया। अरूण ने भी ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया के दिमित्रियोस जियांटसियोस को हराकर अच्छी शुरुआत की। उन्होंने इसके बाद दक्षिण कोरिया के जिमिन लिम को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल में अरूण ने सऊदी अरब के मियामानी अब्दुलराऊ को हराने के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के कोहसेई तोयोशिमा को शिकस्त दी।सौ किग्रा से अधिक वर्ग में चुनौती पेश कर रहे यश घंगास को फाइनल में मंगोलिया के खानगरिद गांटुल्गा के खिलाफ शिकस्त के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

पाक ने लगातार दूसरी बार जीता इमर्जिंग एशिया कप

कोलंबो, 23 जुलाई। पाकिस्तान-ए ने पुरुष इमर्जिंग एशिया कप 2023 के फाइनल में रविवार को भारत-ए को 128 रन से रौंदकर लगातार दूसरी बार यह खिताब जीत लिया। गत चैंपियन पाकिस्तान-ए ने तैयब ताहिर (71 गेंद, 108 रन) के आतिशी शतक के दम पर भारत-ए के सामने 353 रन का विशालकाय लक्ष्य रखा। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने सुफियान मुक़ीम (66/3) की अगुवाई में भारत-ए को 224 रन पर ऑलआउट कर उसे 10 साल बाद चैंपियन बनने से रोक दिया। सैम अय्यूब (51 गेंद, 59 रन) और साहिबज़ादा फरहान (62 गेंद, 65 रन) के अर्द्धशतकों के बावजूद पाकिस्तान-ए 187/5 के स्कोर पर संघर्ष कर रही थी, जिसके बाद ताहिर ने शतक जड़कर टीम को 352 रन के स्कोर तक पहुंचाया। भारत-ए ने इसके जवाब में अच्छी शुरुआत की, लेकिन स्पिनरों के आगे मध्यक्रम की असफलता टीम पर भारी पड़ी। भारतीय टीम देखते ही देखते 132/2 से 194/8 पर पहुंच गयी। पुछल्ले बल्लेबाजों ने विकेट पर कुछ समय बिताया लेकिन वह सिर्फ हार के अंतर को ही कम कर सके। पाकिस्तान-ए ने 2019 में पहली बार चैंपियन बनने के बाद दूसरी बार यह खिताब जीता है। साल 2013 में चैंपियन बनने वाली भारतीय टीम पांच में से दो आयोजनों में उपविजेता रही है।

पाकिस्तान-ए द्वारा दिये गये 353 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत-ए की शुरुआत तेज़ रही थी। भारत-ए छह ओवर में 56 रन बनाकर अच्छी लय में दिख रहा था जिसके बाद पाकिस्तान-ए ने रनगति पर लगाम कसना शुरू की। अगले दो ओवरों में सिर्फ छह रन आए और साई सुदर्शन (28 गेंद, चार चौके, 29 रन) दबाव में आकर नौंवे ओवर में आउट हो गये।

क्रीज पर 15 गेंदें बिताने के बाद निकिन होज़े 11 रन बनाकर मोहम्मद वसीम जूनियर का शिकार हुए। शुरुआती झटकों के बाद भारत की क्षीण होती जीत की संभावनाओं को अभिषेक शर्मा ने बरकरार रखा। अभिषेक ने 44 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा करते हुए यश ढुल के साथ 52 रन की साझेदारी की।

अभिषेक-ढुल की जोड़ी भारत की जीत के लिये निर्णायक साबित हो सकती थी। वामहस्त स्पिनर सुफियान मुक़ीम ने दोनों के विकेट लेकर भारत को करारा झटका दिया। अभिषेक ने 51 गेंद पर पांच चौकों और एक छक्के की सहायता से 61 रन बनाये, जबकि ढुल ने 41 गेंद पर चार चौके लगाकर 39 रन की पारी खेली।

मुबश्शिर खान ने इस बीच निशांत सिंधु को पवेलियन लौटाया, जबकि मेहरान मुमताज़ ने ध्रुव जुरेल और रियान पराग के रूप में भारत के आखिरी बल्लेबाजों को आउट कर दिया। सुफियान ने अपना स्पेल समाप्त होने से पहले हर्षित राणा (13) का भी विकेट चटकाया।

राजवर्धन हांगरगेकर (11), मानव सुथर (सात नाबाद) और युवराज सिंह डोडिया ने पिच पर समय ज़रूर बिताया लेकिन यह महज़ औपचारिकता थी। अरशद इक़बाल ने हांगरगेकर को आउट किया, जबकि मोहम्मद वसीम जूनियर ने युवराज को बोल्ड कर पाकिस्तान की जीत पर मुहर लगायी।

इससे पूर्व, भारत-ए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया लेकिन पाकिस्तान पर दबाव नहीं बना सकी। फरहान और अय्यूब शुरुआत से ही हमलावर रहे और भारतीय गेंदबाजों को लय हासिल करने का मौका नहीं दिया। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाकर पाकिस्तान को 10 ओवर में 69 रन तक पहुंचाया।

अय्यूब 16 रन के स्कोर पर आउट हो गये होते, लेकिन राजवर्धन हांगरगेकर की गेंद नो बॉल होने के कारण उन्हें जीवनदान मिला। सलामी बल्लेबाज ने इसका पूरा फायदा उठाया और 51 गेंद पर सात चौकों एवं दो छक्कों के साथ 59 रन की पारी खेल डाली। फ़रहान 62 गेंद पर चार चौकों और चार छक्कों के साथ अच्छी लय में दिख रहे थे लेकिन उनके रनआउट होने के कारण पाकिस्तान का दूसरा विकेट भी गिर गया।

रियान पराग ने 28वें ओवर में उमैर यूसुफ़ (35) और क़ासिम अकरम (शून्य) को आउट कर तेज़ी से आगे बढ़ रही पाकिस्तानी पारी को कुछ देर के लिये धीमा किया, लेकिन ताहिर ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से सारी कसर पूरी कर दी। ताहिर ने मात्र 71 गेंद खेलकर 108 रन की शतकीय पारी खेली, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल रहे।

पाकिस्तानी टीम अपने अंतिम स्कोर में करीब 20 रन और जोड़ सकती थी लेकिन हांगरगेकर ने ताहिर और मुबश्शिर खान (47 गेंद, 35 रन) को अंतिम ओवरों में चलता किया। हर्षित राणा ने पाकिस्तानी पारी के समापन से पहले मेहरान मुमताज़ (10 गेंद, 13 रन) को आउट किया, जिसके बाद मोहम्मद वसीम जूनियर (10 गेंद, 17 नाबाद) ने एक चौके और एक छक्के की सहायता से पाकिस्तान को 50 ओवर में 352/8 के स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से राणा छह ओवर में 51 रन देकर सबसे महंगे गेंदबाज रहे। उन्हें एक विकेट हासिल हुआ।

बीते कई दिनों से उमस भरी गर्मी से परेशान जयपुर वासियों को रविवार शाम को रिमझिम बारिश के बाद बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने जयपुर सहित प्रदेश में कई जिलों में तेज बारिश की सम्भावना जताई है। जयपुर में बीते एक हफ्ते से बारिश बिल्कुल नदारद सी हो गई थी और तेज उमस भरी गर्मी पड़ने लगी थी। लेकिन रविवार शाम को आई बारिश से एक बार फिर जयपुर का मौसम सुहाना हो गया। खुशनुमा मौसम में सीकर रोड पर सवाई मानसिंह द्वार को बादलों ने ताज पहना दिया और सड़क पर जमे पानी में द्वार के प्रतिबिम्ब ने अद्भूत नज़ारा पेश किया।

-फोटो दिनेश भारद्वाज

कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के मु.मंत्री सिद्धारमैया पर दिये बयान से खलबली

हरिप्रसाद ने कहा कि, वे अच्छी तरह से जानते हैं कि, किसी को मुख्यमंत्री कैसे बनाना है या किसी को पद से कैसे हटाना है

- **हरिप्रसाद ने एडिगा, बिलावा, नामधारी और धीवारा समुदायों की एक बैठक में मु.मंत्री सिद्धारमैया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने उडुपी जिले के करकला में कोटि चेन्नय्या थीम पार्क को पांच करोड़ रुपये प्रदान करने का वादा करने के बाद भी कुछ नहीं करने के लिए सिद्दारमैया की आलोचना की। उन्होंने कहा, सिद्धारमैया राजनीतिक तौर पर मेरी मदद नहीं कर सकते, बल्कि मैं उनकी मदद कर सकता हूं।**
- **गौरतलब है कि, कर्नाटक में चुनाव में जीत के बाद सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री तो बना दिया गया। हालांकि, पार्टी में उस समय मुख्यमंत्री पद किसे दिया जाये इस बात को लेकर पार्टी के अंदर बड़ी खींचतान हुई थी।**

बेंगलुरु, 23 जुलाई (वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी.के. हरिप्रसाद के बयान से कर्नाटक में सत्तारूढ़ दल में खलबली मच गयी है।

दरअसल, हरिप्रसाद ने कहा कि, वे अच्छी तरह से जानते हैं कि किसी को मुख्यमंत्री कैसे बनाना है या किसी को पद से कैसे हटना है। उन्होंने यह बयान एडिगा, बिलावा, नामधारी और धीवारा समुदायों की एक बैठक में कीं। उन्होंने कहा, मैं नहीं झुकूंगा या भीख नहीं मांगूंगा। मैं स्पष्ट कर दूं। अगर कोई अन्याय होता है, तो कोटि चेन्नया (महान तुलुवा जुड़वां नायक) ने कहा है इसका सामना कैसे किया जाए। बेंगलुरु में 49 साल तक राजनीति करना कोई बच्चों का खेल नहीं है।

उन्होंने कहा कि वे पहले ही ऑल इंडिया कांग्रेस काउन्सिल (ए.आई.सी.सी.) की टीम के साथ पांच राज्यों पुडुचेरी, गोवा, झारखंड, हरियाणा और पंजाब में पांच मुख्यमंत्रियों को बनाने भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने उडुपी जिले के करकला में कोटि चेन्नय्या थीम पार्क को पांच करोड़ रुपये प्रदान करने का वादा करने के बाद भी कुछ नहीं करने के लिए सिद्दारमैया की आलोचना की। उन्होंने कहा, वह राजनीतिक तौर पर मेरी मदद नहीं कर सकते, बल्कि मैं उनकी मदद कर सकता हूं।

हरिप्रसाद ने कहा कि वित्तीय आश्वासन दिए जाने के बाद भी मंगलुरु विश्वविद्यालय में गुरुपीठ स्थापित करने के लिए एक पैसा भी नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि एडिगा, बिलावा, नामधारी और दीवारास समुदायों से ज्यादा ईसाई और मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि, कर्नाटक में चुनाव में जीत के बाद सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री तो बना दिया गया। हालांकि पार्टी में उस समय मुख्यमंत्री पद किसे दिया जाये इस बात को लेकर बड़ी कशमकश हुई थी। सिद्धारमैया का मुख्यमंत्री बनना अभी भी निर्विवाद नहीं है वहां डी.के. शिवकुमार खेमे के नेता आये दिन बयानबाजियां करके डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के दावे पेश करते रहते हैं।

यूक्रेन ने 26 हजार से ज्यादा सैनिक खो दिये हैं

- **रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि, युद्ध की शुरुआत से अब तक जवाबी कार्रवाई के दौरान यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने 26,000 से अधिक लोगों को खो दिया है।**

मॉस्को, 23 जुलाई (वार्ता)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि युद्ध की शुरुआत से अब तक जवाबी कार्रवाई के दौरान यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने 26,000 से अधिक लोगों को खो दिया है।

बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पुतिन के साथ बातचीत के दौरान कहा कि जवाबी हमले की शुरुआत के बाद से अमेरिका यूक्रेन के 26,000 लोगों के नुकसान का अनुमान लगा रहा है।

पुतिन ने कहा, "यह आंकड़ा पहले से भी अधिक है।" रूसी नेता ने कहा कि विदेशी सैनिकों को भी "अपनी मूर्खता के कारण" यूक्रेन में बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पुतिन ने कहा, "किसी भी स्थिति में जिन देशों की सरकारें लोगों को संघर्ष क्षेत्र में भेजती हैं, उन देशों के नागरिकों और उन देशों की आम जनता को भी पता होना चाहिए कि वहां क्या हो रहा है। और हम उन देशों की जनता को सूचित करेंगे ताकि वे अपने नेताओं के कार्यों का आकलन कर सकें।"

अस्पताल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठहराया है। आरोपों का जवाब देते हुए अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि किसी भी मरीज की मौत ऑक्सीजन की कमी से नहीं हुई। उन्होंने मौते के पीछा कारण बीमारी बताया है।

हॉस्टल में तीन छात्रों की सांप के डसने से मौत

- **ओडिशा के क्योंझर जिले में यह हृदयविदारक घटना सामने आई है। तीनों छात्रों की उम्र 10 से 12 साल है। पुलिस ने बताया कि, तीनों छात्र फर्श पर बेसुध अवस्था में पाए गए थे।**

भुवनेश्वर, 23 जुलाई। ओडिशा के क्योंझर जिले में हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां एक कोचिंग सेंटर के हॉस्टल में जहरीले सांप के काटने से दो लड़कियों समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। तीनों नाबालिग बताए जा रहे हैं। उनकी उम्र 10 से 12 साल है। पुलिस ने रविवार को मामले की जानकारी देते हुए कहा कि तीनों छात्र फर्श पर बेसुध अवस्था में पाए गए थे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। एक अन्य की हालत गंभीर है।

मिली जानकारी के अनुसार, कोचिंग सेंटर के छात्रावास में हुई इस सनसनीखेज घटना के सामने आने के बाद से वहां रह रहे छात्रों में दहशत का माहौल है।

बारिश और बाढ़: गुजरात, मुंबई, वाराणसी और दिल्ली में आफत बनी

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान पर पहुँच गया है, गुजरात के सात जिलों में बाढ़, वाराणसी में गंगा नदी उफान पर

- **शनिवार को हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली में यमुना नदी का स्तर एक बार फिर खतरे के निशान के ऊपर चला गया है। वाराणसी में भी गंगा नदी उफान पर है यहां भी अगर गंगा नदी के जलस्तर में अगर और वृद्धी हुई तो हालात विकट हो जायेंगे।**
- **गुजरात के नवसारी और जूनागढ़ समेत कई जिलों में जल प्रलय से हुई तबाही से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।**

अहमदाबाद, 23 जुलाई। बारिश के कारण देश के कई राज्य दिल्ली, गुजरात और मुम्बई में स्थिति विकट बनी हुई है। शनिवार को हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली में यमुना नदी का स्तर एक बार फिर खतरे के निशान के ऊपर चला गया है। वाराणसी में भी गंगा नदी उफान पर है यहां भी अगर गंगा नदी के जलस्तर में अगर और वृद्धि हुई तो हालात विकट हो जायेंगे। गुजरात के नवसारी और जूनागढ़ समेत कई जिलों में जल प्रलय से हुई तबाही से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मुम्बई में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण वहां के जलाशय पचास प्रतिशत से ज्यादा भर चुके हैं। अगर मुम्बई में और बारिश हुई तो यहां भी स्थिति खराब हो सकती है।

अहमदाबाद सहित राज्य के दक्षिणी हिस्से और सौराष्ट्र क्षेत्र में भारी बारिश होने से बांधों एवं नदियों में जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया तथा शहरी क्षेत्रों एवं कुछ गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। जूनागढ़ में तो कई कारें और मवेशी पानी की तेज धार में बह गए। वहीं आज अहमदाबाद एयरपोर्ट में भी पानी घुस गया। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति के बारे में जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को गुजरात के दक्षिणी और सौराष्ट्र क्षेत्रों के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई, जिससे शहरी क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और बांधों और नदियों में जलस्तर खतरे के स्तर तक बढ़ने के बीच गांवों का शहरों से संपर्क कट गया। शहर में शनिवार शाम चार बजे तक पिछले आठ घंटे में 219 मिलीमीटर बारिश हुई है। लोग सुरक्षित स्थानों तक पहुंचने के लिए कमर तक पानी में चलते हुए नजर आए। उनमें से कुछ को पानी की तेज धार से बचाने के लिए वॉलंटियर्स ने मदद की। नवसारी और जूनागढ़ जिले बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। बारिश के कारण कई आवासीय क्षेत्रों और बाजारों में पानी भर गया।

प्रशासन ने लोगों से एहतियात बरतने का अनुरोध किया है और उनसे किसी अप्रिय घटना या आकस्मिक स्थिति में कंट्रोल रूम से संपर्क करने की अपील की है। लोगों को बांधों या उनके आसपास के क्षेत्रों में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बचाव टीमों को तैनात किया गया है।

दक्षिण गुजरात में नवसारी जिले में भारी बारिश हुई तथा बाढ़ के कारण शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनजीवन पटरी से उतर गया। राज्य आपात अभियान केंद्र ने बताया कि जिले के नवसारी और जलालपोर तालुका में शनिवार सुबह छह बजे से शाम 4 बजे तक क्रमशः 303 और 276 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

मूसलाधार बारिश होने से गलियों एवं निचले इलाकों में भारी जलभराव हो गया। इससे शहर में ट्रैफिक जाम हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ के कारण नवसारी के निकट मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात जाम लग गया।

मिजोरम में आदिवासी मैतेई समुदाय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटना को लेकर काफी आक्रोशित है। शुक्रवार को एक बयान जारी कर संगठन ने मिजोरम में रहने वाले मैतई समुदाय के लोगों को खुली धमकी दी थी।

संगठन ने मिजोरम में रहने वाले मैतई लोगों को धमकी देते हुए कहा था कि "अपनी सुरक्षा के लिए" जितना जल्दी हो सके, राज्य छोड़ दें। बयान में कहा गया है कि मणिपुर में कुकी और जोमी समुदाय की दो महिलाओं के साथ हुई वीभत्स घटना से मिजो लोगों की भावनाएं बहुत आहत हुई हैं और इसलिए अब यहां मैतई लोगों का रहना सुरक्षित नहीं है।

मिजोरम की राजधानी आइजोल में लगभग 2,000 मैतेई लोग रहते हैं, जिनमें सरकारी कर्मचारी, छात्र और श्रमिक शामिल हैं। उनमें से कई असम की बराक घाटी से हैं। शुक्रवार रात को बयान सामने आने के बाद मिजोरम के डी.आइ.जी. उत्तरी रेंज द्वारा एक आदेश जारी किया गया, जिसमें निर्देश दिया गया कि "आइजोल में मैतेई की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए" हर स्थान पर सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाए। शनिवार दोपहर तक कुछ मैतई पहले से ही राज्य से बाहर जा चुके थे। उनमें से आइजोल में एक निजी कंपनी में काम करने वाली मैतेई समुदाय की महिला थी।

महिला ने बताया कि वह अपने चार लोगों के परिवार के साथ निजी वाहन से असम के कछार जिले में अपने घर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अब तक, उन्हें मिजोरम में खतरा महसूस नहीं हुआ है, और मिजो लोग "बहुत सौम्य, बहुत विनम्र" हैं। लेकिन अब, बहुत से मैतेई अपना सामान अपने किराए के घरों में छोड़कर भाग रहे हैं। बराक घाटी से बहुत से लोग सड़क मार्ग से जा रहे हैं और ऐसे भी बहुत से लोग हैं जो आइजोल हवाई अड्डे पर आश्रय तलाश रहे हैं। लोग काफी डरे हुए हैं।

इस बीच, मिजोरम गृह विभाग ने राज्य में रहने वाले मैतई लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की कि वे खतरे में नहीं हैं। द इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए मिजोरम के गृह आयुक्त एच लालेंगमाविया ने कहा, मैंने आज पी.एम.आर.ए. से बात की और उन्होंने कहा कि उनके संदेश की गलत व्याख्या की गई है। उन्होंने कहा कि यह कोई धमकी नहीं बल्कि मैतेई लोगों की सुरक्षा के लिए चिंता की अभिव्यक्ति है, जो सद्भावना से जारी की गई है। इसके प्रभाव को देखते हुए हमने संकल्प लिया कि वे अपना बयान वापस ले लेंगे।

गृह विभाग ने भी शाम को एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि गृह आयुक्त ने ऑल मिजोरम मणिपुरी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया। उन्होंने उनसे यह भी कहा कि "अफवाहों से गुमराह न हों और उन्हें अपने साथी मैतई लोगों को प्रेस वक्तव्य की दुर्भाग्यपूर्ण गलत व्याख्या के कारण राज्य न छोड़ने के लिए सूचित करने के लिए भी राजी किया"।

उधर, मणिपुर सरकार भी मिजोरम में मैतई समुदाय के लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है।

ट्विटर का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसका मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में था। वर्ष 2006 में मस्क द्वारा स्थापित एक्स कॉर्प के साथ विलय के परिणामस्वरूप ट्विटर कॉरपोरेशन का एक अलग कंपनी के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया। उन्होंने जून की शुरुआत में संकेत दिया था कि वह प्लेटफ़ॉर्म की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए ट्विटर को रीब्रांड करने पर विचार कर रहे हैं।

मस्क ने अपनी ज्यादातर कंपनियों के नाम और लोगो में एक्स को शामिल किया है। हाल ही में लॉन्च की गई आर्टिफिशियल कंपनी को भी एक्स ए.आई. नाम दिया गया है। उनकी की स्पेस 'एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कार्पोरेशन' कंपनी का नाम एक्सेस एक्स भी एक्स से मिलकर बना है। अब वह ट्विटर की चिड़िया लोगो को भी 'एक्स' से बदलने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा,लोगो ऐसा ही होगा लेकिन उसमें एक्स होगा।

भाजपा को लग सकता है झटका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि जातिगत जनगणना से विपक्ष को ज्यादा फायदा हो सकता है। क्योंकि इसका फायदा पिछड़ी जातियों को मिल सकता है।

अगर 2011 में हुई जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए जाते हैं और फिर दोबारा जातिगत जनगणना होती है तो भी भाजपा मुश्किल में फंस सकती है। दरअसल 2011 से अब तक ज्यादातर भाजपा का ही शासन रहा है। ऐसे में किसी जाति या वर्ग की संख्या कम होने पर भी भाजपा पर सवाल उठाया जाएगा। अब बड़ा सवाल यह है कि विपक्ष आम आदमी को जातिगत जनगणना की जरूरत और महत्व के बारे में समझा पाता है कि नहीं। अगर यह मांग केवल अपर क्लास तक सीमित रही तो विपक्ष को ज्यादा फायदा नहीं होगा।

ब्रिटिश शासनकाल में कई बार जनगणना करवाई गई और इसमें जाति की जानकारी भी दर्ज की जाती थी। हालांकि आजादी के बाद से इसमें केवल अनुसूचित जाति और जनजाति को ही जोड़ा गया। सरकार का कहना है कि 2010 में जो जातिगत जानकारी इकट्ठा की गई उसमें कई तरह की खामियां थीं इसलिए उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। हालांकि इस बार की मांग 2024 में कितना बड़ा हथियार बनेगी, यह आने वाला वक्त ही बता सकता है।

2010-11 की जनगणना में जातिगत जनगणना करवाई गई थी लेकिन आंकड़े आज तक नहीं जारी किए गए। कर्नाटक में भी साल 2015 में जातिगत जनगणना करवाई गई पर आंकड़े नहीं जारी किए गए। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने जातिगत सर्वे कराना शुरू किया था लेकिन अब यह मामला अदालत में है। खास बात यहा है कि जब नीतीश ने यह फैसला किया तब भाजपा उसकी सहयोगी थी। हालांकि अब भाजपा से अलग होकर नीतीश ने आर.जे.डी. के साथ सरकार बना ली है।

जातिगत जनगणना को लेकर एक डर भी है। दरअसल अगर इस तरह जनगणना होती है तो आरक्षण का संकट गहरा जाएगा। इन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण की मांग की जाएगी। देश में आरक्षण के लिए लंबे समय से आंदोलन होते रहे हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आरक्षण को लेकर कई आंदोलन खड़े हो जाएं। वहीं जानकारों का कहना है कि जातिगत जनगणना से विपक्ष को ज्यादा फायदा हो सकता है। क्योंकि इसका फायदा पिछड़ी जातियों को मिल सकता है।

अगर 2011 में हुई जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए जाते हैं और फिर दोबारा जातिगत जनगणना होती है तो भी भाजपा मुश्किल में फंस सकती है। दरअसल 2011 से अब तक ज्यादातर भाजपा का ही शासन रहा है। ऐसे में किसी जाति या वर्ग की संख्या कम होने पर भी भाजपा पर सवाल उठाया जाएगा। अब बड़ा सवाल यह है कि विपक्ष आम आदमी को जातिगत जनगणना की जरूरत और महत्व के बारे में समझा पाता है कि नहीं।

आंध्र प्रदेश में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऊंची प्रभु राम की प्रतिमा युगों-युगों तक समग्र दुनिया को हमारे सनातन धर्म का संदेश देगी और वैष्णव परंपरा को देश और दुनिया में मजबूत करेगी। 108 हमारी हिन्दू संस्कृति में बहुत ही पवित्र संख्या है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित मंत्रालयम गाँव में 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ यह प्रोजेक्ट ढाई साल में पूरा होगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालयम गाँव राघवेन्द्र स्वामी के मंदिर के लिए बहुत प्रसिद्ध स्थान है। साथ ही, इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व भी है, इसी तुंगभद्रा के किनारे महान विजय नगर साम्राज्य का उद्भव हुआ था जिसने आक्रान्ताओं को खदेड़ कर स्वदेश और स्वधर्म को पुनर्स्थापित किया। उन्होंने कहा कि मंत्रालयम साहित्य प्रकल्प के तहत आवास, अन्न दानम, प्राण दानम, विद्या दानम, पेयजल और गौ संरक्षण के कई सारे विषयों को आगे बढ़ाया गया है।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में कई वर्षों से लंबित राम मंदिर का शिलान्यास कर उसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। अब जल्द ही राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की स्थापना होगी और सैकड़ों वर्षों के बाद एक बार फिर प्रभु राम अपने निज गृह में विराजमान होंगे।

ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे करने वाराणसी पहुंची ए.एस.आई. की टीम, आज से काम शुरू

वाराणसी जिला अदालत के आदेश पर आर्कियॉलजिल सर्वे ऑफ इंडिया (ए.एस.आई.) विभाग सोमवार से वुजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद के सम्पूर्ण परिसर का सर्वे शुरू करने जा रहा है

वाराणसी, 23 जुलाई। वाराणसी जिला अदालत डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश के आदेश पर आर्कियॉलजिल सर्वे ऑफ इंडिया विभाग सोमवार से वुजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी के सम्पूर्ण परिसर का सर्वे शुरू करने जा रहा है। एएसआई के लखनऊ, पटना, नई दिल्ली सहित कई राज्यों की टीम रविवार रात ही वाराणसी पहुंच गई। सर्वेक्षण अधिकारियों ने देर रात मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा, डीएम एस. राजलिंगम व पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन के साथ बैठक कर रूपरेखा तय की।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि, करीब 20 सदस्यीय टीम वाराणसी पहुंच गई है। सुबह 7 बजे से सर्वे शुरु होगा। पहले चरण में ज्ञानवापी के राजस्व रिकॉर्डों के आधार पर सेटेलमेंट प्लाट संख्या 9130 का मौका मुआयना किया जाएगा। परिसर के चारों ओर रेकी व नापजोख होगी। मिट्टी के सैम्पल लिये जाएंगे। एएसआई के दिल्ली प्रभारी के नेतृत्व में टीम सर्वे करेगी। इससे पूर्व सुरक्षा के सभी बिंदुओं पर जांच के बाद जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

सर्वे को लेकर विश्वनाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के रुटीन दर्शन-पूजन में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी। उधर सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष के प्रार्थना पत्र सुनवाई संभावित है। दोपहर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दर्शन-पूजन करने जाएंगे। इसके साथ ही धाम परिसर में कथावाचक मोरारी बापू का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है।

वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी परिसर के सर्वे के आदेश पर वाराणसी की जिला जज की अदालत ने वुजू स्थल को छोड़कर ज्ञानवापी के अन्य परिसर का एएसआई सर्वे कराने की मांग मंजूर कर ली थी। ऐसे में शिवलिंग वाले क्षेत्र यानी वुजुखाने के अलावा अन्य क्षेत्र का सर्वे कराने का आदेश दिया था। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने इस मामले पर 14 जुलाई को सुनवाई पूरी कर आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने एएसआई के निदेशक को सर्वेक्षण के लिए आदेशित करते हुए 4 अगस्त तक रिपोर्ट मांगी है। 21 जुलाई को दिए आदेश में अदालत ने कहा था कि बिना कोई क्षित पहुंचाए वे वैज्ञानिक तरीके से सर्वेक्षण कराएं। अदालत ने हिन्दू पक्ष की दलीलों को मान लिया है। मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया गया है। ऐसे में अदालत के फैसले को हिन्दू पक्ष अपनी बड़ी जीत बता रहा है। अदालत का फैसला आते ही हिन्दू पक्ष की तरफ से खुशी का भी इजहार किया गया।

श्रृंगार गौरी के पूजा का अधिकारी मांग रही चार महिलाओं लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास व रेखा पाठक ने 16 मई को जिला जज की अदालत में अर्जी देकर गुहार लगाई थी कि वुजूखाना को छोड़ शेष सभी हिस्सों का वैज्ञानिक तरीके से सर्वे कराया जाए। उनकी तरफ से अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन ने इस दौरान पिछले साल वुजू खाने में हुए कोर्ट कमीशन की रिपोर्ट पेश करते हुए कहा था कि उस दौरान शिवलिंग जैसी आकृति मिली थी। आकृति की एएसआई जांच का मामला सुप्रीम कोर्ट में लम्बित है। वुजूखाने को सील किया गया है। ऐसे में उसके आसपास के क्षेत्र का एएसआई सर्वे किया जा सकता है। विष्णु जैन ने अदालत से कहा कि ज्ञानवापी परिसर का सर्वे हो तो एक और शिवलिंग मिल सकता है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि ज्ञानवापी परिसर के पश्चिमी दीवार के पास खंडहरनुमा अवशेष, तीन गुम्बदों और व्यास जी के तहखाने की जांच भारतीय पुरातत्विक सर्वेक्षण, जीपीआर, वैज्ञानिक व डेटिंग पद्धित से कराई जाए। विष्णु जैन ने सर्वे व हिंदू मंदिर के समर्थन में कई सुबूत व तथ्य भी अदालत में रखे थे। अदालत ने 22 मई, 12 व 14 जुलाई को भी सुनवाई की थी। वहीं, मुस्लिम पक्ष का कहना है कि पहले श्रृंगार गौरी के पूजा का अधिकार मांगा गया और अब ज्ञानवापी के सर्वे की मांग केवल केस को उलझाने के लिए की जा रही है।

अजीत डोभाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण ही भारतीय सेना ने चुनौती का मुकाबला करने के लिए इस क्षेत्र में काफी सैन्य ताकत झोंक रखी है।

एन.एस.ए. डोभाल अपने करीबी दोस्त रूस, यू.ए.ई. और सऊदी अरब के एन.एस.ए. से मुलाकात करेंगे और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर यूक्रेन युद्ध के प्रभाव के बारे में विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके अलावा वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दाहिने हाथ पेत्रुशेव को पूर्वी लद्दाख के साथ-साथ इंडो-पैसिफिक की स्थिति के बारे में भी चर्चा करेंगे। ब्रिक्स एन.एस.ए. बैठक में अफगानिस्तान में राजनीतिक रूप से अस्थिर स्थिति और अफगान-पाक क्षेत्र से उत्पन्न आतंकवाद और उसके प्रभाव पर भी प्रमुखता से चर्चा किए जाने की संभावना है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908